रांची में पूजा पंडालों के पट खुले, उमड़ी आस्था की भीड़

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, शनिवार 27 सितंबर 2025 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 05, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 170 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ट्रंप का एक और टैरिफ बम

1 अक्टूबर से दवाओं पर लगेगा 100% टैक्स, भारत बोला-हालात पर रख रहे नजर

एजेंसियां। वाशिंगटन

अमेरिका में एक अक्तूबर से दवाइयों से लेकर भारी ट्रकों तक आयातित सामान महंगे हो जाएंगे. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दवाइयों, किचन कैबिनेट, बाथरूम वैनिटी, गद्देदार फर्नीचर और भारी ट्रकों पर नए आयात शुल्क यानी टैरिफ लगाने की घोषणा की है. उन्होंने कहा कि दवाइयों पर 100%, किचन कैबिनेट और बाथरूम वैनिटी पर 50%, फर्नीचर पर 30% और भारी ट्रकों पर 25% आयात कर लगाया जाएगा. गुरुवार को उनके सोशल मीडिया पोस्ट से पता चला कि अगस्त में लगाए गए आयात करों और व्यापार समझौतों के बाद भी ट्रंप टैरिफ लगाने के पक्षधर हैं. ट्रंप का मानना है कि इन टैरिफ से सरकार का बजट घाटा कम होगा और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा.

इस बीच, अमेरिका की ओर से 1 अक्टूबर से ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर 100% तक टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद भारत ने इस पर प्रतिक्रिया दी है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इसकी बारीकी से निगरानी शुरू कर दी गई है. जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि भारत इस मामले पर लगातार नजर रख रहा है. जायसवाल ने कहा कि सोशल मीडिया पर नई टैरिफ से जुड़े नोटिस मिलने के बाद भारत ने फार्मा और अन्य संबंधित उत्पादों पर रिपोर्ट देखी है. उन्होंने बताया कि संबंधित मंत्रालय और विभाग इस मामले पर करीबी निगरानी रख रहे हैं और इसके संभावित प्रभाव का अध्ययन कर रहे हैं.

अमेरिका में विनिर्माण संयंत्र बनाने वाली कंपनियों पर लागू नहीं होगा आयात कर : ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि दवाइयों पर लगने वाले नए आयात कर उन कंपनियों पर लागू नहीं होंगे, जो अमेरिका में विनिर्माण संयंत्र बना रही हैं या निर्माण कार्य शुरू कर चुकी हैं. हालांकि, यह साफ नहीं है कि जिन कंपनियों के पहले से ही अमेरिका में कारखाने हैं, उन पर यह छूट लागू होगी या नहीं. जनगणना ब्यूरो के अनुसार, अमेरिका ने 2024 में करीब 233 अरब डॉलर की दवाइयां और औषधीय उत्पाद आयात किए थे. ऐसे में दवाओं की कीमत दोगुनी होने की आशंका से लोगों के स्वास्थ्य खर्च, मेडिकेयर और मेडिकेड योजनाओं पर भी बोझ बढ़ सकता है.

ट्रंप के कहर से शेयर बाजार में हाहाकार

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप के एक फैसले से भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी गिरावट आई. ट्रंप ब्रांडेड और पेटेंट दवाओं के आयात पर 1 अक्टूबर, 2025 से 100% तक का भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है. इससे फार्मा शेयरों में भारी गिरावट आई. बीएसई सेंसेक्स 800 अंक से ज्यादा गिरकर 80,400 के स्तर से नीचे चला गया. वहीं, निफ्टी 50 भी 250 अंक से ज्यादा गिरकर 24,650 के स्तर से नीचे आ गया. दोपहर बाद 2.30 बजे सेंसेक्स 786.52 अंक यानी 0.97% की गिरावट के साथ 80,373.16 अंक पर था. निफ्टी 247.40 अंक यानी 0.99% गिरावट के साथ 24,643.45 अंक पर था. ट्रंप के 'ब्रांडेड और पेटेंट' दवाओं पर 100% शुल्क लगाने के फैसले के बाद भारतीय फार्मा कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई. निवेशकों ने इस पर नकारात्मक प्रतिक्रिया दी. माना जा रहा है कि शुक्रवार को करीब 8 लाख करोड़ रुपए बाजार में डूब गए.

पाकिस्तान ने भारत के जले पर छिड़का नमक

वाशिंगटन। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से वॉइट हाउस में मुलाकात की. इस दौरान पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर भी शामिल रहे. इस दौरान भी शहबाज भारत के जले पर नमक छिड़कने से बाज नहीं आए और ट्रंप को भारत-पाक के बीच युद्धविराम का क्रेडिट देते हुए उन्हें धन्यवाद दे डाला. ट्रंप को शांति पुरुष भी कहा. पाकिस्तान के पीएमओ से जारी बयान के अनुसार, ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ बैठक के दौरान शहबाज शरीफ ने कहा कि ट्रंप के निर्भीक, साहसी और निर्णायक कदमों ने पाक और भारत के बीच युद्धविराम को सुगम बनाने में मदद की है, जिससे दक्षिण एशिया में एक बड़ी तबाही टल गई. इसके साथ ही शहबाज ने गाजा में संघर्ष को समाप्त करने के प्रयास में मुस्लिम जगत के नेताओं को आमंत्रित करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की तारीफ की. असीम मुनीर के साथ प्रधानमंत्री शहबाज ने पाकिस्तान और अमेरिका के बीच टैरिफ समझौते के लिए भी ट्रंप को धन्यवाद दिया.

भारत पर पड़ेगा नए टैरिफ का असर

ट्रंप के दवाओं के आयात पर 100 फीसदी टैरिफ के फैसले का भारत पर प्रभाव पड़ सकता है. खासकर देश के दवा निर्माण उद्योग पर. बीते वित्त वर्ष में भारत की तरफ से दुनिया को 2.5 लाख करोड़ रुपये (27.9 अरब डॉलर) की दवाओं का निर्यात हुआ था. इसमें अमेरिका को ही 77 हजार करोड़ (8.7 अरब डॉलर) की दवाएं निर्यात हुई थीं. भारत के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार रहा है. 2025 के पहले छह महीनों में ही अमेरिका को कुल 32 हजार 505 करोड़ (3.7 अरब डॉलर) की दवाओं का निर्यात हो चुका है. ऐसे में 100% टैरिफ लगने से अमेरिका में भारत की सस्ती दवाएं भी महंगी दरों पर बिकेंगी. जिन कंपनियों पर असर पड़ने की संभावना है, उनमें डॉ. रेड्डीज, सन फार्मा, लुपिन समेत कई कंपनियां शामिल हैं. चौंकाने वाली बात यह है कि ट्रंप के टैरिफ का सबसे ज्यादा असर ब्रांडेड या पेटेंट कराई हुई दवाओं पर पड़ने की आशंका है, हालांकि जेनेरिक दवाओं को लेकर भी संशय की स्थिति है.

भारत ने खारिज किया यूक्रेन युद्ध पर नाटो चीफ का दावा, कहा

पूरी तरह बेबुनियाद, मोदी और पुतिन की ऐसी कोई बात नहीं हुई

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को नाटो के महासचिव मार्क रूटे के उन दावों को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के बाद भारत ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस की रणनीति पर सवाल उठाए हैं. भारत के विदेश मंत्रालय ने रूटे के इस दावे को 'तथ्यात्मक रूप से गलत और पूरी तरह आधारहीन' बताया है. विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा है कि रूस के साथ यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत की ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई और मार्क रूटे को भविष्य में ऐसी बयानबाजी को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी.

भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, 'हमने नाटो महासचिव मार्क रूटे के बयान का संज्ञान लिया है, जिसमें पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर कथित बातचीत का जिक्र है. यह बयान तथ्यों से मेल नहीं खाता और पूरी तरह झूठा है. मोदी ने कभी पुतिन से इस तरह बात नहीं की. ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई. भारत ने मार्क रूटे की आलोचना करते हुए कहा कि नाटो जैसे महत्वपूर्ण संगठन के प्रमुख को सार्वजनिक बयानों में ज्यादा जिम्मेदारी और सटीकता दिखानी चाहिए.

मार्क रूटे ने यूक्रेन युद्ध को लेकर क्या दावा किया

विदेश मंत्रालय ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि नाटो लीडरशिप के बयान ज्यादा सावधानी से दिए जाएं. प्रधानमंत्री की मुलाकातों को गलत तरीके से पेश करना या ऐसी बातचीत का जिक्र जो कभी हुई ही नहीं, यह स्वीकार्य नहीं है. बता दें कि रूटे ने गुरुवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र से इतर सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में यह दावा किया था. रूटे ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर लगाए टैरिफ का रूस पर बड़ा असर पड़ रहा है. उन्होंने दावा किया, नई दिल्ली और मॉस्को फोन पर एक दूसरे से संपर्क में हैं. मोदी यूक्रेन युद्ध पर पुतिन को अपनी रणनीति समझाने को कह रहे हैं, क्योंकि भारत को इन टैरिफ से नुकसान हो रहा है.

भारत की प्राथमिकता राष्ट्र हित और आर्थिक सुरक्षा

नई दिल्ली ने अमेरिकी टैरिफ को अन्यायपूर्ण बताया था. भारत ने हमेशा यूक्रेन मुद्दे पर शांति की बात की है. पीएम मोदी ने हाल ही में पुतिन से फोन पर बात की थी और अपने जन्मदिन पर शुभकामनाओं के लिए उनका आभार जताया था. इस बातचीत में भी पीएम मोदी ने यूक्रेन युद्ध में शांति का समर्थन किया था. रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भारत ने एक बार फिर दोहराया कि 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी पहली प्राथमिकता है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करता रहेगा.

रायपुर में स्टील प्लांट की इमारत गिरने से छह मजदूरों की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया. यहां की सिलतरा स्थित एक स्टील प्लांट में निर्माणाधीन ढांचा गिरने से छह मजदूरों की ही मौत हो गई. वहीं छह मजदूर घायल हैं. पुलिस और राहत दल मौके पर राहत कार्य में जुटे हैं.बताया जाता है कि मलबे में अभी कई लोग दबे हुए हैं. छह मजदूरों का शव अस्पताल पहुंचा है. प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी है. घायलों के इलाज का आश्वासन दिया है. इस हादसे पर सीएम विष्णुदेव साय ने शोक संवेदना व्यक्त की है. सीएम ने मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की व घायलों के स्वस्थ होने की कामना की है.

लद्दाख हिंसा में सोनम वांगचुक गिरफ्तार

- एनजीओ का लाइसेंस रद्द होने पर सरकार को दी थी वॉर्निंग

एजेंसियां। लेह

लद्दाख के सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया. लद्दाख में हाल ही में हुई हिंसा के बाद यह एक्शन लिया गया है. उन्हें 2:30 बजे निर्धारित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया. वांगचुक को लेह पुलिस ने गिरफ्तार किया, जिससे व्यापक प्रतिक्रियाएं सामने आईं और चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर चिंताएं बढ़ गईं हैं. वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया है, लेकिन अभी तक जेल नहीं भेजा गया है. सोनम वांगचुक की गैर-लाभकारी संस्था स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख का एफसीआरए, 2010 के तहत विदेशी चंदा लेने का रजिस्ट्रेशन गृह मंत्रालय ने गुरुवार को रद्द कर दिया था. गौरतलब है कि लद्दाख में बीते 24 सितंबर को हिंसक प्रदर्शन हुआ था.प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ियों को और बीजेपी कार्यालय को आग के हवाले कर दिया था. इस हिंसा में 4 लोगों की जान चली गई थी जबकि 70 से ज्यादा लोग घायल हुए थे.

वांगचुक का जवाब

वांगचुक ने लद्दाख में हाल ही में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के लिए गृह मंत्रालय द्वारा उन्हें जिम्मेदार ठहराए जाने को 'बलि का बकरा' बनाने की रणनीति बताते हुए गुरुवार को कहा था कि इसका उद्देश्य हिमालयी क्षेत्र की मूल समस्याओं से निपटने से बचना है. वांगचुक ने आगे कहा कि वह कड़े जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तारी के लिए तैयार हैं. वांगचुक ने कहा था कि ये कहना कि यह (हिंसा) मेरे या कांग्रेस द्वारा भड़काई गई थी, समस्या के मूल से निपटने के बजाय बलि का बकरा ढूंढने जैसा है, और इससे कोई हल नहीं निकलेगा.'

बिहार में महिलाओं के खाते में आए 10 हजार रुपए, पीएम मोदी बोले

नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार आपके दो भाई

शुभम संदेश। पटना

पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार चुनाव से ठीक पहले शुक्रवार को राजद पर निशाना साधा. कहा कि जब लालटेन का राज था, तब बिहार में भ्रष्टाचार था. मोदी ने इस दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत बिहार की 75 लाख महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपए भेजे.

पीएम मोदी ने कहा, नवरात्रि के इन पावन दिनों में आज मुझे बिहार की नारी शक्ति के साथ उनकी खुशियों में शामिल होने का अवसर मिला. नवरात्रि के इस पावन पर्व पर आप सबका आशीर्वाद, हम सबके लिए एक बहुत बड़ी शक्ति है. मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं. बिहार की बहनों के लिए उनके दो भाई हैं-एक नरेंद्र और दूसरे नीतीश.

मोदी ने राजद पर साधा निशाना: पीएम ने आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा, राजद के राज में कोई भी घर में सुरक्षित नहीं था. सबसे ज्यादा मार महिलाओं ने झेली है. महिलाओं ने आरजेडी नेताओं के अत्याचार को भी देखा है, लेकिन नीतीश राज में बेटियां बेखौफ घूमती हैं. हम महिलाओं को बचाने के लिए उज्ज्वला योजना लेकर आए हैं. उन्होंने कहा, जब कोई सरकार महिलाओं को केंद्र में रखकर कोई नीति बनाती है, तो उसका फायदा समाज के दूसरे हिस्सों पर भी पड़ता है. उदाहरण के लिए, उज्ज्वला योजना से कितना बड़ा बदलाव आया है, ये आज पूरी दुनिया देख रही है. स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान. इस अभियान के सवा चार लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर गांव-गांव और कस्बों में लगाए जा रहे हैं. खून की कमी, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की जांच की जा रही है.

बहन-बेटियों के सपनों में लगेंगे पंख

पीएम ने कहा, आज से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार' योजना शुरू की जा रही है. इस योजना से अब तक 75 लाख बहनें जुड़ चुकी हैं. अभी एक साथ इन सभी 75 लाख बहनों के बैंक अकाउंट में 10-10 हजार रुपये भेजे गए हैं. जब यह प्रक्रिया चल रही थी, तब मैं सोच रहा था कि आज नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार की बहनों-बेटियों के लिए कितना बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है. जब कोई बहन या बेटी रोजगार या स्वरोजगार करती है, तो उसके सपनों को नए पंख लग जाते हैं और समाज में उसका सम्मान और भी बढ़ जाता है.

संगीतमय सृष्टि की आत्मा हैं स्कन्दमाता

डॉ. मयंक मुरारी

सृष्टि की चेतना में शिव और शक्ति की दो धाराएं है. अध्यात्म में प्रकृति और पुरुष तथा विज्ञान में धनात्मक और ऋणात्मक ऊर्जा है. अस्तित्व में इस शिव और शक्ति का साथ होना ही संसार है. इस संसार का सर्वोत्तम स्वरूप स्कन्धमाता है. जैसे संगीत में स्वर के साथ ताल चाहिए. वैसा ही शिव और शक्ति की चेतना इस संसार में सफलता के लिए जरूरी है. शिव का मौन में जीवन का धर्म है, तो शक्ति के स्पंदन में कर्म का वितान है.

विज्ञान कहता है कि ब्रहांड के निर्माण के लिए तीन चीजों की जरूरत है. पहला पदार्थ, दूसरा ऊर्जा और तीसरा घटक है दिक यानी देश. जिसका विस्तार अनंत है. आइन्स्टीन ने तो ई बराबर एमसी एसक्यवायर टू का सिद्धांत देकर यह बताया कि ब्रह्मांड के लिए दो ही घटक दिक् और ऊर्जा की जरूरत है. बिंग-बैंग के साथ ब्रह्मांड और ब्रह्मांड के साथ दिक और काल अस्तित्व में आया. इसके बाद पदार्थ आया. हॉकिंस कहते है कि बिंग-बैग के साथ अपरिमित मात्रा में सकारात्मक ऊर्जा निकला, तब उतनी ही मात्रा में नकारात्मक ऊर्जा भी उत्पन्न हुआ. चूंकि दोनों ऊर्जा का योग शून्य होता है. सकारात्मक ऊर्जा से पदार्थ, पृथ्वी, तारे, नीहारिका और आकाशगंगा बने.

स्कन्दमाता का स्वरूप शिव और शक्ति का समुच्चय है. शिव तत्व सदैव शांत और किसी भी प्रकार के कर्म से परे का सूचक है. आदिशक्ति सब प्रकार के कर्म के लिए उत्तरदायी है. ऐसी मान्यता है कि देवी इच्छा शक्ति, ज्ञान शक्ति और क्रिया शक्ति का समागम है. जब शिव तत्व का मिलन इन त्रिशक्ति के साथ होता है तो स्कन्द का जन्म होता है. स्कंदमाता ज्ञान और क्रिया के स्रोत, आरम्भ का प्रतीक है. इसे हम क्रियात्मक ज्ञान अथवा सही ज्ञान से प्रेरित क्रिया या कर्म भी कह सकते हैं. (श्री रविशंकर के आलेखः नवरात्र का रहस्य). स्कन्द सही व्यवहारिक ज्ञान और

क्रिया के एक साथ होने का प्रतीक है. स्कन्द तत्व मातृ देवी का एक और रूप है. हम अक्सर कहते हैं, कि ब्रह्म सर्वत्र, सर्वव्यापी है, किंतु जब आपके सामने मुश्किल स्थिति आती है, तब हम क्या करते ह ? जब हमारा कर्म सही व्यवहारिक ज्ञान से लिप्त होता है तब स्कन्द तत्व का उदय होता है. और देवी दुर्गा स्कन्द तत्व की माता हैं. पांचवां दिन मां स्कंदमाता का है. भगवान कार्तिकेय का एक नाम स्कन्द भी है जो ज्ञानशक्ति और कर्मशक्ति के एक साथ सूचक हैं. स्कन्द इन्हीं दोनों के मिश्रण का परिणाम है. स्कन्दमाता वह दैवीय शक्ति हैं, जो व्यवहारिक ज्ञान को सामने लाती हैं दृ वह जो ज्ञान को कर्म में बदलती हैं. देवी स्कन्दमाता औषधि के रूप में अलसी में विद्यमान हैं. यह वात, पित्त व कफ रोगों की नाशक औषधि है. भगवान शिव की अर्धांगिनी के रुप में मां ने स्वामी कार्तिकेय को जन्म दिया था. भगवान कार्तिकेय का दूसरा नाम स्कंद है इसलिए मां दुर्गा के इस रुप को स्कंदमाता कहलाया. स्कंदमाता चतुर्भुजी, त्रिनेत्रधारी हैं और सिंह पर सवार हैं. उनका एक हाथ भय निवारक अभयमुद्रा में है, जबकि दूसरे से वे पुत्र स्कंद के शिशु रूप को गोद में लिए हुए हैं. उनके शेष दो निचले हाथों में आमतौर पर कमल पुष्प धारण किए हुए दिखाए जाते हैं. और चूंकि उन्हें कमल पर विराजमान दिखाया जाता है, इसलिए उन्हें कभी-कभी पद्मासनी भी कहा जाता है. मानव जीवन में स्कन्धमाता के स्वरूप की क्या उपयोगिता है ? हम शिव बनेंगे, तो निष्क्रियता का भाव रहेगा. हमारे जीवन में जड़ता आयेगी. दूसरी ओर शक्ति से गतिशीलता रहेगी, लेकिन स्थिरता का अभाव रहेगा. इसलिए स्कन्धमाता का भाव चाहिए जिसमें शिव और शक्ति का गुण समावेशित हो.

स्कन्द माता का स्वरूप हमें बताता है कि जीवन का सर्वोच्च समय वह है जब हमारे भीतर दोनों तत्वों का मेल होता है तब चित्त स्थिर रहता है. सृजन क्रिया सहज होती है. स्कन्द माता के आह्वान से समस्त इच्छाएं पूर्ण हो जाती हैं. इस मृत्युलोक में ही उसे परम शांति और सुख का अनुभव होने लगता है. स्कंदमाता की उपासना से बालरूप स्कंद भगवान की उपासना भी स्वमेव हो जाती है. सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज एवं कांति से संपन्न हो जाता है. एक अलौकिक प्रभामंडल अदृश्य भाव से सदैव उसके चतुर्दिक परिव्याप्त रहता है.

प्रियंका ने नीतीश सरकार पर हल्ला बोला, कहा

चुनाव आए तो महिलाओं को दिए जा रहे 10 हजार

शुभम संदेश। पटना

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को सदाकत आश्रम में महिला संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया.

उन्होंने इस दौरान कई महिलाओं से बातचीत भी की. उनकी समस्याएं सुनीं और हल करने की भरोसा दिया. प्रियंका ने नीतीश सरकार पर हमला भी किया. कहा कि भाजपा और जदयू बिहार में 20 साल से सत्ता में है. पूछा कि आज तक इन्होंने महिलाओं के लिए क्या किया है? आज क्यों जागी है सरकार? लोगों को लगता है कि पैसा देने से महिलाओं के वोट मिल जाएंगे, लेकिन महिलाएं समझदार हैं. महिलाएं चुनावों में शक्ति दिखाएंगी. बिहार में चुनाव आ रहा है, तो महिलाओं को 10 हजार महीना दिया जा रहा है. प्रियंका का इशारा मोदी द्वारा मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किये जाने की ओर था. प्रियंका ने कहा कि आज ये सरकार महिलाओं को 10 हजार रुपए सिर्फ इसलिए दे रही है, ताकि चुनावों में महिलाएं भाजपा को वोट दें. यही इनका मकसद है और नीयत है. प्रियंका गांधी ने कहा, मेरे भाई राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय के लिए पूरे देश में संघर्ष किया. वे चाहते हैं कि महिलाओं को न्याय व सम्मान मिले. अगर आप न्याय और सम्मान चाहती हैं, तो आपको भाजपा-जदयू सरकार को बिहार में हराना पड़ेगा. आपको देखना पड़ेगा कि कौन सी पार्टी आपको सम्मान दे रही है.

टेरर फंडिंग केस में पीएलएफआई सरगना दिनेश गोप की पत्नी हीरा देवी को हाईकोर्ट से मिली जमानत

शुभम संदेश। रांची

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के सरगना दिनेश गोप की पत्नी हीरा देवी को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. टेरर फंडिंग और लेवी वसूली के मामले में गिरफ्तार की गई हीरा देवी को अदालत ने जमानत दे दी है. हीरा देवी को 31 जनवरी 2020 को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिनेश गोप की दूसरी पत्नी शकुंतला कुमारी के साथ गिरफ्तार किया था. आरोप है कि दोनों महिलाएं दिनेश गोप के साथ मिलकर उगाही के पैसे को फर्जी कंपनियों में निवेश कर रही थीं. इस पूरे नेटवर्क में सुमंत कुमार और अरुण गोप जैसे कई सहयोगी भी शामिल थे.बाद में 21 फरवरी 2023 को एनआईए ने दिनेश गोप को भी टेरर फंडिंग मामले में गिरफ्तार किया था और वह तब से जेल में बंद है. एक अन्य मामले में नोटबंदी के दौरान अवैध लेवी की रकम को खपाने की कोशिश का भी खुलासा हुआ था. 10 नवंबर 2016 को बेड़ो थाना पुलिस ने एसबीआई की बेड़ो शाखा में छापेमारी कर तीन लोगों विनोद कुमार, चंद्रशेखर कुमार और नंदकिशोर महतो को गिरफ्तार किया था. उनके पास से 25 लाख 38 हजार रुपये की पुरानी करेंसी बरामद हुई थी.इस केस की जांच 16 जनवरी 2018 को एनआईए ने अपने हाथ में ली थी. अब तक इस मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार कर चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है. गिरफ्तार आरोपियों में कई स्थानीय प्रभावशाली नाम जैसे इंजीनियर सुमंत कुमार, नंदलाल स्वर्णकार और जितेंद्र कुमार शामिल हैं.

अलका तिवारी ने पूरा किया अंतिम कार्य दिवस

नए मुख्य सचिव की तलाश तेज

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने शुक्रवार को अपने कार्यकाल का अंतिम दिन पूरा कर लिया. हालांकि वह 30 सितंबर तक आधिकारिक रूप से पद पर बनी रहेंगी, लेकिन यह उनका आखिरी कार्य दिवस था. 27 सितंबर से लेकर 2 अक्तूबर तक सचिवालय में अवकाश रहने के कारण व्यावहारिक रूप से शुक्रवार को ही उनका आखिरी दिन माना गया. इसके साथ ही राज्य में नए मुख्य सचिव को लेकर ब्यूरोक्रेसी में हलचल और सरगर्मी तेज हो गई है.

सेवा विस्तार की संभावना खत्म: सूत्रों के अनुसार, अलका तिवारी

को सेवा विस्तार मिलने की संभावना लगभग समाप्त हो गई है. राज्य सरकार ने केंद्र से उनके कार्यकाल को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं भेजा है. लिहाजा अब सरकार को नए मुख्य सचिव की नियुक्ति करनी ही होगी. इस स्थिति में नौकरशाही के गलियारों में यह चर्चा गर्म है कि कौन इस जिम्मेदारी को संभालेगा.

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापसी की कोशिश

मुख्य सचिव रैंक के वरिष्ठ अधिकारी शैलेश कुमार सिंह वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं. सरकार की ओर से उन्हें वापस लाने की कोशिश की जा रही है. हालांकि सूत्र बताते हैं कि वह इस दिशा में खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं. ऐसे में उनका झारखंड लौटना फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है.

स्थानीय स्तर पर तीन नाम चर्चा में

झारखंड में मुख्य सचिव रैंक के तीन अधिकारी कार्यरत हैं- अविनाश कुमार, अजय कुमार सिंह और नितिन मदन कुलकर्णी. इनमें से अविनाश कुमार और अजय कुमार सिंह का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है. नौकरशाही के भीतर चर्चा है कि सरकार की पसंद अविनाश कुमार हो सकते हैं और उन्हें ही प्रभार सौंपा जा सकता है. हालांकि इस पर अभी आधिकारिक मुहर नहीं लगी है. वहीं, नितिन मदन कुलकर्णी को लेकर कयास बेहद कमजोर हैं. कारण यह है कि वह सरकार के "गुड फेथ" अधिकारी नहीं माने जाते. पिछले कई वर्षों से उनकी तैनाती केवल राजभवन तक ही सीमित रही है, जिससे साफ है कि सरकार उन्हें मुख्य सचिव बनाने के मूड में नहीं है.

अन्य विकल्प सीमित : शैलेश कुमार सिंह के अलावा दो और अधिकारी— निधि खरे और सत्येंद्र कुमार सिंह— भी मुख्य सचिव रैंक में हैं और केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं. लेकिन सरकार के शीर्ष स्तर पर उनके नाम पर गंभीरता से विचार नहीं किया जा रहा है. यही कारण है कि संभावनाओं का दायरा फिलहाल झारखंड में तैनात अधिकारियों तक ही सीमित रह गया है.

ब्यूरोक्रेसी में उत्सुकता : ब्यूरोक्रेसी में इस समय सबसे बड़ा सवाल यही है कि अलका तिवारी के बाद राज्य का नया मुख्य सचिव कौन होगा. प्रशासनिक हलकों में इस विषय पर चर्चाएं तेज हो गई हैं और तमाम अधिकारी इस निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं. झारखंड में मुख्य सचिव का पद प्रशासनिक दिशा और नीतिगत निर्णयों के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है. अलका तिवारी के कार्यकाल के बाद यह जिम्मेदारी किसे सौंपी जाएगी, इस पर सबकी निगाहें टिकी हैं. आने वाले दिनों में सरकार की घोषणा के साथ यह सस्पेंस खत्म होगा, लेकिन फिलहाल चर्चा का केंद्र यही मुद्दा है.

पर्व के दौरान सफाई और नागरिक सुविधाओं के लिए निकायों को प्रधान सचिव ने दिए टास्क

स्ट्रीट लाइट दुरुस्त हों, सड़कों के गड्ढे भरे जाएं, सुगम यातायात, जन सुविधाओं की मुक्कमल व्यवस्था हो

शुभम संदेश। रांची

दुर्गा पूजा, दशहरा, दिवाली, छठ सहित अन्य त्योहारों को ध्यान में रखते हुए नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने राज्य के सभी नगर निकायों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा है की विनिर्दिष्ट निर्देशों का पालन कर त्योहारों के दौरान बेहतर नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराएं, ताकि विभाग एवं सरकार की सकारात्मक छवि उभर सके. इसके लिए स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए.

विशेष सफाई कराई जाए, कचरे का समय पर उठाव हो :प्रधान सचिव ने निकायों को निर्देश दिया है कि त्योहारों के दौरान स्वच्छता अभियान चलाया जाए. इसके तहत सभी वार्डों, बाजारों, पंडाल क्षेत्रों, नदी तटों, तालाबों एवं घाटों की विशेष सफाई कराई जाए. कचरे का समय पर उठाव सुनिश्चित कराया जाए. साथ ही भीड़ एवं व्यस्ततम स्थानों पर अतिरिक्त डस्टबिन एवं कंटेनर उपलब्ध कराए जाएं, जिससे कचरा बाहर नहीं फैले. विशेषकर रात्रि में निरंतर सफाई व्यवस्था के लिए पाली बांध कर स्वच्छता कर्मियों की तैनाती करायी जाए.

ये निर्देश भी

- आपातकालीन समस्या से निपटने के लिए सभी इंतजाम कराए जाएं, फर्स्ट एड की भी सुविधा उपलब्ध हो
- आम नागरिकों की सुविधा के लिए अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर काम किया जाये

सड़कों पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था की जाए : प्रधान सचिव कुमार ने निर्देश में कहा है कि पर्व के दौरान शहर की सड़कों पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि अंधेरे में दर्शनार्थियो को कष्ट न हो. इसके लिए खराब स्ट्रीट लाइटों की तुरंत मरम्मत करायी जाए या नई लाइट की व्यवस्था की जाए. सार्वजनिक स्थलों, पंडाल क्षेत्रों, पहुंच मार्गों एवं विसर्जन व छठ घाटों पर पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए. यही नहीं जहां आवश्यकता हो, वहां अस्थायी प्रकाश की व्यवस्था किया जाए.

जन सूचना एवं शिकायत निवारण केंद्र की स्थापना हो: कुमार ने नगर निकायों को निर्देश दिया है कि पर्व के समय अन्य विभागों से समन्वय बना कर बिजली, पानी, यातायात, स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन विभागों के साथ मिलकर सुचारू त्योहार प्रबंधन कराए. जन सूचना एवं शिकायत निवारण केंद्र की स्थापना होनी चाहिए. आम लोगों की सुविधा के लिए नगर निकाय अपना हेल्पलाइन नंबर प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित कराएं . आपातकालीन समस्या के लिए प्रमुख पंडाल स्थलों पर अग्नि सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन व चिकित्सीय आपात स्थिति हेतु त्वरित प्रतिक्रिया दल तैयार रखें. निर्दिष्ट स्थानों पर प्राथमिक उपचार व अग्निशामक यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित कराए जाएं.

सड़क एवं यातायात प्रबंधन के समुचित उपाय हों

प्रधान सचिव ने निर्देश दिया कि सड़क एवं यातायात प्रबंधन के समुचित उपाय भी किये जाने चाहिए. इसके लिए गड्ढे भरने, पैचवर्क कराने, प्रमुख पहुंच मार्गों के समतलीकरण के लिए पथ निर्माण विभाग के अभियंताओं के साथ समन्वय स्थापित कर काम किया जाये. लोगों की सुविधा के लिए सड़क चिन्ह, ज़ेब्रा क्रॉसिंग एवं दिशा सूचक संकेतों की पुनः पेंटिंग कर उन्हें स्पष्ट रूप से उभारा जाए. सड़क किनारे के अतिक्रमण औल मलबे को हटाकर सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए.

हर नगर निकाय में विशेष मोबाइल टीम का गठन कर शिकायतें दूरी की जाएं

पर्व के दौरान निरंतर सफाई और नागरिक सुविधाओं के बहाली के लिए विशेष अनुरक्षण दल का गठन किया जाए, हर नगर निकाय में विशेष मोबाइल टीम का गठन कर दैनिक निगरानी व जन उपयोगिता संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान करने की कार्रवाई की जाए. एक नियंत्रण कक्ष और हेल्प डेस्क स्थापित कर उसका संपर्क नंबर व्यापक रूप से प्रचारित कराएंय उन्होंने कहा है की वृक्ष एवं डिवाइडर का अनुरक्षण उचित ढंग से कराया जाए. पेड़ो की उन शाखाओं की छंटाई एवं कटाई करायी जाए, रोशनी, ट्रैफिक सिग्नल की दृश्यता में बाधक हों या हवा और बारिश से खतरा उत्पन्न करें. सड़क, डिवाइडर, रेलिंग एवं ट्रैफिक गोलंबरों की सफाई कर उन्हें पुनः रंग-रोगन व पौधों के रखरखाव द्वारा आकर्षक बनायें.

पूजा के दौरान जलापूर्ति एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए

प्रधान सचिव ने कहा है कि पूजा के दौरान जलापूर्ति एवं स्वच्छता पर विशेष बल जोर दिया जाए. पंडाल क्षेत्रों, विसर्जन स्थलों व छठ घाटों के समीप निरंतर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करायी जाए. जहां आवश्यकता हो, वहां अस्थायी वाटर टैंक या टैंकर उपलब्ध कराए जाएं. अधिक भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में मोबाइल शौचालय स्थापित कर उनकी नियमित सफाई सुनिश्चित कराएं. उन्होंने कहा है कि ठोस एवं तरल अपशिष्ट का प्रबंधन कर सफाई का पूर्ण इंतजाम होना चाहिए. पूजा से संबंधित अपशिष्ट (फूल, प्रतिमाएं, प्रसाद) के संग्रहण एवं निस्तारण हेतु विशेष व्यवस्था करें. यथासंभव अपशिष्ट को जलाशयों में डालने से रोका जाए और इसके लिए चिह्नित संग्रहण स्थलों की व्यवस्था करायी जाए.

एक नजर

डॉ मनमोहन सिंह की जयंती पर स्मारिका का लोकार्पण हुआ, कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

रांची। रांची प्रेस क्लब में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षा विभाग द्वारा भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती पर उनके जीवन पर आधारित स्मारिका का लोकार्पण किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता स्टेट चेयरमैन श्याम नारायण सिंह ने की. उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का जीवन सेवा और समर्पण का प्रतीक है.कांके विधायक सुरेश बैठा ने उन्हें आदर्श नेता बताया. प्रदेश मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजिनी ने कहा कि उनकी सादगी और कर्मनिष्ठा प्रेरणादायक है. चंदशेखर शुक्ला, अभिलाष साहू, गोपाल सिंह, अनंत सिंह, अवधेश सिंह, व्यास सिंह, नागेंद्र कुमार व विमला कुमारी ने भी विचार साझा किए. कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि डॉ. सिंह का जीवन लोकतंत्र और सेवा भाव का प्रतीक है. उधर कांग्रेस भवन में हुई श्रद्धांजलि सभा में विधायक सुरेश बैठा, अभिलाष साहू, लाल किशोर नाथ शाहदेव, अमूल्य नीरज खलखो, सोनाल शांति, राजन वर्मा, कमल ठाकुर, जगदीश साहू, राजीव नारायण प्रसाद, प्रभात कुमार और रामानंद केशरी समेत कई कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की. कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेसजनों ने डॉ. सिंह के शांत, परिपक्व और प्रबुद्ध नेतृत्व को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण किया.

आज से छह दिनों तक बंद रहेगा सचिवालय

रांची। झारखंड सचिवालय और और संलग्न कार्यालय शुक्रवार से छह दिनों के लिए बंद रहेंगे. कार्यालय 3 अक्टूबर (गुरुवार) को दोबारा खुलेंगे. इस बीच, यदि कोई कर्मचारी 3 अक्टूबर को एक दिन का सीएल लेता है, तो उसे कुल 9 दिनों की लंबी छुट्टी मिल सकती है.कई कर्मचारियों ने 3 अक्टूबर के लिए छुट्टी की अर्जी पहले से ही दे रखी है, जिससे वे नौ दिनों तक अवकाश पर रह सकेंगे. छुट्टी की तिथियां: 27 सितंबर (शनिवार) और 28 सितंबर (रविवार) को दफ्तर बंद रहेंगे. 29 सितंबर को अष्टमी, एक अक्तूबर को नवमी और दो अक्तूबर को दशमी के कारण दफ्तर बंद रहेंगे. 3 अक्तूबर (शुक्रवार) को कार्यालय खुलेंगे, लेकिन चार और पांच अक्तूबर को शनिवार और रविवार के कारण फिर से बंद हो जाएंगे.

सड़क बनाने की मांग को लेकर मंत्री दीपक बिरुवा के चाईबासा आवास का किया घेराव

शुभम संदेश। रांची/चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा जिला अंतर्गत पंडावीर पंचायत के जोजोहातु से केचावाईपी तक 4 किलोमीटर सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन घेराव का ऐलान किया है. ग्रामीणों का आरोप है कि एक साल से लगातार आवाज उठाने के बावजूद न प्रशासन ने कोई सुध नहीं ली है और न ही विधायक सह मंत्री दीपक बिरुवा ने कोई ठोस कदम उठाया है. सड़क की दुर्दशा के कारण गांव की स्वास्थ्य सेवाएं, एंबुलेंस की पहुंच, बच्चों की पढ़ाई, किसानों की उपज ढुलाई और आपातकालीन सेवाएं प्रभावित हो रही हैं.

ग्रामीणों की मांग: जोजोहातु से केचावाईपी तक 4 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाए. सड़क की दुर्दशा के कारण हो रही समस्याओं का समाधान किया जाए.

आंदोलन की रूपरेखा: 26 सितंबर से मंत्री दीपक बिरुवा के आवास का अनिश्चितकालीन घेराव शुरू. जब तक निर्माण की ठोस घोषणा नहीं होती, यह आंदोलन जारी रहेगा. ग्रामीणों ने पुलिस-प्रशासन से विधि-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है, लेकिन साथ ही यह चेतावनी भी दी है कि अगर दबाने की कोशिश हुई तो जनता और उग्र हो जाएगी.

25 वर्षों बाद भी मूलभूत सुविधाओं के लिए ग्रामीणों के संघर्ष

चाईबासा में ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन घेराव आंदोलन झारखंड के अलग होने के 25 वर्षों बाद भी मूलभूत सुविधाओं के लिए ग्रामीणों के संघर्ष का प्रतीक है. अब देखना यह है कि प्रशासन और मंत्री इस आंदोलन पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं और ग्रामीणों की मांगों को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाते हैं.

ग्रामीणों ने मंत्री पर लगाया आरोप : ग्रामीणों ने मंत्री दीपक बिरुवा पर सीधा निशाना साधा है. उनका कहना है कि मंत्री अपने क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं से मुंह मोड़कर राजनीति में व्यस्त हैं. जनता सड़क के अभाव में रोज़ परेशान हो रही है, लेकिन मंत्री का ध्यान न तो अपने गांव की ओर है और न ही जिले की ओर.

प्रशासन की भूमिका पर सवाल : जिला प्रशासन भी इस मामले में पूरी तरह निष्क्रिय दिखाई दे रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार गुहार लगाने के बाद भी अफसर फाइल दबाकर बैठे हैं. ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर जिला मुख्यालय से चंद किलोमीटर दूर स्थित गांवों की सड़क तक ठीक कराने में प्रशासन की इतनी बेरुख़ी क्यों?

गृह विभाग का आदेश जारी

नक्सल हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों को मिलेगा मुआवजा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में नक्सल हिंसा में मारे गए पांच लोगों के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा. झारखंड के गृह, कारा एवं आपदा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश के अनुसार, नक्सल हिंसा के इन पांचों पीड़ितों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये की राशि बतौर

मुआवजा प्रदान की जाएगी. यह पीड़ित चाईबासा, खूंटी, रांची और गुमला जिले के रहने वाले हैं.

इन पांच परिवारों को मिलेगा मुआवजा

- चाईबासा : सीता मुंडा के पुत्र रतन मुंडा को एक लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा. सीता मुंडा की मृत्यु 27 मई 2018 को गुदड़ी क्षेत्र में नक्सल हिंसा में हुई थी.
- खूंटी : एतवा कुंडलना के परिजन को एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा. एतवा कुंडलना सात जुलाई 2019 को रनिया में हुई नक्सल हिंसा का शिकार हुए थे.
- चाईबासा : विक्रम होनहाना की पत्नी को एक लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा. विक्रम होनहाना की मौत 16 जून 2023 को गोइलकेरा में नक्सल हिंसा में हुई थी.
- रांची : राजेश मांझी की पत्नी को एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा. राजेश मांझी छह अगस्त 2017 को तमाड़ क्षेत्र में नक्सल हिंसा में मारे गए थे.
- गुमला : सुमित केशरी की पत्नी को एक लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा. सुमित केशरी की मृत्यु 14 जनवरी 2023 को पालकोट में नक्सल हिंसा में हुई थी.

कुड़मियों की एसटी मांग के खिलाफ आदिवासियों की महारैली व आपात बैठक

शुभम संदेश। रांची

कुड़मी समुदाय को आदिवासी की सूची में शामिल करने की मांग का विरोध जारी है. विभिन्न जिलों में आपातकालीन बैठक कर विरोध करने का निर्णय लिया जा रहा है.सरायकेला-खरसावां में गुरुवार को विभिन्न आदिवासी संगठनों की महा विरोध रैली निकाली गई थी. जिसमें अलग-अलग प्रखंडों से हजारों की संख्या में लोग रोडमैप के अनुसार जुटे. वहीं, बोकारो जिला के जरीडीह में 28 सितंबर (रविवार) को समाज की ओर से आपात बैठक बुलाकर निर्णायक रणनीति तय करने का आह्वान किया गया है.

विरोध रैली का रोडमैप तैयार: खरसावां के आदिवासी सांस्कृतिक कला केंद्र भवन/केरसे मुंडा चौक से खरसावां, सीनी और चाईबासा के लोग जुड़े. सरायकेला डीसी ऑफिस के सामने हुआ, जहां राज्यपाल और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया.

बैठक में होंगे अहम निर्णय

- आदिवासी अस्मिता, अस्तित्व, शैक्षणिक, राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक अधिकारों के हनन को रोकना.
- कुड़मी समाज की एसटी मांग के विरोध में सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन की रणनीति बनाना.
- उन नेताओं और समाजसेवियों की पहचान करना, जो आंदोलन में सहयोग नहीं कर रहे हैं.
- जिन विधायकों व सांसदों ने कागजों पर कुड़मी को आदिवासी बनाने का समर्थन किया है, उनके खिलाफ समाज की ओर से कड़ा निर्णय लेना.

बोकारो में होगी आपात बैठक: बोकारो जिला अंतर्गत नौ प्रखंडों के आदिवासी संगठनों, सामाजिक-धार्मिक संगठनों, बुद्धिजीवियों और जनप्रतिनिधियों को 28 सितंबर, रविवार सुबह 11 बजे प्रजापति धर्मशाला, जैनामोड़, जरीडीह में बुलाया गया है. वहीं, लोहरदगा में भी 27 सितंबर को मैना मैदान में कुड़मी की एसटी मांग का विरोध के लिए बैठक बुलाई गई है.

आंदोलन तेज करने की चेतावनी : आदिवासी संगठनों ने साफ कहा है कि यह लड़ाई अब आर-पार की है. किसी भी कीमत पर कुड़मी समाज को आदिवासी सूची में शामिल नहीं होने दिया जाएगा. विरोध रैली और आपात बैठक से यह साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में झारखंड समेत पूरे क्षेत्र में आंदोलन और अधिक उग्र हो सकता है.

होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम), रांची में पहले राष्ट्रीय जनजातीय पर्यटन सम्मेलन 2025 का आयोजन

जनजातीय धरोहर के वैश्वीकरण और उत्तरदायी पर्यटन पर हुआ मंथन

शुभम संदेश। रांची

होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम), रांची में शुक्रवार को राष्ट्रीय जनजातीय पर्यटन सम्मेलन 2025 का सफल आयोजन हुआ. जनजातीय धरोहर का वैश्वीकरणः समावेशी, उत्तरदायी और सतत पर्यटन विषय पर आधारित इस पहले राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य जनजातीय संस्कृति, व्यंजनों और परंपराओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना, उत्तरदायी पर्यटन को बढ़ावा देना और झारखंड को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना रहा. मुख्य अतिथि पर्यटन निदेशक विजया जाधव व विशिष्ट अतिथि के रूप में रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोरहाबादी के सचिव स्वामी भावेशानंद मौजूद रहे. अध्यक्षता आईएचएम रांची के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने की.सम्मेलन की शुरुआत दीप प्रज्वलन और

गणेश वंदना से हुई, जिसके पश्चात राजकीय मानभूम छउ नृत्य कला केंद्र, सिल्ली द्वारा छउ नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी का ध्यान खींचा. इस अवसर पर संस्थान की पहली वार्षिक मैगजीन पलाश वृत्त और पुस्तक फंडामेंटल्स ऑफ मार्केटिंग स्किल्स का विमोचन भी किया गया.

मुख्य वक्ताओं में शामिल संगीता खन्ना (कलिनरी व न्यूट्रिशन कंसल्टेंट), डॉ. मनीषा उरांव (सीईओ, द ओपन फील्ड), संजीव खलखो (विभागाध्यक्ष, टी जॉन कॉलेज) और डॉ. निशिकांत कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर, बीआईटी मेसरा) ने जनजातीय व्यंजन, सतत पर्यटन, सांस्कृतिक संरक्षण और वैश्विक नैतिक अर्थव्यवस्था पर विचार साझा किए. विजया जाधव ने झारखंड की सांस्कृतिक विविधता, समुदाय आधारित पर्यटन, पोषणयुक्त पारंपरिक व्यंजनों और महिला सशक्तीकरण की बात करते हुए कहा कि पर्यटन विकास सभी नागरिकों की साझी जिम्मेदारी है. स्वामी भावेशनंद ने जल-जंगल-जमीन की महत्ता, स्थानीय होम-स्टे मॉडल और परंपराओं को अर्थव्यवस्था से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया.प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने कहा कि सम्मेलन केवल शैक्षणिक मंच नहीं, बल्कि जनजातीय गांवों को वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की पहल है.उन्होंने यह भी घोषणा की कि अगले वर्ष सम्मेलन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा. सम्मलेन के दौरान तकनीकी सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें डॉ. निशिकांत कुमार, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची, डॉ. मनीषा ओरांव, सह-संस्थापक, द ओपन फील्ड, झारखंड, डॉ. लडली रानी, सहायक प्रोफेसर, रांची विश्वविद्यालय, तथा डॉ. पंकज चटर्जी, सहायक रजिस्ट्रार - आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड सेशन चेयर मौजूद रहे . इस तकनीकी सत्र में रवि कुमार और हरेकृष्ण चौधरी, देबंजना सेन, नवीन गुप्ता, डॉ. दिलीप कुमार दास, डॉ. संजीव खलखो, हिमांशु आर्य, मधु कुमार, सुनील कुमार, महालक्ष्मी आर और पी. राजा पीएचडी, आकाश बनर्जी एवं डॉ. अनन्या मित्रा, डॉ अजय खट्टर, अरुण मुरूगन ई और पी. राजा पीएचडी, सौम्या मालवीय और डॉ. लोकेशवर सिंह जोधना, आशीष शर्मा और प्रिया सिन्हा, राहुल देव सिंह और रामानंद कुमार मिश्रा, श्रद्धा शर्मा, डॉ. मनोहर सजनानी, डॉ. प्रतीक घोष, अंकित बरल, आशुतोष पांडेय, डॉ. सदानंदन अरीयापुथिरि, अलोक कुमार और डॉ. जया यादव, डॉ. अनिंदिता भारद्वाज और संस्कृति अग्रवाल द्वारा विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किये. सम्मेलन ने जनजातीय पर्यटन की असीम संभावनाओं की ओर न केवल ध्यान आकर्षित किया, बल्कि राज्य और देश के लिए पर्यटन विकास की नई दिशा भी निर्धारित की.

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में छापेमारी तीन घंटे तक सभी वार्ड की तलाशी ली गई

शुभम संदेश। रांची

पुलिस और जिला प्रशासन की टीम ने शुक्रवार की अहले सुबह बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा (होटवार) में छापेमारी की. तीन घंटे तक जेल के अंदर सघन तलाशी अभियान चलाया गया. छापेमारी के दौरान जेल के अंदर कुख्यात कैदियों सहित अन्य सभी कैदियों के वार्डों को खंगाला गया. प्रशासन और पुलिस की टीम ने अलग-अलग टीम बनाकर जेल के सभी वार्ड, महिला वार्ड, सेल और यहां तक कि जेल अस्पताल की भी गहन जांच की. डीसी मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर यह छापेमारी अभियान सिटी एसपी पारस राणा और सदर एसडीओ उत्कर्ष गुप्ता के नेतृत्व में चलाया गया. छापेमारी दल में पुलिस उपाधीक्षक, सदर, कार्यपालक दंडाधिकारी, सदर थाना प्रभारी, एसडीओ के अतिरिक्त 12 सब इंस्पेक्टर और बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान शामिल थे.लगभग तीन घंटे तक चली इस लंबी रेड के बावजूद पुलिस को जेल के भीतर कोई भी आपत्तिजनक वस्तु या सामग्री बरामद नहीं मिली.प्रशासन के अनुसार, जेल के भीतर सब कुछ सामान्य और नियंत्रण में पाया गया.

पंचमी
मां स्कंदमाता

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शनिवार 27 सितंबर 2025 I आश्विन शुक्ल पक्ष पंचमी, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 170 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

घटना के बाद एनडीआरएफ के रेस्क्यू की फाईल फोटो

एक्सक्लूसिव

रामकनाली में भू-धसान मामले की डीजीएमएस कर रही है जांच

20 दिन बीते, अब तक जांच पूरी नहीं, देंगे रिमाइंडर : डीसी

■ हादसे में सात मजदूरों की मौत का मामला

अमित सिन्हा

धनबाद। धनबाद जिले के कतरास क्षेत्र में बीसीसीएल की ए.के.डब्ल्यू.एम.सी. (अमृतांजन कोल वाशरी एंड मिनरल्स कंपनी) परियोजना में 5 सितंबर को हुई भूस्खलन दुर्घटना में सात मजदूरों की मौत हो गई. इस हादसे को लेकर धनबाद उपायुक्त ने बीसीसीएल को जांच कर प्रतिवेदन सौंपने का निर्देश दिया था. आपदा प्रबंधन प्राधिकार की ओर से भेजे गए पत्र के 20 दिनों बाद भी बीसीसीएल ने जांच रिपोर्ट नहीं सौंपी है. जिसे लेकर धनबाद उपायुक्त सख्त है. डीसी ने कहा कि शनिवार को रिमाइंडर भेजा जाएगा. आपदा प्रबंधन प्राधिकार की ओर से भेजे गए पत्र के बाद 16 सितंबर को खान सुरक्षा निदेशक, धनबाद क्षेत्र (क्षेत्र संचालन 1) ने उपायुक्त आदित्य रंजन को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी, जिसमें बताया गया है कि दुर्घटना की जांच डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ माइंस सेफ्टी (डीजीएमएस) के अधिकारियों द्वारा खान अधिनियम 1952 के तहत की जा रही है. जांच पूरी होने पर रिपोर्ट सौंपी जाएगी. खान निदेशक ने पत्र में यह स्पष्ट नहीं किया कि घटना की जांच कब तक पूरी होगी.

घटना का विवरण

दुर्घटना 5 सितंबर को सुबह करीब 10:30 बजे कतरास क्षेत्र के एरिया-4, रामकनाली ओपन कास्ट माइन में हुई. भारी बारिश के कारण अचानक भूस्खलन (ओवर बर्डन स्लाइड) हो गया, जिसमें एक सर्विस वैन 300-400 फीट गहरी खदान में गिर गई. वैन में सात मजदूर सवार थे, जो आउटसोर्सिंग कंपनी अम्बे माइनिंग के कर्मचारी थे. वैन चालक सहित सभी सातों की मौत हो गई. खदान के तल पर पानी भरने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में भारी कठिनाई हुई. एनडीआरएफ की टीम, कतरास पुलिस स्टेशन, रामकनाली और अंगारपाथरा आउट पोस्ट की टीमें घटनास्थल पर पहुंची. एनडीआरएफ की 31 सदस्यीय टीम ने 6 सितंबर को सुबह 7:30 बजे से ऑपरेशन शुरू किया, जो शाम 4 बजे तक चला. पहले चार शव बरामद किए गए, जबकि बाकी तीन 6 सितंबर को निकाले गए. रेस्क्यू पूरा होना के बाद एनडीआरएफ अधिकारी कौशल कुमार ने कहा था कि हमारी टीम ने बीसीसीएल के सहयोग से सफलतापूर्वक ऑपरेशन पूरा किया. मौसम की वजह से चुनौतियां थीं, लेकिन सभी प्रयास किए गए.

उपायुक्त का एक्शन

घटना के बाद धनबाद जिला प्रशासन ने तत्काल कदम उठाए. उपायुक्त आदित्य रंजन ने 8 सितंबर को पत्र जारी कर बीसीसीएल से विस्तृत जानकारी मांगी. इसके जवाब में 16 सितंबर को खान सुरक्षा निदेशक ने पत्र भेजा. पत्र में कहा गया है कि दिनांक 05 सितंबर को मेसर्स बीसीसीएल के कतरास क्षेत्र में स्थित ए.के.डब्ल्यू. एम.सी परियोजना में अचानक भूस्खलन होने से दुर्घटना हुई. इस दुर्घटना की जांच डीजीएमएस के अधिकारियों द्वारा खान अधिनियम 1952 के अंतर्गत किया जा रहा है.

> डीजीएमएस को जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया था. अबतक जांच रिपोर्ट सौंपी नहीं गई है. इसलिए उसे फिर से रिमाइंडर देंगे.
>
>
>
> **आदित्य रंजन**
> **उपायुक्त, धनबाद**

सदर अस्पताल में आज

मेडिसिन	-	डॉ पीके सिंह तथा डॉ ईपिल टोपनो
फिजिशियन	-	--
हड्डी रोग	-	डॉ हरेंद्र कुमार
सर्जरी	-	डॉ संजीव गोलाश
नेत्र रोग	-	डॉ गोलु पिनाज
दंत रोग	-	डॉ स्नेहा केशरी
शिशु रोग	-	डॉ उमेन्द्र कुमार
मनोरोग	-	डॉ संजय कुमार
स्त्री एवं प्रसूति रोग	-	डॉ संध्या तिवारी
फिजियोथेरेपी	-	--
ईएनटी स्पेशलिस्ट	-	डॉविजया बाला मुर्मू

गायनी इमर्जेंसी

सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक	-	डॉ अंजना कुमारी
दोपहर 2 से रात 8 बजे तक	-	डॉ विश्व भारती
रात 8 से सुबह 8 बजे तक	-	डॉ सुमन

जेनरल इमर्जेंसी

सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक	-	डॉ पीपी पांडेय
दोपहर 3 से रात 9 बजे तक	-	डॉ निलम बाला
रात 9 से सुबह 9 बजे तक	-	डॉ शीला

घोटाला तेलोटाड़ अंडरपास : आरटीआई में हुआ खुलासा

1.61 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान

राम पांडेय

बाघमारा। आद्रा रेल मंडल के अंतर्गत खानुडीह-महुदा रेल लाइन पर तेलोटाड़ के समीप बनाए गए अंडरपास और सड़क निर्माण कार्य में वित्तीय अनियमितताओं का मामला सामने आया है. डुमरा की हॉस्पिटल कॉलोनी में रहने वाले आटीआई कार्यकर्ता महेश कुमार ने सूचना के अधिकार ज़रिए जब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी मांगी, तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ. ठीकेदार को स्वीकृत राशि से 1,61,45,759 रुपये ज्यादा का भुगतान कर दिया गया है.

ये है पूरा मामला

मंडल के जन सूचना अधिकारी पी आई ओ ने जवाब में बताया कि अंडरपास और सड़क निर्माण के लिए स्वीकृत अनुमानित राशि 5,93,88,368 रुपये थी. हालांकि, कार्य के एवज में ठेकेदार एजेंसी को कुल 7,55,34,127 रुपये का भुगतान कर दिया गया है. इस प्रकार, स्वीकृत राशि से 1.61 करोड़ रुपये अतिरिक्त का भुगतान हो चुका है.

आरटीआई कार्यकर्ता

घटिया निर्माण, लेकिन कोई जांच नहीं

कुमार ने आरटीआई के माध्यम से कार्य स्थल का निरीक्षण करने और मजदूरों के भुगतान से जुड़ी जानकारी मांगी थी, लेकिन पीआईओ ने जवाब दिया कि कार्य पूर्ण हो चुका है. निरीक्षण की मांग को खारिज करते हुए विभाग ने मजदूर भुगतान का विवरण भी नहीं दिया. महेश कुमार ने आरोप लगाया कि अंडरपास और सड़क का निर्माण अत्यंत निम्न गुणवत्ता का है, जिसके कारण विभाग ने जानबूझकर निरीक्षण नहीं कराया. उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट भ्रष्टाचार का मामला है. अतिरिक्त भुगतान और खराब निर्माण से यात्रियों की सुरक्षा को खतरा है. स्थानीय निवासियों ने भी निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं. एक ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अंडरपास में पानी जमा होता रहता है और सड़क की सतह टूट रही है. इतने पैसे खर्च होने के बाद भी सुविधा न के बराबर है. यह परियोजना रेलवे की महत्वपूर्ण योजनाओं का हिस्सा थी, जो क्षेत्रीय यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी. आद्रा रेल मंडल के किसी भी अधिकारी ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है.

पिकअप और ट्रक की टक्कर में तीन की मौत

■ आधा दर्जन घायल

शुभम संदेश। गांडेय (गिरिडीह)

गांडेय अंचल के ताराटांड़ थाना क्षेत्र के बड़कीटांड मोड़ के पास शुक्रवार को दोपहर करीब दो बजे पिकअप और ट्रक की सीधी टक्कर में घटनास्थल पर ही तीन लोगों की मौत हो गई और आधा दर्जन लोग घायल हो गए. जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान रानीटांड पंचायत के रानीटांड गांव निवासी नंदकिशोर भोगता (45 वर्ष), कमल भोगता (38 वर्ष) और जगदीश भोगता (45 वर्ष) के रूप में की गई है. बताया गया कि हजारीबाग में काम करने गए ये आठ लोग पिकअप सवारी में सवार होकर दुर्गा पूजा के लिए चतरा से अपने गांव लौट रहे थे. पिकअप गाड़ी गिरिडीह की ओर जा रही थी, तभी बड़कीटांड मोड़ के पास धनबाद से गिरिडीह की ओर आ रही ट्रक से आमने-सामने टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और ट्रक पलट गया, हालांकि उसके सभी पहिये खड़े रहे. इस हादसे में पिकअप पर सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना की सूचना मिलते ही ताराटांड़ थाना प्रभारी सुशांत कुमार चिरंजीवी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने राहगीरों की मदद से घायलों को निजी वाहनों द्वारा सदर अस्पताल गिरिडीह पहुंचाया. मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजे गए. मृतकों के परिजन रानीटांड से अस्पताल पहुंचे और उनकी चीख-पुकार से पूरा माहौल गमगीन हो गया. दुर्घटना में घायलों का इलाज जारी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है.

ब्रीफ खबरें

प्रमुख हिंदी न्यूज़ चैनलों को सरकार का नोटिस, उर्दू के प्रयोग पर मांगा जवाब

नई दिल्ली। सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार ने प्रमुख टीवी न्यूज़ चैनलों आज तक, टीवी 9 भारतवर्ष, न्यूज़ 18 इंडिया को नोटिस भेजा है. इसमें कहा गया है की हिंदी चैनल होने के बावजूद इनमें 30% से ज्यादा उर्दू शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है, साथ ही भाषा की मर्यादा का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है, ऐसे में इन न्यूज़ चैनलों को यह निर्देश दिया गया है कि वह हिंदी विशेषज्ञ की नियुक्ति करें. सूचना और प्रसारण मंत्रालय के इस आदेश के बाद हिंदी चैनलों की परेशानी बढ़ गई है, जिनमें उर्दू शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है.

28 सितंबर तक एन्टीरेबिज टीकारकण शिविर

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के महानिदेशक के निर्देश के आलोक में 28 सितंबर को मनाये जाने वाले वर्ल्ड रेबिज डे के अवसर पर 22 सितंबर से 28 सितंबर तक रेबिज सप्ताह का आयोजन किया गया है. निर्देश के आलोक में पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान कांके, रांची के निदेशक डा. देवनाथ कुमार चौरसिया ने सभी जिला पशुपालन पदाधिकारियों तथा पशु शल्य चिकित्सकों से इस अवसर पर निःशुल्क एन्टीरेबिज टीकारकण शिविर लगाने के लिए दिशा निर्देश जारी किया है. बता दें कि इस शिविर हेतु पूर्व में ही सभी जिलों को एंटीरेबिज की औषधी तथा लोगों को इस बिमारी के प्रति जागरूक करने के लिए रेबिज से संबंधित प्रचार सामग्री उपलब्ध करा दी गई है. रांची के शहरी क्षेत्रों के विभिन्न वार्डों में गैर सरकारी संस्था डब्लूवीएस होप रांची के सहयोग से निःशुल्क एंटीरेबिज टीकारण का कार्य चलाया जा रहा है.

जामाडोबा के युवक का शव बोकारो झील से बरामद

झरिया। जोरापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा निवासी चांदसी डॉक्टर तरुण विश्वाश के 22 वर्षीय इकलौते पुत्र, विभूति विश्वास का शव गुरुवार रात को बोकारो झील में पाया गया. बोकारो काला पत्थर थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया. मालूम हो कि मृतक विभूति अपने पैतृक गांव कोलकाता में रहकर ग्रेजुएशन कर रहा था. पिछले सप्ताह वह अपने पिता के पास जामाडोबा आया था और शुक्रवार को कोलकाता लौटने वाला था. इसी दौरान विभूति ने जामाडोबा बाबूबासा मुहल्ले के जितेंद्र साव, शिवम प्रसाद और बिट्टू नामक युवकों के साथ गुरुवार दोपहर को घूमने की बात कहकर घर से बाहर निकला. विभूति के पिता श्री विश्वास ने कहा कि घटनास्थल पर जाने के बाद उन्हें पुत्र के डूबने से मौत होने की आशंका है. उन्होंने अपने पुत्र की मौत के लिए उसके दोस्तों को जिम्मेदार ठहराते हुए पुलिस से जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की.

आंधी बारिश में पूजा पंडाल धराशाई

धनबाद। जिले में शुक्रवार को बारिश और तेज आंधी की वजह से कई पूजा पंडालों को भारी नुकसान हुआ है. धनबाद के मटकुरिया रोड स्थित पंडाल का लाइट गेट गिर गया. जिस कारण धनबाद बोकारो मार्ग कई घंटे तक जाम रहा. काफी मशक्कत के बाद मलबे को सड़क से हटाया गया. दूसरी तरफ भूली बी ब्लॉक में बड़ा हादसा टल गया, यहां करीब 9 लाख 50 हजार रुपये की लागत से कई फीट ऊंचा बनाया जा रहा पूजा पंडाल का बड़ा हिस्सा धराशायी हो गया. लोगों ने संतोष जताया कि पूजा के दौरान हादसा नहीं हुआ. आयोजकों ने बताया कि इस पंडाल को तिरुपति बालाजी मंदिर के तर्ज पर सजाया गया था.

पिपराटांड में डायरिया का कहर, 4 दर्जन बीमार

शुभम संदेश। टुंडी

हर दिन बढ़ रहे मरीज, लोग डरे-सहमे

टुंडी प्रखंड के बरवाटांड पंचायत के पिपराटांड गांव में इन दिनों डायरिया का जबरदस्त प्रकोप फैला हुआ है. हालत यह है कि पिछले पंद्रह-बीस दिनों से रोज नए मरीज सामने आ रहे हैं. अब तक चार दर्जन से ज्यादा लोग बीमार हो चुके हैं और स्वास्थ्य विभाग की कोशिशों के बावजूद बीमारी थमने का नाम नहीं ले रही. शुक्रवार को भी कई लोग बीमार पड़े, जिनमें रानी कुमारी, मिलोनी मंझीयान, मायनों मंझीयान, मिहिलाल मुर्मू जैसे लोग शामिल हैं. गांव में हर दिन कोई न कोई डायरिया की चपेट में आ रहा है. स्वास्थ्य विभाग ने गांव में कैम्प लगा रखा है, ओआरएस के पैकेट बांटे जा रहे हैं, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी हो रहा है, लेकिन बीमारी पर काबू नहीं मिल रहा.

ग्रामीणों का कहना है कि डॉक्टर लोग आते हैं, दिखावे के लिए मरीजों को देखकर चले जाते हैं. ना ढंग से इलाज होता है, ना रुकते हैं. लोग कह रहे हैं कि हम आदिवासी लोग हैं, हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही. डर के सिवा और क्या कर सकते हैं?

डॉक्टर विजय कुमार और विकास राणा शुक्रवार को गांव आए थे. उन्होंने लोगों को समझाया कि दवा लें और पानी उबालकर पिएं. साथ में दो बोरा ब्लीचिंग पाउडर भी गांव में भिजवाया गया है. सबसे बड़ी चिंता की बात ये है कि टुंडी और पूर्वी टुंडी में पिछले एक महीने में डायरिया से पांच लोगों की जान जा चुकी है. लेकिन अब तक किसी को मुआवजा नहीं मिला, क्योंकि मृत्यु प्रमाणपत्र ही नहीं बना. भाजपा नेता धर्मजीत सिंह ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर नाराज़गी जताई है. उन्होंने कहा कि डॉक्टर आते हैं और फिर गायब हो जाते हैं. जब इलाज ही नहीं होगा, तो डायरिया कैसे रुकेगा?

जो लोग मर गए, उनके घरवालों को आज तक कोई मदद नहीं मिली. ये बेहद शर्मनाक है. सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए. अब गांव के लोग टुंडी विधायक, उपायुक्त और सिविल सर्जन को सामूहिक आवेदन देने की तैयारी में हैं. उनकी मांगें हैं कि गांव में डायरिया रोकने की पक्की व्यवस्था की जाए, नई चापाकल लगाई जाएं, ताकि साफ पानी मिल सके, पिपराटांड से तिलैयटांड और रामनगर तक सड़क बनाई जाए, उपस्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था सुधारी जाए, डर का माहौल बीमारी और मौतों को देखकर गांव में डर बैठ गया है. लोग एक-दूसरे के घर आना-जाना बंद कर दिए हैं. यहां तक कि रिश्तेदार भी गांव आने से कतरा रहे हैं.

स्वास्थ्य विभाग कह रहा है कि स्थिति काबू में है, लेकिन ग्रामीणों को ऐसा बिलकुल नहीं लग रहा. उनका साफ कहना है कि बीमारी हर दिन बढ़ रही है, कोई कुछ नहीं कर रहा, हमलोग अपनी किस्मत पर छोड़ दिए गए हैं.

अच्छी खबर लोगों के लिए बैडमिंटन, वॉलीबाल, 400 मीटर का सिंथेटिक रनिंग ट्रेक सहित अन्य सुविधाएं होंगी

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के रुप में विकसित होगा रणधीर वर्मा स्टेडियम

शुभम संदेश। धनबाद

15वें वित्त आयोग की राशि से होगा गोल्फ ग्राउंड का विकास

जिले का रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के रुप में विकसित होगा. इसमें जिले के आम लोगों के लिए स्पोर्ट्स की बेहतर सुविधाएं होंगी. इसको लेकर आज उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार तथा नगर आयुक्त रवि राज शर्मा ने रणधीर वर्मा सडियम का भ्रमण किया तथा योजना से संबंधित प्रेजेंटेशन देखा. इस संबंध मं उपायुक्त ने कहा कि नगर आयुक्त ने रणधीर वर्मा स्टेडियम को स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के रूप में विकसित करने की एक बेहतरीन योजना तैयार की है. इसमें जिले के आम लोगों के लिए बैडमिंटन, वॉलीबाल, बास्केट बॉल, 400 मीटर का सिंथेटिक रनिंग ट्रेक, क्रिकेट के लिए इनडोर शेड सहित अन्य सुविधाएं होंगी. उन्होंने कहा योजना शीघ्र धरातल पर उतारी जाएगी. शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत 10.50 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति उच्च स्तरीय अनुश्रवण समिति से प्राप्त हो चुकी है. फेस टू के तहत शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में फुटबॉल ग्राउंड, 400 मीटर का एथलेटिक्स सिंथेटिक ट्रैक, दो इनडोर बैडमिंटन कोर्ट, एक लॉन टेनिस कोर्ट, एक बास्केटबॉल कोर्ट, दो वॉलीबॉल कोर्ट, चार क्रिकेट नेट प्रैक्टिस, एक कवर्ड क्रिकेट प्रैक्टिस नेट, और टॉयलेट का निर्माण किया जाएगा. मुख्य भवन में जिम के साथ-साथ एक फिश एक्वेरियम भी बनाया जाएगा. इसके अतिरिक्त, दर्शक दीर्घा और झंडोत्तोलन मंच का जीर्णोद्धार किया जाएगा. स्टेडियम को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित करने की एक उत्कृष्ट योजना तैयार की गई है, जिससे जिले के आमजन लाभान्वित होंगे. स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में आने वाले आम जनों के लिए न्यूनतम राशि निर्धारित की जाएगी. इस राशि से स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का रखरखाव किया जाएगा. इस दौरान उन्होंने पंपू तालाब के सौंदर्यकरण का प्रेजेंटेशन भी देखा.

बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का है प्रभाव

झारखंड में 27 तक बदला रहेगा मौसम का मिजाज

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में शुक्रवार की सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ है. रूक-रूककर झमाझम बारिश भी हो रही है. इसका कारण यह है कि उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे हुए जो मध्य भाग है वहां पर निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है. उसी का प्रभाव पूरे झारखंड में पड़ रहा है.

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार निम्न दबाव धीरे-धीरे पश्चिम की तरफ बढ़ने की संभावना है. दक्षिणी ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश से 27 सितंबर को गुजरने की संभावना मौसम विभाग की ओर से व्यक्त की गई है. मौसम विभाग का कहना है कि इसका प्रभाव 27 सितंबर तक जारी रहेगी. इसके बाद भी बारिश होती रहेगी, लेकिन हल्के से मध्यम दर्जे तक ही सिमटा रहेगा.

तेज हवा, वज्रपात और भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग की ओर से कहा गया है कि 26 और 27 सितंबर को तेज हवाएं चलेगी. इस बीच व्रजपात होने की भी संभावना है. साथ में भारी बारिश भी होगी. राज्य के कई जिले में भारी बारिश सुबह से ही रूक-रूककर हो रही है. इससे जन-जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है. अब लोग जानना चाह रहे हैं कि आखिर इससे छूटकारा कब मिलेगा.

गजलीटांड खान हादसे की बरसी पर सभा, शहीद मजदूरों को दी श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। कतरास

शुक्रवार को गजलीटांड खान हादसे की बरसी के मौके पर शहीद स्मारक स्थल पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. इस दौरान बीसीसीएल के अधिकारी, विधायक, राजनीतिक दलों और ट्रेड यूनियनों के नेता मौजूद थे. सभी ने शहीद कोलकर्मियों को याद करते हुए पुष्प अर्पित किया और श्रद्धांजलि दी. सुबह से ही सर्वधर्म प्रार्थना सभा शुरू हुई, जिसमें कुरान शरीफ और गीता पाठ हुआ. माहौल पूरी तरह से श्रद्धा और भावुकता से भरा रहा. सभी ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. बीसीसीएल के सीएमडी मनोज अग्रवाल ने मौके पर मौजूद मजदूरों के परिजनों से मुलाकात की और कहा कि अगर किसी का कोई बकाया बाकी है, तो कंपनी के नियम के तहत उसे जरूर दिया जाएगा. साथ ही अगर किसी को आवास या अन्य किसी समस्या का सामना करना पड़ रहा है, तो स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वो जल्दी से समाधान करें.टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि गजलीटांड खान हादसा बहुत बड़ी दुर्घटना थी, जिसमें एक साथ 64 मजदूर शहीद हो गए थे. इस दिन को हम हर साल शहीद दिवस के तौर पर मनाते हैं. हम सभी को मिलकर कोशिश करनी चाहिए कि आगे कभी ऐसा हादसा ना हो. कार्यक्रम में वियाडा के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार झा और कई अन्य लोग सीआईएसएफ हटाओ, बीसीसीएल बचाओ जैसे बैनर लेकर पहुंचे. विजय झा ने कहा कि गजलीटांड हादसे को याद कर रूह कांप जाती है. सिर्फ एक गलती ने दर्जनों मजदूरों की जान ले ली, कई परिवार तबाह हो गए. अब सबसे बड़ा खतरा अवैध खनन से है. हमें मिलकर इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी, खासकर युवाओं को आगे आना चाहिए.

हादसा कैसे हुआ था ?

25 सितंबर 1995 की रात, गजलीटांड कोलियरी की छह नंबर खदान में कतरी नदी का पानी घुस गया था, जिससे अंदर काम कर रहे 64 मजदूरों की मौत हो गई थी. सभी को जलसमाधि मिली थी. आज भी यह घटना कोयलांचल की सबसे बड़ी खदान दुर्घटनाओं में गिनी जाती है.श्रद्धांजलि सभा में सीएमडी मनोज अग्रवाल,टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, निदेशक संजय सिंह, भाकपा माले नेता हलधर महतो, झामुमो के राजेन्द्र प्रसाद राजा, शिव प्रसाद महतो, पूर्व मुखिया सुरेश महतो, भाजपा नेता महेश पासवान, जिप प्रतिनिधि जितेश रजवार, विधायक प्रतिनिधि सोनू श्रीवास्तव, एके झा, शकील अहमद, सच्चिदानंद सिंह, मनोज महतो, बसंत महतो, सुमित महतो, विनय सिंह, प्रभात मिश्रा, अनुज सिन्हा, शंकर चौहान, परवेज इकबाल, पुष्पा धोबी, रामबचन पासवान, सुमित सिंह, कुंज सिंह, श्रीकांत सिंह, अनूप सिंह आदि मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

डिग्री कॉलेज में फायरिंग के बाद पुलिस हुई सक्रिय

झरिया। गुरुवार को डिग्री कॉलेज में हुई मारपीट, तोड़फोड़ और गोली चलाने की घटना के बाद जोड़ापोखर थाना की पुलिस सक्रिय हो गई. थाना में कांड संख्या 113/25 के तहत कॉलेज के प्रिंसिपल आर. पी. सिंह ने अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है. पुलिस ने घटनास्थल से गोली के खोखे बरामद कर जांच शुरू कर दी है. घटना का वायरल वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है. वीडियो में एक लड़की डरकर छत पर चढ़कर खिड़की से शूटिंग कर रही है, जिसमें एक युवक पिस्टल लहराते हुए फायरिंग करता दिखाई दे रहा है. इससे पहले वही युवक को छात्रों द्वारा लाठी से पीटा जा रहा था. पुलिस के अनुसार गोली चलाने वाला युवक बाहरी और अपराधी प्रवृत्ति का है, जिसके खिलाफ थाना में कई मामले पहले से दर्ज हैं.

कार और ट्रैक्टर की टक्कर में चालक घायल

तेतुलमारी। कांको-धनबाद एट लेन सड़क मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया. यह हादसा काड़ामारा गोलाई के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार में आ रही स्विफ्ट डिज़ायर कार (नंबर एएस 01डीबी 4950) ने ईंट से लदे खड़े ट्रैक्टर (जेएच11 एजी 1386) में जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का चालक वाहन में ही फंस गया. मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए उसे किसी तरह बाहर निकाला और इलाज के लिए असर्फी अस्पताल भेजा गया. डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई, जिसके बाद उसे देर शाम बेहतर इलाज के लिए मिशन अस्पताल, दुर्गापुर रेफर कर दिया गया.

दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट, एक हिरासत में

बरवाअड्डा। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के संत निरंकारी चौक के समीप शुक्रवार शाम को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई. इस घटना से क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया. मिली जानकारी के अनुसार, ढुढवाडीह गांव से मधुपुर बारात गई थी, जिसमें गणेश मल्लहार भी शामिल थे. गणेश का आरोप है कि बारात के दौरान मधुपुर निवासी काठू मल्लहार ने उनके साथ मारपीट की थी और उन्हें संत निरंकारी चौक पर आने की चुनौती दी थी. गणेश मल्लहार के बयान के मुताबिक, निर्धारित समय पर जब वे संत निरंकारी चौक पहुंचे, तो वहां दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई. सूचना मिलते ही बरवाअड्डा पुलिस मौके पर पहुंची और काठू मल्लहार को हिरासत में लेकर थाना ले आई.

केंद्रीय विद्यालय में साइबर जागरुकता अभियान

धनबाद। तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आमजन को सतर्क करने के उद्देश्य से धनबाद पुलिस की साइबर सेल ने शुक्रवार को केंद्रीय विद्यालय, सरायढेला में एक विशेष साइबर जागरुकता अभियान चलाया. इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आजकल ठग मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, व्हाट्सएप, यूपीआई, ओटीपी और नकली लिंक के जरिए लोगों को जाल में फंसाकर ठगी कर रहे हैं. बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन गेम, चैटिंग एप्स और अज्ञात वेबसाइटों से भी सावधान रहने की सलाह दी गई. साथ ही यह भी कहा गया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अपनी निजी जानकारी, पासवर्ड, एटीएम पिन या ओटीपी किसी से साझा न करें. जागरुकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को यह भी समझाया गया कि यदि वे किसी साइबर ठगी का शिकार होते हैं तो तुरंत धनबाद साइबर थाना या राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें. आपात स्थिति में पुलिस कंट्रोल रूम और स्थानीय थाना से भी मदद ली जा सकती है. पुलिस अधिकारियों ने बच्चों से इंटरनेट का उपयोग केवल पढ़ाई और ज्ञानवर्धन के लिए करने की अपील की और बताया कि डिजिटल युग में सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है.

न्यूज अपडेट

अवैध देसी शराब के साथ संचालक गिरफ्तार

कुमारधुबी (शुभम संदेश)। कुमारधुबी बाजार में अवैध देसी शराब की बिक्री की लोगों द्वारा की गयी शिकायत पर कुमारधुबी पुलिस ने सब्जी पट्टी में गुरूवार की रात छापेमारी की. अवैध देसी शराब की बोतल के साथ प्रेम साव को गिरफ्तार कर लिया. इस दौरान वह पुलिस से उलझ गया और नोंक-झोंक कर ली. उसे जेल भेजने की तैयारी चल रही है. पिछले दिनों शांति समिति की बैठक में कुमारधुबी क्षेत्र के आठ--नौ ढाबों में अवैध देशी-विदेशी शराब की खुलेआम बिक्री का मामला उठाया गया था. कहा गया कि जीटी रोड के किनारे मैथन मोड़, शंकर टॉकीज के पास, पोटारी मवि के पास, पोपुलर नर्सिंग होम के पास खुलेआम अवैध शराब की बिक्री होती है. यहां देर रात तक बदमाशों का जमावड़ा लगा रहता है. आये दिन मारपीट व चाकूबाजी होती रहती है. लोग काफी परेशान हैं. इससे अपराध को बढ़ावा मिलता है. लोगों की शिकायत पर पुलिस इंस्पेक्टर फागू होरो ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया था. उन्होंने कहा कि नशा के खिलाफ आगे भी अभियान चलाया जायेगा.

मारवाड़ी महिला समिति का गरबा-डांडिया नाइट

चिरकुंडा (शुभम संदेश)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति, चिरकुंडा शाखा द्वारा शुक्रवार की संध्या समिति के कार्यालय में गरबा एवं डांडिया नाइट का रंगारंग आयोजन किया गया. इस आयोजन में मारवाड़ी समाज की दर्जनों महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर शामिल हुईं और मां दुर्गा के भजन एवं बॉलीवुड गरबा गीतों की धुन पर पूरे उत्साह के साथ डांडिया रास किया. समिति की अध्यक्ष सीमा अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर यह आयोजन किया जाता है. इस बार भी महिलाओं ने मां दुर्गा को प्रसन्न करने के उद्देश्य से गरबा और डांडिया में बढ़-चढ़ कर भाग लिया. मैं मां दुर्गा से प्रार्थना करती हूं कि हमारे क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे तथा सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों. इस आयोजन में समिति की भगवती रूंगटा, ललिता अग्रवाल, आशा शर्मा, रेणु जिंदल, संगीता अग्रवाल, उषा जिंदल, वीणा अग्रवाल, कनक चौधरी, रेखा खरकिया, रेणु कथूरिया सहित अन्य महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुईं.

रघुनाथ खरकिया की 99वीं जयंती पर श्रद्धांजलि

चिरकुंडा (शुभम संदेश)। क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाजसेवी स्वर्गीय रघुनाथ खरकिया की 99वीं जयंती शुक्रवार को श्रद्धा के साथ मनाई गई. इस अवसर पर दो स्थलों — बीएसके कॉलेज, मैथन और लायंस क्लब रघुनाथ खरकिया मेमोरियल अस्पताल में कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां उपस्थितजनों ने माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य एवं समाजसेवी उपस्थित थे. मौके पर जगदीश प्रसाद अग्रवाल, विनोद प्रसाद अग्रवाल, मैथन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. डीपी सिंह, कृष्ण लाल रूंगटा, पवन गढ़याण, प्रदीप कुमार अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, डॉ. लीना सिंह, डॉ. रिबेका, डॉ. सुनीता खालको, डॉ. केके पांडे, डॉ. सूर्यकांत, अनिल कुमार टोप्पो, कृष्ण प्रसाद, मधुसूदन खरकिया और नीलांचल सहित कई अन्य ने श्रद्धांजलि दी. स्व. रघुनाथ खरकिया न केवल समाजसेवा में अग्रणी रहे, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण के क्षेत्र में भी उनका योगदान अत्यंत सराहनीय रहा. उनकी जयंती के अवसर पर लोगों ने उनके आदर्शों और सेवा भावना को याद किया.

ईसीएल मुख्यालय में 25 सूत्री मांगों पर हुई वार्ता

निरसा बाजार (शुभम संदेश)। ऑल इंडिया एससी, एसटी, बीसी काउंसिल के प्रतिनिधियों ने ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के मुख्यालय सकतोरिया में 25 सूत्री मांगों को लेकर एक अहम बैठक की. इस दौरान काउंसिल की ओर से ईसीएल के महाप्रबंधक (कार्मिक) पुण्यदीप भट्टाचार्य, एचओ हेड नजरुल इस्लाम और एससी/एसटी संपर्क अधिकारी मनीष कुजूर को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया. मजदूरों से जुड़ी प्रमुख समस्याएं उठाई गईं. काउंसिल के महासचिव प्रभुनाथ पासवान ने बैठक की शुरुआत करते हुए मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को सामने रखा. जिनमें मुख्य रूप से स्पेशल लिव पिटीशन से संबंधित विषय, प्रमोशनः रोस्टर बैकलॉग डिग्नेशन, आवास की समस्या, कैलेंडर मीटिंग का नियमित आयोजन, स्थायीत्व (नियमितिकरण) से जुड़े मुद्दे आदि मांगे रखीं। महासचिव ने बताया कि इन मांगों पर प्रबंधन के संबंधित क्षेत्रीय पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए त्वरित समाधान की आवश्यकता जताई गई. बैठक के दौरान अधिकारियों ने इन सभी बिंदुओं पर सकारात्मक पहल और निष्पादन का आश्वासन दिया. बैठक में ईसीएल के विभिन्न एरिया से आए काउंसिल अध्यक्षों और सचिवों ने भाग लिया. बैठक में धनंजय कुमार, विकास कुमार पासवान, शशि वर्मा, विवेकानंद सिंह, जेपी राय, अशोक कुमार, जीतन पिंगुआ, प्रकाश कुर्मी, बिपदतरण कर्मकार, दिलीप पासवान, श्रीराम महतो, गयासुद्दीन, पीके बिंद, रणजीत केवट, फैयाज हुसैन, पिंटू बावरी, कृष्णा नंदन केवट, काली चरण बावरी, दिनेश महतो, महेंद्र नोनिया, जयपाल मुंडा, अरविंद शर्मा, पिंटू साह, नंदलाल नोनिया समेत दर्जनों प्रतिनिधियों ने भाग लिया. बैठक के अंत में महासचिव प्रभुनाथ पासवान ने ईसीएल प्रबंधन को धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि प्रबंधन के सहयोगात्मक रवैये से मजदूरों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है.

राजू यादव की 34वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

लोयाबाद। स्व. राजू यादव की 34वीं पुण्यतिथि पर लोयाबाद चौक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. सर्वप्रथम पूर्व मंत्री आबो देवी ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी. इनके अलावा अवधेश यादव, यादव सभा के अध्यक्ष रामनरेश यादव, उदय शर्मा, अनवर मुखिया, मनोज मुखिया, अनवरी खातून, झलकदेव यादव आदि अतिथियों ने पुष्प अर्पित किया. इस दौरान आयोजित श्रद्धांजलि सभा के दौरान पूर्व मंत्री ने कहा कि कोयलांचल क्षेत्र में बीसीसीएल की दलाल यूनियनें हावी हैं, जो गरीब मजदूरों और मिट्टी-गिट्टी में काम करने वाले श्रमिकों का शोषण करती हैं. उन्होंने कहा कि कोयला माफिया अपनी झोली भरते हैं, जबकि आम आदमी धूल-गर्दा खाकर जीने को मजबूर है. उन्होंने कहा कि गरीबों और आम जनता के साथ हैं तथा किसी भी प्रकार की नाइंसाफी नहीं होने देंगी. कांग्रेस नेता रामप्रीत प्रसाद ने कहा कि स्व. राजू यादव की हत्या के बाद उनकी आवाज को आगे बढ़ाने के लिए लालू यादव ने उनकी पत्नी आबो देवी को टिकट देकर मंत्री बनाया था. लेकिन समाज में एकता की कमी के कारण सब बिखर गया, जिसका फायदा गलत तत्वों ने उठाया.

तोपचांची प्रखंड क्षेत्र में सामाजिक अंकेक्षण में मिली कई गड़बड़ियां

गेंदनवाड़ीह में ग्रामीण और प्रतिनिधि के बीच नोकझोंक

खास बातें

- ज्यूरी बेंच ने कुछ मामलों में लगाया जुर्माना
- कई मामलों को प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई के लिए किया अग्रसारित

शुभम संदेश। तोपचांची

तोपचांची प्रखंड के ग्यारह ग्राम पंचायतों में शुक्रवार को पंचायत स्तर पर योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण और जनसुनवाई आयोजित की गई. अंकेक्षण मनरेगा योजना 2024-25 और प्रधानमंत्री आवास योजना 2016-25 से संबंधित योजनाओं पर 20 से 26 सितंबर तक किया गया. ग्राम पंचायत गेंदनवाड़ीह में भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए. सामाजिक अंकेक्षण दल के जितेन्द्र कुमार, विजय कुमार महतो और परमेश्वर महतो ने अपनी रिपोर्ट ज्यूरी के समक्ष प्रस्तुत की. ज्यूरी में ब्लॉक प्रतिनिधि वेद प्रकाश पाठक (सीआरपी), समाजसेवी योगेश्वर महतो, मनरेगा मजदूर झगरू महतो और स्वयं सहायता समूह की मीना देवी शामिल थीं. अंकेक्षण में भ्रष्टाचार के कई मामलों पर ग्रामीण शिकायत कर रहे थे, जबकि पंचायत प्रतिनिधि मामले को दबाने के लिए दबंगई दिखा रहे थे. सरकारी कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया. अंकेक्षण दल ने कई गड़बड़ियों को उजागर किया. जिनमें आवास निर्माण के लिए मुखिया द्वारा राशि वसूली करना, योजनाओं में कनीय अभियंता द्वारा एमबी का कार्य न करना, मजदूरों को काम के अनुपात में भुगतान न होना, पौधरोपण किए बिना राशि का भुगतान, बिना प्रशासनिक स्वीकृति के योजनाओं का क्रियान्वयन, रोजगार सेवक द्वारा रोजगार दिवस का नियमित आयोजन न करना, कुआं निर्माण और भवन निर्माण में अधिक राशि का भुगतान, एसईसीसी डेटा के आधार पर पात्र परिवार को आवास न मिलना, सरकारी नौकरी करने वाले परिवार को पीएम आवास का लाभ मिलना, गाय शेड को आवास निर्माण के रूप में प्रस्तुत करना शामिल है. मामले पर ज्यूरी बेंच ने कुछ मामलों में जुर्माना लगाया और शेष मामलों को प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई के लिए अग्रसारित किया. बैठक में मुखिया संगीता देवी, हुब लाल दास, मीना देवी, रोजगार सेवक अखिलेश महतो, कुंती देवी, टेक लाल महतो, राधा बल्लभ, गोबिंद कुमार महतो सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे.

डीएवी बरोरा में शिक्षक श्रीकांत पांडेय की दी विदाई

शुभम संदेश। बरोरा

डीएवी पब्लिक स्कूल, बरोरा के वरिष्ठ शिक्षक श्रीकांत पांडेय 30 वर्षों की समर्पित सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए. उन्होंने तीन दशकों तक बच्चों को शिक्षा प्रदान की. अपने संबोधन में पांडेय ने कहा जायदाद बंट सकती है, लेकिन शिक्षा नहीं. धन लुटा या चुराया जा सकता है, पर शिक्षा नहीं. उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने खर्च और जरूरतें कम करें, लेकिन बच्चों को बेहतर शिक्षा जरूर दें. प्राचार्य राकेश शर्मा द्वारा शिक्षक को पुष्पमाला और अंगवस्त्र भेंट कर अभिनंदन के साथ हुई. वरिष्ठ शिक्षिका संध्या उपाध्याय ने उनके योगदान को प्रशस्तिपत्र के माध्यम से प्रस्तुत किया. प्राचार्य और हिंदी विभाग के शिक्षकों ने उन्हें प्रशस्तिपत्र भेंट किया, जबकि सहकर्मियों की ओर से उपहार प्रदान किए गए. सभी ने पांडेय और उनके परिवार के लिए स्वस्थ जीवन की कामना की.मंच संचालन आशीष कुमार सिंह ने किया, जबकि संजीव कुमार शास्त्री ने श्री पांडेय के कार्यों पर एक कविता प्रस्तुत की. प्रणय चटर्जी और उमाकांत पाठक के विदाई गीत ने समारोह को भावुक बना दिया. कार्यक्रम में राजीव ठाकुर, संजय सिंह, ममता कुमारी, नविस्ता प्रवीण, प्रतिमा बनर्जी, संध्या उपाध्याय, कल्पना कुमारी, चैताली दास, उर्वशी खान, नीतिका कुमारी, वसुंधरा विश्वकर्मा, पूजा सिंह, कृति कुमारी, राहुल शर्मा, पंकज झा, कंचन सिंह, एस. मुखर्जी, जे.एन. मंडल, जयदीप कंधवे, एम.एस. प्रमाणिक, विक्की कुमार, विमल चौधरी, एस.के. तिवारी, विक्रम कुमार सिंह, तवहीद आलम, नीलय सिन्हा, राकेश कुमार सहित सभी चतुर्थ वर्गीय कर्मी उपस्थित रहे.

प्रभारी प्रधानाचार्य पर छात्राओं से अश्लील व्यवहार का आरोप

गोविंदपुर थाने में मामला दर्ज, पुलिस ने किया एक को गिरफ्तार

गोविंदपुर। पीएमश्री प्लस टू उच्च विद्यालय, बरवापूर्व के प्रभारी प्रधानाचार्य राजेश कुमार पर छात्राओं से अभद्र और आपत्तिजनक व्यवहार करने का आरोप लगा है. इस मामले में गुरुवार को गोविंदपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है. प्राथमिकी एक छात्रा के भाई द्वारा दर्ज कराई गई, जिसमें कहा गया है कि प्रधानाध्यापक राजेश कुमार ने छात्रा को अपनी गोद में बैठने के लिए कहा और हाथ पकड़कर जबरन बैठाने की कोशिश की. उन्होंने कथित रूप से कहा स्कूल में नहीं, तुम मेरे घर चलो, हम वहीं पढ़ाएंगे.प्राथमिकी में आगे कहा गया है कि इसी दौरान विद्यालय में बीरबल मंडल नामक व्यक्ति आया और छात्रा का हाथ पकड़ते हुए बोला, ₹राजेश मास्टर जो कहते हैं, वही करो और फिर उसने गंदी-गंदी गालियाँ भी दीं. इस मामले में कांड संख्या 486/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2), 127(2), 74, 75, 77, 352, 351, 35 और पोक्सो एक्ट की धारा 8 एवं 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है. आरोपी बीरबल मंडल को शुक्रवार को गिरफ्तार कर धनबाद जेल भेज दिया गया. पुलिस ने इस मामले में धनबाद कोर्ट में दो छात्राओं के बयान 164 सीआरपीसी के तहत दर्ज कराए हैं.यह घटना 23 सितंबर, मंगलवार की है, लेकिन इसका खुलासा गुरुवार को तब हुआ जब छात्राओं ने विद्यालय के गेट पर धरना-प्रदर्शन किया. पुलिस के हस्तक्षेप के बाद स्थिति को शांत किया गया.

शिक्षक संघ ने कहा- आसानी से विश्वास नहीं, निष्पक्ष जांच जरूरी

इस मामले को लेकर झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला सचिव जय होरो ने शुक्रवार को चिंता जाहिर की. उन्होंने कहा कि राजेश कुमार करीब 30 वर्षों से शिक्षण कार्य में हैं. उन पर इस तरह के आरोप आसानी से स्वीकार नहीं किए जा सकते. अगर शिक्षकों पर इस तरह से मारपीट, गाली-गलौज या झूठे मुकदमे किए जाएंगे, तो इसका असर पूरे शैक्षणिक माहौल पर पड़ेगा. उन्होंने साथ ही कहा कि इस मामले में अफवाहों की भूमिका भी नजर आ रही है, इसलिए निष्पक्ष जांच होनी चाहिए. झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और सचिव उत्तम कुमार मंडल ने बयान में कहा कि बरवापूर्व हाई स्कूल में भवन की भारी कमी है और विद्यार्थियों की संख्या बहुत अधिक है. इस स्थिति में विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के आपसी सहयोग से ही पढ़ाई का माहौल बनाए रखा जा सकता है. उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी बातों को अगर बतंगड़ बनाकर आंदोलन और मुकदमा दर्ज होने लगे, तो विद्यालय का वातावरण बिगड़ जाएगा.

मायुमं का प्रयास समाज में मील का पत्थर : राजकुमार

बालिका सुरक्षा और आत्मनिर्भरता अभियान के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

शुभम संदेश। झरिया

मारवाड़ी युवा मंच – झरिया शाखा एवं झरिया समृद्धि शाखा के संयुक्त तत्वावधान में कन्या भ्रूण संरक्षण एंव बालिका सुरक्षा व आत्मनिर्भरता अभियान के अंतर्गत महिलाओं के लिए एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन शुक्रवार को डीएवी प्लस 2 स्कूल भागा के परिसर में किया गया. इस शिविर का आयोजन असर्फी हॉस्पिटल, धनबाद के सहयोग से किया गया था. बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं और स्कूल की छात्राओं ने भाग लेकर शिविर का लाभ उठाया. शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि मारवाड़ी सम्मेलन झरिया के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल एवं विद्यालय के प्राचार्य सौरव प्रियदर्शनी ने संयुक्त रूप से किया. कार्यक्रम में समृद्धि शाखा अध्यक्ष जया अग्रवाल, सचिव निशा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शिल्पा झुनझुनवाला, सोनिया झुनझुनवाला एवं नूपुर अग्रवाल सहित मंच की सक्रिय महिला कार्यकर्ता उपस्थित थे. झरिया शाखा अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा, दिनेश शर्मा, कविता अग्रवाल, पूनम शर्मा ने भी इस पहल को दिशा देने में अहम भूमिका निभाई. स्वास्थ्य जांच शिविर में असर्फी हॉस्पिटल से वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ज़फर राशिद, विवेक त्रिवेदी, महेश सिंह, शेख रऊफ सहित नर्सिंग स्टाफ – सिस्टर किरण कुमारी, जुलिता कुमारी, सुप्रिया कुमारी की टीम ने महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक परामर्श दिए. राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि झरिया शाखा एवं झरिया समृद्धि शाखा द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर किया गया यह प्रयास सराहनीय है. इस प्रकार की पहल समाज में जागरूकता फैलाने और महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाने में मील का पत्थर साबित होगी. मंच की दोनों शाखाएँ वास्तव में समाजसेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य कर रही हैं. कार्यक्रम संयोजक पूनम भुसानिया, अर्चना अग्रवाल एवं स्वाति अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें समय पर उपचार एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है. शिविर में सौ से अधिक महिलाओं ने ब्लड प्रेशर, शुगर, बीएमआई, स्त्री रोग संबंधी जांच एवं अन्य सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कराए. उपस्थित सभी अतिथियों और चिकित्सकों का मंच की ओर से आभार प्रकट किया गया.

नियोजन व मुआवजे के लिए शव के साथ चार दिनों से प्रदर्शन जारी

कोयला उत्पादन बाधित, प्रबंधन करेगी पुलिस से शिकायत

शुभम संदेश। कतरास

बीसीसीएल गोविंदपुर क्षेत्र संख्या-3 के न्यू आकाश किनारी कोलियरी के कर्मी राजकुमार भुंइया (53) की मौत के बाद परिजनों ने नियोजन और मुआवजा की मांग को लेकर कोलियरी गेट के पास शव रखकर प्रदर्शन जारी रखा है. यह प्रदर्शन लगातार चौथे दिन भी जारी रहा. अब शव से दुर्गंध आने लगी है और कोलियरी में कोयला उत्पादन भी बाधित हो गया है.परिजनों के अनुसार, 23 सितंबर को काम के दौरान राजकुमार की तबीयत बिगड़ी थी, जिसके बाद उन्हें धनबाद के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मौत हो गई. मृतक के बेटे शंकर भुईंया और बहू कौशल्या देवी ने आरोप लगाया कि नारायण यादव (निवासीः आकाश किनारी) जानबूझकर नियोजन में अड़ंगा डाल रहा है. प्रबंधन की सफाई : परियोजना पदाधिकारी जे.के. जायसवाल ने बताया कि नियोजन की सहमति बनी थी, लेकिन जब सेवा संचिका मंगाई गई तो उसमें राजकुमार भुईंया द्वारा 15 अक्टूबर 2024 को अपने ही दो बेटों और बहू से जान-माल की धमकी का आवेदन दर्ज करवाया गया था. यह कॉपी प्रबंधन को भी दी गई थी. इसके अलावा, मृतक के पुत्र द्वारा पहले पिता के अपहरण का आरोप भी नारायण यादव पर लगाया गया था. इन परिस्थितियों के चलते प्रत्यक्ष नियोजन संभव नहीं हो सका. 26 सितंबर को प्रबंधन और यूनियनों की बैठक में तय हुआ कि दावा प्रस्तुत होने के तीन महीने बाद नियोजन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. बावजूद इसके, परिजन शव हटाने को तैयार नहीं हैं. प्रबंधन ने बताया कि कोयला उत्पादन 1000 टन तक प्रभावित हो रहा है और जल्द ही थाना में सूचना दी जाएगी.

डीसी ने फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल का किया निरीक्षण

खास बात

- बुनियादी सुविधाओं और संचालन को लेकर दिए कई अहम निर्देश

शुभम संदेश। दुमका

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने अस्पताल की वर्तमान व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रबंधन व संबंधित विभागीय अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि यह अस्पताल जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ है, इसलिए इसे सुदृढ़ और सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अस्पताल की बिल्डिंग इस वर्ष के अंत तक अधीक्षक को हैंडओवर कर दी जाए, ताकि संचालन की प्रक्रिया गति पकड़ सके. उन्होंने अस्पताल संचालन के लिए आवश्यक मेडिकल उपकरणों की सूची तत्काल तैयार कर शीघ्र क्रय (प्रोक्योरमेंट) प्रक्रिया शुरू करने का आदेश भी दिया. अस्पताल परिसर में पेयजल की समस्या को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने तुरंत डीप बोरिंग कराने का निर्देश दिया. साथ ही बास्किचक से एक समर्पित पाइपलाइन बिछाकर अस्पताल तक स्थायी जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भेजने को कहा. विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए उपायुक्त ने कहा कि अस्पताल को सीधे परिसर के अंदर स्थापित ट्रांसफार्मर से बिजली उपलब्ध कराई जाए, ताकि निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो सके. सुरक्षा व्यवस्था के संदर्भ में उन्होंने अस्पताल परिसर के आसपास नियमित पुलिस पेट्रोलिंग करने और सभी सीसीटीवी कैमरों को सुचारू रखने का निर्देश दिया. अस्पताल में स्वच्छता और फायर सेफ्टी की स्थिति की भी समीक्षा की तथा अग्निशमन यंत्रों और अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने पर बल दिया. उन्होंने स्पष्ट कहा कि मेडिकल कॉलेज के छात्रों की पढ़ाई किसी भी परिस्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल, अधीक्षक और बिल्डिंग कॉरपोरेशन के कार्यपालक अभियंता को आपसी तालमेल के साथ चरणबद्ध तरीके से अस्पताल संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए.

आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प

निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने कहा कि फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ है. हम इसके प्रबंधन और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए और भी सुदृढ़ बनाएंगे, ताकि लोगों को समय पर बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें. इस दौरान उपायुक्त ने फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल के छात्रों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना. उन्होंने आश्वस्त किया कि जल्द से जल्द उनकी समस्याओं का नियमानुसार समाधान किया जाएगा और छात्रों को केवल अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. निरीक्षण के अंतर्गत उपायुक्त ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर वहां की सुविधाओं का जायजा लिया. उन्होंने अस्पताल की बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और आवश्यक संसाधनों को दुरुस्त करने के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया.

न्यूज अपडेट

डीसी ने किया आईडी कार्ड का वितरण

बोकारो (शुभम संदेश)। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के बीच पहचान पत्र (आईडी कार्ड) का वितरण किया. इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पहचान पत्र प्रत्येक पदाधिकारी की पहचान का प्रतीक है और इसे सदैव अपने पास रखना अनिवार्य है. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि कार्यालयीय कार्य, निरीक्षण, विधि-व्यवस्था की ड्यूटी अथवा किसी भी प्रशासनिक कार्य के दौरान पदाधिकारी अपने पहचान पत्र का उपयोग करेंगे. इससे न केवल पारदर्शिता सुनिश्चित होगी, बल्कि आम नागरिकों के बीच सरकारी पदाधिकारियों की पहचान भी सहज और त्वरित रूप से हो सकेगी. उन्होंने आगे कहा कि प्रशासनिक कार्यों में अनुशासन और उत्तरदायित्व की भावना बनाए रखने में पहचान पत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है. पहचान पत्र धारण करने से कार्य के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यनिष्ठा का बोध होता है.

बीपीआरओ ने किया कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण

जमुआ (शुभम संदेश)। जमुआ प्रखंड के प्रतापपुर स्थित पैक्स के कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण शुक्रवार को प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीआरओ) ने किया. निरीक्षण के दौरान बीपीआरओ ने कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था, रख-रखाव और किसानों को मिलने वाली सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की. उन्होंने कोल्ड स्टोरेज में रखे गए आलू, प्याज एवं अन्य सब्जियों के संरक्षण की प्रक्रिया का निरीक्षण किया और संतोष व्यक्त किया. बीपीआरओ ने कहा कि पैक्स द्वारा किसानों की सुविधा के लिए उठाया गया यह कदम सराहनीय है. समय पर फसलों का उचित संरक्षण होने से किसानों को बाजार में सही मूल्य मिलेगा और उनकी आय में बढ़ोतरी होगी. निरीक्षण के दौरान बीपीआरओ ने किसानों से संवाद कर उनकी राय भी जानी. किसानों ने बताया कि कोल्ड स्टोरेज की सुविधा मिलने से अब उन्हें अपनी उपज जल्दी और कम दाम पर बेचने की मजबूरी नहीं होगी. वे सही समय पर फसल बेचकर बेहतर लाभ कमा सकेंगे. इसके साथ ही, कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था से उनकी लागत की भरपाई आसान होगी और कर्ज लेने की आवश्यकता भी कम पड़ेगी. बीपीआरओ ने किसानों को जागरूक करते हुए कहा कि वे कोल्ड स्टोरेज का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ें. निरीक्षण के दौरान पैक्स प्रबंधक रमेश कुमार, जई हिंमाशु शेखर सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि और कई किसान उपस्थित थे. बीपीआरओ ने आश्वासन दिया कि भविष्य में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए और योजनाएं लाई जाएंगी, ताकि प्रतापपुर क्षेत्र कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके.

विद्यालय के खाते से सचिव ने गलत तरीके से निकाले पैसे, अध्यक्ष ने की शिकायत

गावां (शुभम संदेश)। गावां प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय हरला में विद्यालय के सचिव द्वारा गलत तरीके से पैसे निकाल लेने का मामला सामने आया है. मामले में प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सिकेन्द्र प्रसाद यादव ने बीईईओ तितुलाल मंडल को आवेदन देकर शिकायत की है. आरोप है कि सचिव मुनील कुमार यादव ने अध्यक्ष की अनुमति के बिना अलग-अलग व्यक्ति के नाम से रुपये की निकासी कर ली. इनके द्वारा मनोज कुमार वर्मा, उदय सिंह और बीरेंद्र कुमार स्वर्णकार के नाम से राशि निकाली गई है. अध्यक्ष का आरोप है कि सचिव विद्यालय में अध्यापन लगभग नहीं करते और लगातार फोन में बातचीत में लगे रहते हैं. विद्यालय में मध्याह्न भोजन की स्थिति भी ठीक नहीं है. पिछले दो दिनों से मध्याह्न भोजन बंद रहने पर पूछताछ करने पर सचिव के पुत्र द्वारा गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की गई. इसके अलावा, अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सचिव द्वारा धमकी दी जाती है कि तुम्हें जहां जाना है जाओ, मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाओगे. सचिव द्वारा जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है. इस संबंध में बीईईओ तितुलाल मंडल ने कहा कि उन्हें आवेदन प्राप्त हुआ है. विद्यालय जाकर जांच की जाएगी और जांच में दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी.

स्टेशन रोड की अस्थाई मरम्मत कराने की मांग

डुमरी (शुभम संदेश)। जिप सदस्य सुनीता कुमारी ने शुक्रवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि इसरी बाजार चौक से पारसनाथ स्टेशन तक की सड़क की स्थिति बहुत खराब हो चुकी है. सड़क पर गड्ढों की स्थिति ऐसी है कि पता ही नहीं चलता कि सड़क है या गड्ढा. नाली कचरे से भरी हुई है. सड़क के किनारे दो दुर्गा मंदिर, चार अन्य मंदिर और चार विद्यालय स्थित हैं. इन सभी जगहों तक पहुंचने के लिए यही एकमात्र मार्ग है. इसी सड़क से छात्र-छात्राएं, श्रद्धालु और वाहन आवागमन करते हैं. जिप सदस्य ने बताया कि दुर्गा पूजा से पहले उन्होंने इस रोड की अस्थाई मरम्मत की लिखित मांग उपायुक्त से की थी, लेकिन अभी तक कोई पहल नहीं हुई है. उन्होंने स्थानीय प्रशासन और जिला पदाधिकारी से आग्रह किया है कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल समाधान के लिए कार्रवाई की जाए. बताया गया कि स्टेशन रोड संकरा और अत्यंत जर्जर होने के कारण हमेशा जाम और पानी निकासी की समस्या बनी रहती है.

पिकेट प्रभारी की पहल पर शुरू हुई दुर्गा पूजा

गावां (शुभम संदेश)। गावां प्रखंड के जमडार पंचायत में दुर्गापूजा की शुरुआत वर्ष 2013 में तत्कालीन पिकेट प्रभारी जयप्रकाश चौधरी की पहल पर ग्रामीणों के सहयोग से की गई थी. ग्रामीणों ने बताया कि पहले जमडार में पूजा नहीं होती थी. वर्ष 2013 में पिकेट प्रभारी जयप्रकाश चौधरी ने इस संबंध में ग्रामीणों से चर्चा की, जिस पर ग्रामीणों ने सहयोग करने की हामी भर दी और पूजा की शुरुआत हुई. धीरे-धीरे ग्रामीण उत्साहपूर्वक चंदा देने और पूजा की तैयारी में शामिल होने लगे. इस वर्ष भी ग्रामीणों के सहयोग से दुर्गापूजा धूमधाम से मनाने की तैयारी की जा रही है. इसके लिए भव्य और आकर्षक पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है. पूजा कमिटी के अध्यक्ष भोला साव, सचिव टीनुपाल साव, रामविलास मोदी, संतोष मरांडी, नीरज मोदी, बलराम मुर्मू, उमेश साव सहित आसपास के सभी ग्रामीण तन-मन से पूजा में जुटे हैं. ग्रामीणों ने बताया कि पहले दुर्गापूजा देखने के लिए उन्हें 15-20 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था, लेकिन अब गांव में पूजा होने से लोग उत्साहित हैं. कमिटी के सचिव टीनुपाल ने कहा कि दुर्गापूजा के अवसर पर भव्य मेला और भक्ति जागरण का आयोजन भी किया जाता है. इस वर्ष 2 अक्टूबर को मंदिर परिसर में भव्य भक्ति जागरण का आयोजन किया जाएगा. उन्होंने बताया कि इस मेले में कोडरमा जिला और धनवार प्रखंड के हजारों श्रद्धालु पूजा करने और मेला देखने आते हैं.

ब्रीफ खबरें

जीएसटी कम होने के बाद भी सुधा ने दाम नहीं घटाए

बोकारो। भारत सरकार ने खाद्य और दुग्ध पदार्थों पर जीएसटी कम कर दी है, लेकिन सुधा डेयरी ने अभी तक दूध और अन्य दुग्ध उत्पादों के दाम में कोई कमी नहीं की है, जिससे आम जनता की जेब पर असर पड़ रहा है. वहीं, अमूल सहित अन्य ब्रांडों ने दूध और दुग्ध उत्पादों की कीमतों में कमी कर दी है.

सेल कर्मियों के बोनस के लिए हड़ताल की चेतावनी

बोकारो। बीएकेएस बोकारो, भिलाई और आरएकेएस राउरकेला के नेतृत्व में सेल कर्मियों ने इस्पात मंत्रालय और मंत्री से बोनस और अन्य सुविधाओं के लंबित मुद्दों पर हड़ताल की चेतावनी दी है. कोयला मंत्रालय द्वारा कर्मियों को बोनस, दुर्घटना बीमा और ड्रेस भत्ता जैसी सुविधाएं देने के उदाहरण का हवाला देते हुए उन्होंने मांग की कि इसी तरह इस्पात कर्मियों के मुद्दों का समाधान किया जाए. हड़ताल 10 अक्टूबर को बोकारो इस्पात संयंत्र में होगी. अध्यक्ष हरिओम ने कहा कि प्रबंधन की मानव संसाधन नीति की स्वतंत्र जांच आवश्यक है.

मूसलाधार वर्षा से जन जीवन अस्त-व्यस्त

गावां(गिरिडीह)। गावां प्रखंड के विभिन्न इलाकों में शुक्रवार को तेज हवा के साथ मूसलाधार वर्षा होने से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया. इस दौरान कई स्थानों पर पेड़ धराशायी हो गए. वहीं, सड़कों पर जलजमाव होने से लोगों को भीषण परेशानी का सामना करना पड़ा. वर्षा के कारण उत्क्रमित मध्य विद्यालय पटना हिंदी के भवन पर सागवान का पेड़ गिर गया, जिससे भवन के छज्जे को काफी नुकसान पहुंचा. वर्षा से कुछ दिन पूर्व विद्यालय में अवकाश होने के कारण बच्चे घर चले गए थे, जबकि पंसस प्रतिनिधि सुनील दास, प्रधानाध्यापक सुरेंद्र प्रसाद यादव, सहायक शिक्षक सुरेंद्र कुमार और जनार्दन कुमार साहा आदि विद्यालय में ही रुके हुए थे.

जिले में नए मतदान केंद्र बनाने पर चर्चा

गोड्डा। मतदाता सूची के बूथ रेशनलाइजेशन और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी अंजली यादव ने की. बैठक में गोड्डा, महगामा और पौड़ेयाहाट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत प्रस्तावित मतदान केंद्रों में भवन परिवर्तन, भवन नाम परिवर्तन, अनुभाग स्थानांतरण या समायोजन, 1,200 से अधिक मतदाता वाले केंद्रों के लिए अतिरिक्त मतदान केंद्रों का गठन और दो किलोमीटर से अधिक दूरी वाले मतदाताओं के लिए नए मतदान केंद्रों के गठन पर चर्चा की गई. सभी प्रस्तावों पर सहमति बनी.

एम्बुलेंस ने बाइक को मारी टक्कर, चालक की मौत

खास बातें

- बाइक पर सवार होकर हटिया जा रहा था युवक
- मृतक अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था

शुभम संदेश। गोड्डा

तेज रफ्तार एम्बुलेंस की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई. यह हादसा शुक्रवार के दोपहर पौड़ेयाहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भटौंधा के समीप हुआ. मांझी टोला निवासी सिमोन हेंब्रम अपने घर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर हटिया जा रहा था. इसी क्रम में हंसडीहा की ओर से आ रही तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने बाइक को सीधे टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक छिटक कर दूर जा गिरा. उसे सर में गंभीर चोट लगी. तत्काल युवक को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना पर मृतक के घरवाले भी अस्पताल पहुंच गए. परिजनों के अनुसार मृतक अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था और उसने पत्नी और बच्चे को पीछे छोड़ गया. पुलिस ने घटना की सूचना मिलने पर लाश का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को शव सौंपा.

बाजार से लौट रही वृद्धा की रास्ते में गिरने से मौत

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के मुरहुलसुदी पंचायत निवासी जुमरा के स्वर्गीय अमल सिंह मुंडा की पत्नी, 70 वर्षीय लखीमणि देवी का शुक्रवार को पिरगुल बाजार से घर लौटते समय रास्ते में गिरकर आकस्मिक मौत हो गया. घटना की जानकारी मिलने पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के कसमार प्रखंड अध्यक्ष प्रशांत महतो, मुखिया प्रतिनिधि मनोज महतो, अखिलेश मुंडा, ईश्वर दयाल मुंडा, गुरुप्रसाद महतो, मधुसूदन नायक, गोविंद मुंडा, रीखीलाल, महेंद्र महतो, विजय मुंडा, वासुदेव मुंडा, मोहन महतो, गुरु प्रसाद महतो सहित अनेक ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी. मृतका के पांच पुत्र हैं. जिसमें हरिपद मुंडा, अजीत मुंडा, गणेश मुंडा, सुभाष मुंडा और परण मुंडा तथा तीन पुत्रियां नूनीबाला, छुटू और मीनू हैं. शाम को स्थानीय श्मशान घाट में उनका दाह संस्कार किया गया.

स्कॉर्पियो गड्ढे में पलटा बाल-बाल बचे लोग

गोड्डा। एक अन्य घटना में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन सड़क के किनारे बने गार्ड पोल को तोड़ते हुए गड्ढे में पलट गई. यह हादसा गोड्डा-हंसडीहा फोरलेन पर पांडुबथान के समीप हुआ. स्कॉर्पियो (संख्या जेएच 17 जे 1547) गोड्डा की ओर से पौड़ेयाहाट की ओर जा रही थी. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन की गति इतनी तेज थी कि यह अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरा. गनीमत रही कि कार में सवार तीनों व्यक्ति सुरक्षित निकल गए, जबकि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया.

डीसी ने कर्मियों को दिया दशहरा का तोहफा

गोड्डा (शुभम संदेश)। जिला स्थापना और अनुकंपा समिति की बैठक में उपायुक्त अंजली यादव ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आधे दर्जन से अधिक कर्मियों को आर्थिक लाभ प्रदान किया. बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों पर चर्चा के बाद अनुकंपा नियुक्तियों से संबंधित दस्तावेजों और कागजातों की गहन जांच की गई. इसके परिणामस्वरूप दो आवेदन स्वीकृत किए गए और उन्हें वर्ग तीन क्लर्क के पद पर नियुक्त किया गया. वहीं, जिले के विभिन्न कार्यालयों में लंबे समय से कार्यरत दो लिपिकों को सेवा संपुष्टि से संबंधित स्वीकृति दी गई. इसके अतिरिक्त एक चालक, दो अनुसेवक और पांच माली को एमएसीपी का लाभ प्रदान किया गया. पंचायती राज विभाग के अंतर्गत 47 पंचायत सचिवों के सेवा संपुष्टि मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया. जिनके दस्तावेजों में कमी पाई गई, उन्हें सुधार कर अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया. बैठक में डीडीसी दीपक कुमार दूबे, अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा बैद्यनाथ उरांव, जिला योजना पदाधिकारी फैजान सरवर, जिला कोषागार पदाधिकारी विजय कुमार मिश्रा, जिला कल्याण पदाधिकारी सुधीर कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी मिथिला टुडू, जिला शिक्षा अधीक्षक दीपक कुमार सहित अन्य पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे.

अवैध महुआ शराब भट्ठियों को पुलिस ने किया नष्ट

शुभम संदेश। डुमरी (गिरिडीह)

डुमरी, निमियाघाट और पीरटांड़ पुलिस ने अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित अवैध महुआ शराब भट्ठियों के खिलाफ कार्रवाई की. इस दौरान कई भट्ठियों को ध्वस्त कर अवैध जावा को नष्ट किया गया. एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने बताया कि डुमरी थाना क्षेत्र के करिहारी में लगभग 350 किलो जावा नष्ट किया गया. पीरटांड़ थाना क्षेत्र के खेताडाबर गांव में करीब 40 किलो अवैध जावा और शराब नष्ट की गई. निमियाघाट थाना क्षेत्र के केंदुआडीह में आनंद साव, तारा साव (दोनों के पिता सागर साव) और बिनोद साव (पिता टकेश्वर साव) के घरों के पीछे स्थित झोपड़ी और पुराने मकान में 6 बड़े ड्रम में कुल 540 किलो जावा महुआ बरामद किया गया, जिसे नष्ट कर दिया गया. महुआ शराब भट्ठी को भी ध्वस्त किया गया. साथ ही केंदुआडीह निवासी बासुदेव साव (पिता पूरन साव) के झोपड़ीनुमा मकान में रखे 2 ड्रम में लगभग 220 किलो जावा महुआ बरामद कर नष्ट किया गया. सभी संबंधितों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गई. बताया गया कि प्रखंड में कई ऐसे गांव और स्थान हैं, जहां अवैध महुआ शराब की चुलाई और बिक्री धड़ल्ले से की जाती है.

सहकारिता विभाग की गोदाम निर्माण परियोजना पर उठे सवाल

सियाराम शरण सिंह

दुमका। झारखंड की उप-राजधानी दुमका में अभिकर्ताओं का मनोबल काफी ऊंचा दिखाई दे रहा है. सरकार और प्रशासन के निर्देशों का अनुपालन न करना वे अपना बड़प्पन और निर्माण स्थल पर सूचना पट्ट (बोर्ड) न लगाना अपनी महानता समझते हैं. इसका जीता-जागता उदाहरण सहकारिता विभाग की इकाई भवन निर्माण परियोजना में देखा जा रहा है. झारखंड की उप-राजधानी दुमका अंतर्गत पाँच प्रखंडों में 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम का निर्माण विभागीय इकाई द्वारा कराया जा रहा है. इस कार्य का एकमात्र ठीकेदार नियुक्त है. वर्तमान में शिकारीपाड़ा, रानीश्वर, मसलिया और सरैयाहाट प्रखंडों में गोदाम का निर्माण कार्य जारी है, जबकि रामगढ़ प्रखंड में अब तक कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है. किसी भी स्थान पर आज तक सूचना पट्ट नहीं लगाया गया है. वहीं, निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी गंभीर सवालों के घेरे में है. यदि भवन निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्रियों की गुणवत्ता की जांच कराई जाए, तो खामियां स्वतः स्पष्ट हो जाएंगी. विभागीय सूत्रों के अनुसार, प्रत्येक 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम का निर्माण लगभग 80 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है. रानीश्वर प्रखंड अंतर्गत निर्माणाधीन गोदाम में अभियंता की देखरेख के बिना ही कार्य होने का प्रमाण इसके निर्माण की स्थिति से साफ झलकता है. सूचना पट्ट से संबंधित मामले में अभिकर्ता की संवेदनहीनता भी साफ दिखाई देती है. कार्यस्थल पर मौजूद मुंशी ने बताया था कि दो-तीन दिनों में सूचना पट्ट लगा दिया जाएगा, लेकिन आज तक उसे नहीं लगाया गया है. इस संबंध में जिला सहकारिता पदाधिकारी कर्मवीर प्रसाद मेहता से संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के तहत उनका कोई सीधा नियंत्रण नहीं है. जिला स्तर पर भी तकनीकी विभाग के पदाधिकारी को इस कार्य की निगरानी में नहीं लगाया गया है. फिर भी, निर्माणाधीन कार्य का अवलोकन करने के बाद जो तथ्य सामने आए हैं, उसका प्रतिवेदन विभाग को भेज दिया गया है.

मृत्यु प्रमाण पत्र की त्रुटि दूर, गोलक नाथ को मिली राहत

खास बातें

- जनता दरबार में आधे घंटे में हुआ समाधान

शुभम संदेश। बोकारो

जनता दरबार केवल शिकायतों के समाधान का मंच नहीं, बल्कि आम लोगों के दुख-दर्द को समझने और उनकी पीड़ा दूर करने का संवेदनशील प्रयास है. इसका उदाहरण शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित जनता दरबार में कसमार प्रखंड निवासी गोलक नाथ महतो का मामला रहा. गोलक नाथ महतो पिछले कई दिनों से अपनी बहू के मृत्यु प्रमाण पत्र में हुई त्रुटि को लेकर परेशान थे. इसी कारण उन्हें मुआवजा राशि प्राप्त नहीं हो रही थी और परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा था. जब वे समस्या लेकर जनता दरबार पहुंचे, तो महज आधे घंटे के भीतर उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाधान सुनिश्चित करवा दिया. समाधान मिलते ही गोलक नाथ महतो भावुक हो गए और कहा कि मैं कई दिनों से दर-दर भटक रहा था. प्रशासन ने मेरी तकलीफ समझी और तुरंत राहत दी. अब परिवार को बड़ा सहारा मिलेगा. इसके लिए उन्होंने उपायुक्त के प्रति आभार व्यक्त किया. जानकारी हो कि गोलक नाथ महतो की बहू का निधन हाल ही में जरीडीह प्रखंड में वज्रपात से हुआ था. जारी मृत्यु प्रमाण पत्र में त्रुटि होने के कारण गृह विभाग एवं आपदा प्रबंधन से मिलने वाले मुआवजा राशि में परेशानी आ रही थी, जिसका अब निराकरण कर दिया गया है. जनता दरबार में कुल 23 मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें से कई मामलों का ऑन-स्पॉट समाधान किया गया. उपायुक्त ने शेष मामलों पर संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समयबद्ध तरीके से सभी समस्याओं का निष्पादन सुनिश्चित करें. उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार को सिस्टम का अभिन्न हिस्सा बनाना है. मुख्यमंत्री स्वयं भी कार्यालय जाने से पहले जनता से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं. उन्होंने बताया कि प्रखंड और अंचल स्तर पर भी प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को जनता दरबार आयोजित किए जा रहे हैं. इससे जिला स्तरीय जनता दरबार में आने वाले मामलों की संख्या घट रही है, जो सकारात्मक संकेत है. मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग पियुष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे.

विद्युत आपूर्ति के लिए विधायक ने सीएम का जताया आभार

बिजली परियोजनाओं की मिली सौगात

शुभम संदेश। बोकारो

बोकारो जिले के चास और आसपास के क्षेत्रों की वर्षों से चली आ रही बिजली समस्या के समाधान की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड कैबिनेट द्वारा 132 केवी चंदनकियारी–आईटीआई मोड़ चास संचरण लाइन के निर्माण हेतु लगभग 78 करोड़ रुपये तथा 132 केवी दुग्दा–आईटीआई मोड़ चास संचरण लाइन के निर्माण हेतु लगभग 83 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है. इसके अतिरिक्त आईटीआई मोड़ चास में 132/33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन की स्थापना भी अब टेंडर प्रक्रिया में प्रवेश कर चुकी है. इन निर्णयों से पूरे चास-बोकारो क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी. अब तक यहां की जनता को बार-बार विद्युत संकट से जूझना पड़ता था. उद्योगों और घरेलू उपभोक्ताओं को असुविधा का सामना करना पड़ता था. इन संचरण लाइनों और ग्रिड सब-स्टेशन के स्थापित हो जाने से न केवल बिजली आपूर्ति में स्थिरता और गुणवत्ता आएगी, बल्कि औद्योगिक विकास की संभावनाएं भी और मजबूत होंगी. विधायक श्वेता सिंह ने इस ऐतिहासिक निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह चास-बोकारो की जनता के लिए बड़ी सौगात है. उन्होंने बताया कि इस विषय को लेकर वे लगातार प्रयासरत रहीं. समय-समय पर मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी बात रखी और विधानसभा में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक परियोजना नहीं, बल्कि चास और आसपास के क्षेत्रों की जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति है. मैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का तहे दिल से आभार प्रकट करती हूँ कि उन्होंने हमारी मांग को संज्ञान में लेकर इसे हकीकत में बदलने का काम किया. विधायक ने आगे कहा कि यह सफलता पूरे बोकारो-चास परिवार की है. जनता की अपेक्षाओं और विश्वास ने ही इस संघर्ष को गति दी. उनके सहयोग और समर्थन से ही यह संभव हो पाया. उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में चास-बोकारो क्षेत्र को इसी प्रकार विकास की और भी कई सौगातें मिलेंगी तथा जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ किया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

लोक अदालत में 87 विवादों का निपटारा

धनबाद। जिला विधिक सेवा पराधिकार द्वारा धनबाद के चेयरमैन का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार तिवारी के निर्देश पर शुक्रवार को लोक अदालत का आयोजन किया गया इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि लोक अदालत में आठ बैंचो का गठन किया गया था जिसमें कुल 87 वादों का निपटारा किया गया और 46 लाख 79 हजार 9 सौ 68 रुपए का रिकवरी की गई.

धनबाद मंडल में स्वच्छ भोजन पहल का आयोजन

धनबाद। स्वच्छता ही सेवा – 2025 अभियान के दसवें दिन शुक्रवार को धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं रेल परिसरों में "स्वच्छ भोजन पहल" का आयोजन किया गया. इस पहल के अंतर्गत यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही भोजन सुविधा हेतु लगाए गए फूड स्टॉलों का निरीक्षण किया गया तथा भोज्य पदार्थों की गुणवत्ता की जाँच की गई. साथ ही स्वच्छता बनाए रखने हेतु स्टेशनों पर कीट एवं कृंतक नियंत्रण अभियान भी चलाया गया, जिसके अंतर्गत कीटनाशक दवाओं एवं अन्य रोगों से बचाव करने वाली रासायनिक दवाओं का छिड़काव किया गया, जिससे यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सके.

पंचायतों में आदि सेवा केंद्र का उद्घाटन

धनबाद। आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत स्थापित किए जा रहे आदि सेवा केंद्र के सफल संचालन एवं विलेज विजन एक्शन प्लान तैयार करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रखंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में बैठक किया गया. इस मौके पर आदि सेवा केन्द्रों का उद्घाटन भी हुआ. ब्लॉक मास्टर ट्रेनर, सेविका, स्वास्थ्य सहिया, जल सहिया तथा ग्रामीण कार्यक्रम में उपस्थित रहे. कार्यक्रम में ग्राम विलेज एक्शन प्लान के बारे में जानकारी दी गई तथा लोगों को जागरूक किया गया. इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, कृषि, स्वरोजगार, आधारभूत संरचना विकास समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई.

बिना लाइसेंस चल रहा कार्निवल रेस्टोरेंट सील

जांच को गई टीम का मोबाइल छीनने और हुक्का चीलम छिपाने का प्रयास, हुक्का बरामद

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर मेमको मोड़ पर स्थित कार्निवल रेस्टोरेंट को शुक्रवार को सील कर दिया गया. रेस्टोरेंट से हुक्का और चिलम भी बरामद किया गया. रेस्टोरेंट का लाइसेंस 24 मार्च 2023 को एक्सपायर हो गया था. संचालक ने लाइसेंस रिन्यू नहीं कराया और पिछले साढ़े तीन साल से बिना लाइसेंस रेस्टोरेंट चला रहा था. इसके विस्तृत जानकारी देते हुए अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि एक ग्राहक ने कार्निवल रेस्टोरेंट के संबंध में जिला प्रशासन से शिकायत की थी और बताया था कि वहां अवैध रूप से ग्राहकों को हुक्का और चिलम दिया जाता है. सूचना मिलने के बाद फूड सेफ्टी ऑफिसर डॉ राजा कुमार ने टीम के साथ रेस्टोरेंट का औचक निरीक्षण किया. उन्होंने रेस्टोरेंट संचालक से फूड लाइसेंस मांगा. संचालक ने जब लाइसेंस दिया तो वह 24 मार्च 2023 को एक्सपायर हो चुका था. निरीक्षण के क्रम में उन्होंने देखा कि रेस्टोरेंट में कुछ ग्राहक हुक्का और चिलम पी रहे थे. जब विभाग के राहुल कुमार अपने मोबाइल पर कार्रवाई का वीडियो बनाने लगे तब रेस्टोरेंट के मैनेजर और कर्मियों ने मोबाइल फोन छीनने और हुक्का और चिलम छुपाने का प्रयास किया. फूड सेफ्टी ऑफिसर ने तत्काल आला अधिकारियों और पुलिस उपाधीक्षक को सूचना दी. इसके बाद शीघ्र वहां पुलिस फोर्स पहुंच गई. तत्पश्चात रेस्टोरेंट को सील करने की कार्रवाई की गई. फूड सेफ्टी ऑफिसर ने बताया खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अनुसार बिना लाइसेंस कोई भी रेस्टोरेंट का संचालन नहीं कर सकता है. इसका उल्लंघन करने पर 10 लाख रुपए जुर्माना का प्रावधान है. उन्होंने बताया कि रेस्टोरेंट संचालक को नोटिस भेज कर अभियोजन की कार्रवाई शुरू की जाएगी. साथ ही बताया कि ग्राहकों को हुक्का और चिलम देना उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने के समान है. वहीं अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर जिले में लगातार ऐसा छापामारी अभियान जारी रहेगा.

प्रमोद ठाकुर हत्याकांड में चंद्रमणि को उम्रकैद

धनबाद (शुभम संदेश)। जमीन विवाद को लेकर टुंडी निवासी प्रमोद ठाकुर की हत्या कर देने के मामले में आज अदालत ने अपना फैसला सुनाया . धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत ने मामले के नामजद आरोपी टुंडी निवासी चंद्रमणि ठाकुर को उम्रकैद एवं बीस हजार रूपए जुर्माना की सजा सुनाई है. सोलह सितंबर को अदालत ने उसे दोषी करार दिया था तथा सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए आज की तारीख निर्धारित की थी. प्राथमिकी मृतक के पिता उमेश ठाकुर के शिकायत पर टुंडी थाने में दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 11 अप्रैल 21 के शाम सात बजे जब उमेश को सूचना मिली कि उसके पुत्र प्रमोद ठाकुर को किसी ने चाकू से मारकर घायल कर दिया है वह खून से लथपथ है.उसके ऊपर बीस पच्चीस चाकू से वार किया गया था .घायल अवस्था में वह अपने पुत्र को अस्पताल ले गया रास्ते में उसके बेटा ने बताया की चंद्रमणि ठाकुर जीवन ठाकुर, मुण्डो देवी, सूरज पाण्डेय, गुड्डू ठाकुर एवं श्रीलाल ने जमीन विवाद को लेकर उसके ऊपर हमला किया. इलाज के दौरान प्रमोद की अस्पताल में मौत हो गई.

पोलियो टीका के लिए महिला ने की शिकायत, उपायुक्त ने लिया संज्ञान

सीएस के साथ चिकित्सकों के दल को भेजा महिला के घर

शुभम संदेश। धनबाद

बाघमारा प्रखंड के बहियारडीह पंचायत के जोगिडीह बस्ती में रहने वाली एक महिला रश्मि रानी की शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने सिविल सर्जन सहित चिकित्सकों के दल को महिला के घर भेज कर उनकी समस्या का समाधान कराया. दरअसल, महिला ने उपायुक्त से शिकायत की थी कि वह अपने नवजात बच्चे को पोलियो का टीका दिलाने के लिए बहियारडीह पंचायत के स्वास्थ्य केन्द्र गई थी. लेकिन वहां की एएनएम ने टीका उपलब्ध नहीं है, बताकर उन्हें वापस भेज दिया. ऐसा उनके साथ दो सप्ताह तक किया गया. महिला ने इसकी सूचना उपायुक्त को दी. मामले पर त्वरित संज्ञान लेकर उपायुक्त ने सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा को इसकी जांच कर महिला की समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया. तत्पश्चात सिविल सर्जन आज बाघमारा पहुंचे. बाघमारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एमओआईसी सहित मेडिकल टीम के साथ महिला के घर गए. उन्होंने महिला से सारी जानकारी प्राप्त की तथा तत्काल टीकाकरण कराने की व्यवस्था की. उन्होंने बाघमारा के एमओआईसी, सहिया, एएनएम को टीकाकरण किए जाने वाले बच्चों की सूची बनाकर और गणना कर वैक्सीन प्राप्त कर टीकाकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

दुर्गा पूजा में विधि व्यवस्था में सहयोग करेंगे एनसीसी कैडेट

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में दुर्गा पूजा के दौरान भीड़ नियंत्रण तथा ट्रैफिक नियंत्रण को लेकर ग्रामीण एसपी, एनसीसी के कमांडेंट तथा एसडीएम के साथ समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया. इस दौरान उपायुक्त ने एनसीसी के पदाधिकारी से दुर्गा पूजा के दौरान भीड़ नियंत्रण तथा ट्रैफिक नियंत्रण को लेकर संध्या के समय से एनसीसी के कैडेट द्वारा वोलेंटियर करने हेतु चर्चा की. उन्होंने कहा की दुर्गा पूजा के दौरान भीड़ और यातायात को नियंत्रित करने के लिए एनसीसी कैडेट वॉलेंटियर के रूप में काम करेंगे. एनसीसी के कैडेट शहर के विभिन्न पंडालों, यातायात सिग्नलों पर बुजुर्गों और जरूरतमंदों की सहायता और नागरिक प्रशासन को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेंगे. उपायुक्त ने कहा कि वोलेंटियर करने वाले सभी एनसीसी के कैडेट को बेहतर कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा. साथ ही उन्हें कीट भी उपलब्ध कराया जाएगा. उपायुक्त ने कहा की और भी कई संस्थान है जो इस कार्य में प्रशासन की मदद करना चाहते हैं उनकी की सहायता ली जाएगी. बैठक में ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, एसडीओ राजेश कुमार, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय झा तथा एनसीसी के पदाधिकारी उपस्थित रहे.

पीएम का जीएसटी सुधार एक ऐतिहासिक कदम : राज सिन्हा

शुभम संदेश। धनबाद

झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने शुक्रवार को जगजीवन नगर सेंट्रल हॉस्पिटल के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर आयोजित जीएसटी बचत उत्सव के अंतर्गत जगजीवन नगर मार्केट एवं अन्य बाजारों में संवाद एवं भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया. कार्यक्रम के दौरान विधायक राज सिन्हा ने दुकानदार भाइयों से भेंट की और उन्हें शुभकामनाएं दी, साथ ही आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार भारत की आर्थिक मजबूती और पारदर्शी व्यापार प्रणाली की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है. इससे न केवल व्यापारियों को सुविधा होगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भी पारदर्शी व्यवस्था का लाभ मिलेगा. उन्होंने दुकानदारों को जीएसटी सुधार से जुड़ी नई प्रक्रियाओं की जानकारी दी और उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार छोटे और मध्यम व्यापारियों के हितों की सुरक्षा के लिए लगातार प्रयासरत है. कार्यक्रम के दौरान स्थानीय व्यापारी वर्ग ने विधायक का स्वागत किया और प्रधानमंत्री मोदी को बधाई भी दी. इस अभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आमजन भी उपस्थित थे. विधायक और पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल अभियान को मजबूत करने का संकल्प लिया. साथ में मंडलध्यक्ष राजाराम दता, निर्मल प्रधान, उमेश सिंह, संतोष सिंह, अरविंद सिंह, श्रवण झा, विजय रजक, अरुण सिंह, सुशील सिंह, मुकेश सिंह, कुमार अभिषेक, दीपक सिंह, मोतीलाल महतो, रजत कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे. कार्यक्रम में स्थानीय व्यापारी बंधु, युवा और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और एकजुटता के साथ आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम बढ़ाने का संकल्प लिया.

आरोग्य मंदिर में 105 तरह की दवाईयों को उपलब्ध कराने का डीसी ने दिया निर्देश

धनबाद। उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में अरबन आयुष्मान आरोग्य मंदिर तथा पॉलीक्लीनिक्स के विकास के तहत जिला लेवल कमिटी की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई. बैठक में उपायुक्त ने सिविल सर्जन कार्यालय से अरबन आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लिए डॉक्टर, एएनएम, जीएनएम, सफाई कर्मी, सुरक्षा गार्ड की मांग करने के लिए निर्देशित किया गया. इसके अलावा अरबन आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 105 तरह की दवा की खरीदारी हेतु भी उपायुक्त द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए. बैठक में अरबन आयुष्मान आरोग्य मंदिर तथा पॉलीक्लीनिक्स के विकास के तहत चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत स्थापित किए जाने वाले अरबन हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए. नगर परिषद चिरकुंडा के कार्यपालक दंडाधिकारी ने बताया की उस क्षेत्र में कुल चार अरबन आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्वीकृत हैं जिनमें से तीन का निर्माण हो चुका है. एक और भवन की आवश्कता है. उपायुक्त ने कहा की अगर कोई सरकारी भवन खाली हो तो उसे मरम्मत करा कर अरबन आयुष्मान आरोग्य मंदिर चालू करें अन्यथा नए भवन हेतु भूमि चिन्हित करें. बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश बाउरी, कार्यपालक दंडाधिकारी चिरकुंडा, सिटी मैनेजर चिरकुंडा समेत अन्य पदाधिकारी तथा कर्मी मौजूद रहें.

अरबन आयुष्मान आरोग्य मंदिर तथा पॉलीक्लीनिक को ले समिति की बैठक

आसनसोल

टीएमसी ने कुल्टी को दो भागों में बांटा, बनाई कमेटी

शुभम संदेश। कुल्टी

कुल्टी विधानसभा क्षेत्र के 28 वार्डों को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने पहली बार दो भागों में विभाजित कर नई कमेटियों का गठन किया. संगठन को मज़बूत करने के उद्देश्य से दो अलग-अलग ब्लॉकों के अध्यक्षों की घोषणा की गई. साथ ही संगठनात्मक ढांचे के अनुसार पूरी इकाई का पुनर्गठन किया गया, जिसमें युवा अध्यक्ष, महिला अध्यक्ष तथा श्रमिक यूनियन के अध्यक्षों की भी अलग-अलग घोषणा की गई है. इसमें कुल्टी-1 को 14 वार्डों और कुल्टी-2 को शेष 14 वार्डों की जिम्मेदारी दी गई. कुल्टी-1 का अध्यक्ष पार्टी के वरिष्ठ और कर्मठ नेता आदिनाथ पुतांडी उर्फ बादल को नियुक्त किया गया है, जो वर्तमान में पार्षद भी हैं. वहीं, संगठन ने दोबारा कंचन राय पर विश्वास जताते हुए कुल्टी-2 इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है. कुल्टी-1 इकाई में युवा अध्यक्षः राहुल घोषाल, महिला अध्यक्षः मोमिता सेन गुप्ता, श्रमिक संगठन अध्यक्षः दुलाल चक्रवर्ती, कुल्टी-2 इकाई में टाउन ब्लॉक अध्यक्षः कंचन राय, युवा अध्यक्षः अमित यादव, महिला मोर्चा अध्यक्ष (एवं पार्षद): टुम्पा चौधरी, श्रमिक संगठन अध्यक्षः सोमनाथ दत्ता उर्फ बाबू दत्ता इन्हें भी दूसरी बार यह पदभार दिया गया है. दोनों अध्यक्षों के कार्यालय नियामतपुर में स्थित हैं. नियुक्तियों की घोषणा होते ही दोनों कार्यालयों में पटाखे फोड़े गए और मिठाइयाँ बाँटकर स्वागत किया गया. ज्ञात हो कि पिछली विधानसभा चुनाव में कुल्टी विधानसभा क्षेत्र से तीन बार के तृणमूल विधायक उज्जवल चटर्जी को भाजपा के उम्मीदवार डॉ. अजय पोद्दार ने हराया था. साथ ही, आसनसोल लोकसभा क्षेत्र में कुल्टी इलाका भाजपा को सबसे अधिक बढ़त देने वाले क्षेत्रों में रहा है, जिससे यह क्षेत्र तृणमूल के लिए लगातार चुनौती बना हुआ है. इस बार संगठन की ओर से एक नया समीकरण बनाकर आगामी चुनावों के लिए तैयारी की जा रही है. इकाई-1 के अध्यक्ष आदिनाथ पुतांडी ने कहा संगठन ने मुझे एक बड़ी जिम्मेदारी दी है. मैं पूरे प्रयास करूंगा कि 14 वार्डों में तृणमूल को मजबूती मिले. अध्यक्ष की भूमिका एक टीम लीडर की होती है, और मैं पूरी टीम को साथ लेकर चलूंगा. वहीं इकाई-2 के अध्यक्ष कंचन राय ने कहा पार्टी ने एक बार फिर मुझ पर विश्वास जताया है. अब हमारी टीम हर बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत करने के लिए काम करेगी. यही हमारा लक्ष्य रहेगा.

सड़क दुर्घटना में सिविक वालंटियर की मौत

जलपाईगुड़ी (शुभम संदेश)। ट्रक की चपेट में आने से ड्यूटी पर तैनात एक सिविक वालंटियर की मौत हो गई है. मृतक का नाम मंतोष राय है. वह राजगंज थाना अंतर्गत पानीकौरी ग्राम पंचायत के चंदरबाड़ी इलाके का निवासी था. दुर्घटना गुरुवार देर रात सिलीगुड़ी-जलपाईगुड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग के फाटापुकुर इलाके में स्थित टोल प्लाजा के पास हुई. सूत्रों के अनुसार, मंतोष गुरुवार देर रात टोल प्लाजा के पास ड्यूटी पर थे. तभी सिलीगुड़ी की ओर जा रहे एक बड़े ट्रक ने अचानक मंतोष को जोरदार टक्कर मार दिया. घटना में मंतोष गंभीर रूप से घायल हो गए. आनन-फानन सहकर्मियों ने मंतोष को फुलबाड़ी के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है जबकि चालक फरार है. घटना की जांच शुरू कर दी गई है. इस बीच सिविक वालंटियर की मौत से परिवार, पुलिस और सहकर्मियों में शोक है.

इंदिरा-राजीव की मूर्ति तोड़ने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

- कांग्रेस ने जताया पुलिस का आभार

शुभम संदेश। सांकतोड़िया

बुधवार की रात भाजपा कार्यालय के सामने हुसेनिया मोड़ पर स्थापित भारत की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी और स्व. राजीव गांधी की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने आरोपी मंटू खवास को गिरफ्तार कर लिया है. इस घटना से नाराज कांग्रेस नेताओं ने पहले थाना घेराव की चेतावनी दी थी, लेकिन अब गिरफ्तारी के बाद घेराव कार्यक्रम कुछ दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है. शुक्रवार दोपहर कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल कुल्टी थाना पहुंचा और थाना प्रभारी को धन्यवाद दिया. प्रतिनिधिमंडल में पश्चिम बर्धमान जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष रवि यादव, युवा कांग्रेस नेता ज़ीशान अंसारी, राहुल रंजन, सलाउद्दीन, मनीष बर्नवाल, वाजिद हुसैन, वरिष्ठ नेता काजल दत्ता, डब्ल्यूबीपीसीसी सचिव प्रसेंजित पुईतंडी, वार्ड संख्या 25 के काउंसिलर एसएम मुस्तफा, और साउथ ब्लॉक कांग्रेस से शाह आलम खान शामिल थे. वरिष्ठ कांग्रेस नेता काजल दत्ता ने कहा कि मंटू खवास की गिरफ्तारी एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिससे पुलिस मुख्य साजिशकर्ताओं तक पहुंच सकती है. हमें विश्वास है कि पुलिस निष्पक्ष जांच करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं.

भाजपा पार्षद ने दो हजार महिलाओं को बांटे वस्त्र

शुभम संदेश। नियामतपुर

आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या 18 के भाजपा पार्षद अमित तुलसीयान के सहयोग से दुर्गापूजा के त्योहार को देखते हुए दो हजार महिलाओं को साड़ी का वितरण किया गया. सीतारामपुर स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित इस वस्त्र वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आसनसोल नगर निगम के पूर्व मेयर और भाजपा नेता जीतेन्द्र तिवारी उपस्थित थे. समारोह को संबोधित करते हुए जीतेन्द्र तिवारी ने कहा कि दुर्गापूजा के इस महापर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. जब पूजा देने जाएं, तो मां दुर्गा से सुख, शांति और समृद्धि की कामना अवश्य करें. इस अवसर पर आसनसोल जिला भाजपा के उपाध्यक्ष अभिजीत आचार्य तथा पार्षद गौरव गुप्ता भी मुख्य रूप से उपस्थित थे.

बहुमंजिली इमारत में लगी आग से हड़कंप

सिलीगुड़ी (शुभम संदेश)। शहर के पूर्व विवेकानंद पल्ली संलग्न दुध मोर इलाके में एक बहुमंजिली इमारत में भीषण आग लग गई. घटना से इलाके में हड़कम मच गया. आग बहुमंजिला इमारत में स्थित पीजी हॉस्टल में लगी थी. मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर स्थानीय लोगों ने उक्त पीजी हॉस्टल से धुआं निकलते देखा. इसके बाद आनन-फानन में दमकल विभाग को सूचना दी. सूचना पाकर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. हालांकि, तब तक घर का कई सामान जलकर राख हो चुका था. आग लगने के समय पीजी में कोई नहीं था. जिससे एक बड़ा घटना होने से बच गया. दमकल विभाग के अनुसार, आग एसी के तार में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी. सूचना मिलने पर पानीटंकी चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची. घटना की जांच शुरू कर दी गई है.

आईआईटी खड़गपुर में "स्वच्छता ही सेवा 2025" के तहत चला सफाई अभियान

एजेंसी। खड़गपुर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर में जल शक्ति मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा–2025 अभियान के तहत विभिन्न स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस दौरान संकाय सदस्य, छात्र और कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए. एक घंटा श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान के विभिन्न विभागों, छात्रावासों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सफाई अभियान चलाया गया. कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए प्रो. ब्रजेश कुमार दुबे (डीन, कैंपस एवं सामुदायिक विकास) ने सभी उपस्थित जनों को स्वच्छता की प्रतिज्ञा दिलाई. इस अवसर पर प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्ष्नेय, (डीन छात्र कार्य) प्रो. उदय शंकर, (एसोसिएट डीन छात्र कल्याण) प्रो. जितेन्द्र महाकुड़, (अध्यक्ष टेक्नोलॉजी स्टूडेंट्स जिमखाना) तथा प्रो. गायत्री मुखर्जी, (एसोसिएट अध्यक्ष टीएसजी) उपस्थित रहे. कार्यक्रम के अंतर्गत सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बी.सी. रॉय टेक्नोलॉजी अस्पताल के चिकित्सकों और नर्सों ने सेवाएं दीं. इसके पश्चात सफाई मित्रों के लिए सामूहिक भोज का भी आयोजन हुआ. इसी क्रम में डीएवी मॉडल स्कूल, आईआईटी खड़गपुर में कक्षा आठ से 12 तक के विद्यार्थियों के बीच निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई. छात्रों ने पर्यावरण संबंधी विषयों पर लेखन कर स्वच्छता के प्रति अपनी जागरूकता प्रदर्शित की. साथ ही, संस्थान परिसर के पूजा पंडालों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े पोस्टर एवं बैनर भी लगाए गए.

79वीं दुर्गा पूजा को लेकर बैगुनिया में तैयारियाँ जोरों पर

शुभम संदेश। बराकर

बराकर बैगुनिया सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी की ओर से इस वर्ष 79वीं दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया जा रहा है. पूजा की सभी तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं और कमेटी उद्घाटन की तैयारियों में पूरी तरह जुटी हुई है. इस वर्ष का पूजा पंडाल 'पुतुल घर' (गुड़िया घर) की थीम पर आधारित है, जो दर्शकों को खूब आकर्षित कर रहा है. पंडाल की सजावट में पारंपरिक वस्तुएँ जैसे झूड़ी, हाथ पंखे, मिट्टी की गुड़िया, और बाँस से बनी कलाकृतियों का प्रयोग किया गया है, जो विशेष रूप से दर्शनीय हैं. पूरे आयोजन का अनुमानित बजट लगभग 12 लाख रुपये है. बिजली की सजावट चंदननगर के प्रसिद्ध लाइटिंग कलाकारों द्वारा की जा रही है, जिससे पंडाल की शोभा और बढ़ गई है. पूजा की मूर्ति कृष्णनगर से विशेष रूप से मंगाई गई है, जिसकी लागत लगभग 1 लाख रुपये है. यह मूर्ति अपनी साज-सज्जा और सौंदर्य के लिए विशेष रूप से सराही जा रही है. मंदिर कमेटी लगातार यह प्रयास कर रही है कि पूजा और उद्घाटन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएँ समय पर पूरी हो जाएं. उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय भाजपा विधायक डॉ. अजय पोद्दार, ईसीएल के डायरेक्टर (टेक्निकल ऑपरेशन) नीलाद्रि राय, और प्रसिद्ध व्यवसायी जोगा देवघरिया विशेष रूप से शामिल होंगे.

ब्रीफ खबरें

स्वच्छता ही सेवा के तहत फूड स्टॉल और पैंट्री कारों का निरीक्षण

बोकारो। "स्वच्छता ही सेवा – 2025" (17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक) अभियान एवं "स्वच्छोत्सव" के अंतर्गत आद्रा मंडल में "स्वच्छ भोजन पहल" के तहत आद्रा, पुरुलिया, बोकारो सहित मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशनों पर कैटरिंग स्टॉल और विभिन्न गाड़ियों की पैंट्री कारों का व्यापक निरीक्षण किया गया. इसका उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना और स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना था. निरीक्षण के दौरान सभी स्वच्छता मानकों की जांच की गई. स्टॉलों के स्टाफ के चिकित्सीय प्रमाण पत्र, खाद्य लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की गई. साथ ही स्टॉलों के वेंडर और स्टाफ को स्टॉल और परिसर को सदैव स्वच्छ और मानकों के अनुरूप बनाए रखने की सलाह दी गई.

बीएसएल परिसरों में रक्षा उपकरण इकाई लगाने की मांग

बोकारो। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को ज्ञापन सौंपकर बीएसएल के गैर-आवासीय परिसरों में हल्के रक्षा उपकरण उत्पादन इकाई स्थापित करने की मांग की. उन्होंने एनसीसी प्रशिक्षण पुनः शुरू करने और बीएसएल विस्तारीकरण परियोजना प्रारंभ करने का भी आग्रह किया. उन्होंने बताया कि इन इकाइयों की स्थापना से न केवल बेकार पड़े भवनों का सदुपयोग होगा, बल्कि बोकारो के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा, जिले की आर्थिक प्रगति होगी और सामाजिक माहौल भी अनुशासित बनेगा. इसके साथ ही बोकारो इस्पात उत्पादन के साथ-साथ रक्षा उत्पाद के लिए भी जाना जाएगा.

गोड्डा पुलिस ने त्योहार से पहले मॉक ड्रिल कर विधि व्यवस्था कसी

गोड्डा। कानून व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति में नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से पुलिस बल द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया. यह अभ्यास जिला पुलिस केंद्र में पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार की उपस्थिति में किया गया, जिसमें कनिष्ठ पदाधिकारी एवं आरक्षियों ने हिस्सा लिया. साजो-सामान से लैस होकर भीड़ नियंत्रण के तरीकों का प्रदर्शन किया गया. सादे वर्दी में कुछ नागरिकों को भीड़ का हिस्सा बनाकर उपद्रव का सीन तैयार किया गया. बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पहले माइक से चेतावनी दी गई. भीड़ नहीं मानने पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए, उसके बाद लाठी चार्ज करके भीड़ को नियंत्रित किया गया. मॉक ड्रिल के दौरान सीनियर अधिकारियों ने कर्मियों को निर्देश देकर प्रशिक्षण दिया. उन्हें फील्ड में आने वाली चुनौतियों और परिस्थितियों के अनुसार कार्य करने की जानकारी दी गई.

मनरेगा योजना की जांच के दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं

गावां (गिरिडीह)। खोरीमहुआ एलआरडीसी सुनील प्रजापति मनरेगा योजना की जांच के लिए गावां पहुंचे. इस दौरान उन्होंने पटना पंचायत में आम बागवानी योजना का निरीक्षण किया. जांच में पाया गया कि जिस जमीन पर आम बागवानी दिखाई गई, वहां आम के पौधों की जगह झाड़-झंझट उग आए थे, जबकि पास की एक अन्य बागवानी में कुछ आम के पौधे पाए गए. बताया गया कि जिस जमीन पर बागवानी की गई, वह संभवतः जीएम प्लॉट या फॉरेस्ट की जमीन प्रतीत होती है, जबकि यह योजना व्यक्तिगत रैयती जमीन पर ही लागू होनी चाहिए. इसके अलावा उन्होंने अबुआ आवास योजना की भी जांच की. जांच में पाया गया कि लाभुक मनोज दास का नाम सूची में होने के बावजूद उन्हें आवास का लाभ नहीं मिला है. उनका घर बारिश में गिर चुका है और परिवार टूटे-फूटे घर में रहने को विवश है.

11 माह के मानदेय भुगतान को लेकर जल सहियाओं ने किया प्रदर्शन

साहिबगंज। मानदेय भुगतान को लेकर जिले की तमाम जल सहियाओं ने शुक्रवार को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया. जल सहियाओं ने प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता शशि शेखर सिंह को मांग पत्र भी सौंपा. जल सहियाओं ने बताया कि उनका 11 माह का मानदेय 29,000 रुपये और मोबाइल भत्ते का 12,000 रुपये विभाग से नहीं दिया गया है. इसके लिए कई बार विभाग के कार्यपालक अभियंता से मिलकर भुगतान की मांग की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला. सभी जल सहियाओं ने जल्द से जल्द राशि भुगतान करने की मांग की. इस मौके पर जलसहिया संघ की अध्यक्ष माला कुमारी यादव, प्रखंड सचिव ललिता सिंह, पूनम सिंह, सविता देवी, संतोषी देवी, किरण देवी, शीला देवी, रेखा देवी सहित अन्य मौजूद थीं. पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता शशि शेखर सिंह ने प्रेस को बताया कि जल सहिया के प्रतिनिधि उनसे मिले और उनसे बातचीत भी हुई. उन्होंने कहा कि 11 माह का मानदेय शाम तक सभी सहियाओं के खातों में जमा कर दिया जाएगा.

दुर्गा पूजा के अवसर पर यातायात व्यवस्था में बदलाव

शुभम संदेश। बोकारो

शहरी क्षेत्र में भारी वाहनों पर प्रतिबंध

दुर्गा पूजा 2025 के अवसर पर बोकारो जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दुर्गा पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं एवं वाहनों की भारी भीड़ अपेक्षित है. विधि-व्यवस्था एवं सुचारू यातायात सुनिश्चित करने हेतु 29 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक अपराह्न 2:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक विशेष यातायात व्यवस्था प्रभावी रहेगी. इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा एवं ट्रैफिक डीएसपी विद्या शंकर ने संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी और थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं. माराफारी थाना क्षेत्र में मूर्ति विसर्जन के समय एनएच-23 का दोनों लेन चालू रहेगा. बालीडीह से बोकारो की ओर आने वाले मार्ग पर आधे हिस्से में जुलूस एवं आधे हिस्से में वाहनों (दो/तीन/चार पहिया) का परिचालन होगा. जुलूस के दौरान बालीडीह से बोकारो की ओर जाने वाले भारी वाहनों को स्टेशन मोड़ (बालीडीह) पर तथा आईटीआई मोड़ से बालीडीह की ओर जाने वाले भारी वाहनों को तेलीडीह फोरलेन चौक पर रोका जाएगा. बालीडीह से नया मोड़ की ओर जाने वाले चार पहिया वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग — स्टेशन मोड़ रेलवे पुल माराफारी नया मोड़ तय किया गया है. जोधाडीह मोड़ व धर्मशाला चौक से महावीर चौक की ओर जाने वाले तीन/चार पहिया वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा. आईटीआई मोड़ (बुलेट शोरूम) से धर्मशाला मोड़ की ओर भारी वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा. चेक पोस्ट से चास थाना की ओर जाने वाले तीन/चार पहिया वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा. चास से नया मोड़ जाने वाले चार पहिया/तीन पहिया वाहन — हवाईअड्डा राम मंदिर चौक राजेंद्र चौक नया मोड़ मार्ग से गुजरेंगे. एमजीएम स्कूल गेट से कालीबाड़ी मोड़ तक सभी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा. बसंती मोड़ से कालीबाड़ी की ओर तथा हटिया मोड़ (शहीद ईनायत चौक) से दुर्गा पूजा पंडाल की ओर तीन/चार पहिया वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा. जरीडीह टोल प्लाजा और जरीडीह फोरलेन चौक से जरीडीह बाजार की ओर दोपहिया वाहनों को छोड़कर अन्य सभी वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा. तेलमच्चो से सेक्टर-11 होते हुए शहर की ओर तथा पुलिस केंद्र मोड़ हाईवे से सेक्टर-12 मोड़ की ओर भारी वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा. तेलमच्चो टोल प्लाजा, तेलगडिया मोड़, आईटीआई मोड़, टॉड बालीडीह टोल प्लाजा एवं पिंड्राजोरा सीमा चेकपोस्ट पर आवश्यकता अनुसार भारी वाहनों को रोका जाएगा. शहरी क्षेत्र में प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा. सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में वाहनों को निर्धारित समय एवं स्थल पर रोकना सुनिश्चित करें. यह आदेश 29 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक प्रभावी रहेगा.

पेटरवार में राज्यस्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता संपन्न

तीरंदाजी में बेहतर करियर के अवसर : सीपी चौधरी

शुभम संदेश। कसमार (बोकारो)

आर्चरी के क्षेत्र में आगे बढ़ने और करियर बनाने के बेहतर अवसर हैं. बोकारो जिले की ग्रामीण प्रतिभाएं भी अब इस खेल में उभर रही हैं. ये बातें गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने पेटरवार स्थित प्लस टू विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित दीपक कर्मकार मेमोरियल झारखंड बिरसा मुंडा कप, स्टेज टू, राज्यस्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ने कही. सांसद ने कहा कि पेटरवार जैसे ग्रामीण क्षेत्र में राज्यस्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन बोकारो जिले के लिए गर्व की बात है और बच्चों के लिए इस खेल में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं. विशिष्ट अतिथि एवं गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने कहा कि जल्द ही कसमार प्रखंड में बिरसा बिनोद दिव्यांग तीरंदाजी अकादमी के माध्यम से नियमित प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को बेहतर मंच मिले और वे इस खेल में अपना करियर बना सकें. स्वागत भाषण राष्ट्रीय तीरंदाजी कोच करण कुमार कर्मकार और धन्यवाद ज्ञापन शिशिर महतो ने दिया. इस दौरान मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो, सेवानिवृत्त न्यायाधीश संतोष अग्निहोत्री, जिला परिषद उपाध्यक्ष बबीता देवी, स्थानीय जिप सदस्य प्रह्लाद महतो, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर अजय सिंह, पूर्व अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज एंजेला सिंह, पेटरवार मुखिया दिनेश गुप्ता सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे. दीपक कर्मकार के परिवारजन भी समारोह में मौजूद रहे और उन्हें श्रद्धांजलि दी.

लवली और चंद्रमोहन ने जीते गोल्ड मेडल

तीरंदाजी सब-जूनियर प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में पश्चिमी सिंहभूम की लवली कुमारी ने प्रथम स्थान, रांची की मोनिता सिंकू ने द्वितीय और बोकारो की तनु कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. बालक वर्ग में दुमका के चंद्रमोहन सोरेन ने प्रथम स्थान, पश्चिमी सिंहभूम के राजेश पूर्ति ने द्वितीय और सुन्नी हेम्ब्रम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा मेडल, ट्रॉफी, चेक और धनुष सेट देकर सम्मानित किया गया.

राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाजी कोच उपस्थित

प्रतियोगिता में देवीधन टुडू, कुमारी मडोरानी मंडी, जितेंद्र महतो, तिलक महतो, बुधेश्वर मंडल, प्रेम चंद्र मार्डी, सुशांत पात्रो, अशोक सोरेन, रोहित कोइरी, शीतल महतो, बबीता कंडुकेल, गंगाधर नाग, महेंद्र करमाली, संजू कुमारी, शिशिर महतो, रोहित भारद्वाज, सुचिता तिर्की, बुधेश्वर मुर्मू, गौतम हांसदा, दुर्गेश कुमार समेत कई अन्य राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाजी कोच मौजूद थे.

बीएसएल में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए वित्त और लागत कार्यशाला

शुभम संदेश। बोकारो

सेल, बोकारो इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधकों (सीजीएम) के लिए वित्त एवं लागत पर एक विशेष कार्यशाला लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर में आयोजित की गई. उद्घाटन सत्र में अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी.आर. मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. कार्यशाला का उद्देश्य सीजीएम स्तर के अधिकारियों को वित्तीय कौशल सिखाना और परिचालन एवं नीतिगत निर्णयों को वित्तीय प्रदर्शन से जोड़ने की समझ विकसित करना था. प्रतिभागियों ने केस स्टडी और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया. यह पहल सेल-बोकारो की नेतृत्व संस्कृति और वित्तीय रूप से सुदृढ़ निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ावा देने की दिशा में है.

कार्यक्रम का उद्देश्य वरीय अधिकारियों को बैलेंस शीट, लाभ-हानि विवरण और कैश फ्लो जैसी प्रमुख वित्तीय रिपोर्टों की व्याख्या करने, लागत कारकों और लाभप्रदता व निवेश पर उनके प्रभाव को पहचानने, वर्किंग कैपिटल, पूंजी संरचना और उनके निहितार्थों को समझने तथा इस्पात जैसे साइक्लिक और पूंजी-प्रधान उद्योग में प्रभावी निर्णय लेने के लिए वित्तीय अंतर्दृष्टि का उपयोग करने पर केंद्रित था.

डीएजेजीयूए के लाभुकों के चयन के लिए जिला स्तरीय समिति की बैठक

शुभम संदेश। बोकारो

समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत धरती आबा जनजातीय ग्रामीण उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) योजना 2024-25 के लाभुकों की प्रखंडवार अनुशंसित सूची का अनुमोदन समिति सदस्यों की सहमति से किया गया. चयनित लाभुकों में दुपहिया वाहन के साथ आईस बॉक्स, जिसकी ईकाई लागत 75,000 रुपये है और तीन-पहिया वाहन के साथ आईस बॉक्स, जिसकी ईकाई लागत 3,00,000 रुपये है शामिल हैं. बैठक में जिला मत्स्य पदाधिकारी नीलम ने वर्ष 2025-26 के लिए प्राप्त आवेदनों के आधार पर योजना की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव रखा. योजना के अंतर्गत ईकाई लागत का 90% अनुदान सरकार द्वारा लाभुकों को प्रदान किया जाएगा. बैठक में जिले में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने और इसे ग्रामीण आजीविका से अधिक से अधिक जोड़ने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई.

बड़की पुन्नू में 42 हाथियों के झुंड से ग्रामीणों में दहशत

वन विभाग ने जारी किया अलर्ट

बोकारो (शुभम संदेश)। जिले के गोमिया प्रखंड के बड़की पुन्नू क्षेत्र के जंगलों में करीब 42 हाथियों का झुंड देखा गया है, जिसमें तीन नवजात हाथी भी शामिल हैं. इसे देखते हुए आसपास के सभी गांवों के ग्रामीणों को अलर्ट जारी कर दिया गया है. वन विभाग ने स्थानीय लोगों को सतर्क रहने और घर के अंदर रहने की सलाह दी है. लाउडस्पीकर के माध्यम से ग्रामीणों को यह जानकारी दी जा रही है कि हाथियों की सुरक्षा और नवजात बच्चों के कारण झुंड आक्रामक हो सकता है और बड़ी संख्या होने के कारण ये अलग-अलग दिशाओं में फैल सकते हैं. वन विभाग के अधिकारी संदीप शिंदे ने बताया कि दो दिनों से लगातार इतने बड़े झुंड का आना चिंता का विषय है. उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में दो क्यूआरटी (क्विक रिस्पॉन्स टीम) तैनात कर दी गई है और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत फील्ड स्टाफ से संपर्क करने की हिदायत दी गई है. रात के समय किसी भी अनावश्यक कारण से घरों से बाहर न निकलने की चेतावनी दी गई है. यदि कोई हाथी दिखाई देता है तो तुरंत वनक्षकों को सूचित करने का अनुरोध किया गया है. वन विभाग की टीम झुंड की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रख रही है और स्थानीय लोगों को सुरक्षित रहने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है. हाथियों के इस बड़े झुंड के दिखाई देने से ग्रामीणों में भय और उत्सुकता का मिश्रित माहौल बना हुआ है. वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि झुंड के शांतिपूर्ण मार्गदर्शन के लिए अधिकारी और स्थानीय टीम लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं.

ढाई एकड़ जमीन में मड़ुआ की खेती कर प्रेरणा स्रोत बने किसान

प्रमोद गुप्ता

जमुआ (गिरिडीह)। बेरोजगारी की मार झेल रहे युवाओं के लिए प्रेरणा बने जमुआ प्रखंड के बारोंटांड़, दुम्मा निवासी निगम कुमार, जो ग्रेजुएट हैं. निगम ने नौकरी की तलाश छोड़ कृषि को अपनाया और प्रखंड कार्यालय से मिले 20 किलो मड़ुआ बीज से ढाई एकड़ परती जमीन पर खेती कर सफलता की मिसाल पेश की. वर्षों से बंजर पड़ा खेत अब मड़ुआ की हरियाली से लहलहा उठा है. उनकी फसल देखने आसपास के लोग भी पहुँचते हैं. इस बार 10 से 15 क्विंटल उपज की संभावना जताई जा रही है. व्यापारी और आम खरीददार खेत से ही 5 हजार रुपये प्रति क्विंटल की दर से मड़ुआ खरीदने को तैयार हैं. ऐसे में मड़ुआ अब नगदी और व्यावसायिक फसल की श्रेणी में तेजी से पहचान बना रहा है. निगम कुमार ने बताया कि मड़ुआ (रागी) एक प्रमुख मिलेट है, जो शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, ब्लड शुगर नियंत्रित रखने और बीपी को सामान्य करने में सहायक है. साथ ही यह शरीर को डिटॉक्स करता है और लीवर व फेफड़ों के लिए भी फायदेमंद है. उन्होंने कहा कि कृषि विभाग से प्रशिक्षण लेकर खेती की तकनीक सीखी है और अगले साल और अधिक क्षेत्र में मड़ुआ की खेती करने की योजना है. कम लागत, कम समय और कम श्रम में तैयार होने वाली यह फसल न केवल किसानों को आर्थिक लाभ देती है, बल्कि पशुओं के लिए चारा भी उपलब्ध कराती है. निगम की सफलता से प्रेरित होकर गांव के अन्य युवाओं के भी खेती की ओर बढ़ने की उम्मीद है.

मत्स्य विभाग भवन निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग

बोकारो (शुभम संदेश)। बोकारो जिले में मत्स्य विभाग के कार्यालय भवन के ऊपरी तल्ले के निर्माण में घटिया सामग्री के उपयोग का मामला सामने आया है. स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में इस्तेमाल की गई ईंट, बालू, सीमेंट और सरिया मानकों के अनुरूप नहीं है. नियम के अनुसार सरकारी भवनों में फ्लाई ऐश ईंट और टाटा कंपनी का सरिया इस्तेमाल होना चाहिए. लेकिन यहां रूंगटा कंपनी का सरिया और सबसे निम्न गुणवत्ता वाली बंगला भट्ठा की साधारण ईंटें लगाई जा रही हैं. स्थानीय लोगों का आरोप है कि इससे भवन की मजबूती कमतर होगी. इस मामले को लेकर क्षेत्रवासियों ने दोषी ठीकेदार और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है. वहीं, जब इस संबंध में मुख्य कार्यपालक अभियंता से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने जवाब देने से परहेज़ किया और टालमटोल करते नजर आए. स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच जल्द नहीं की गई, तो यह भवन भविष्य में किसी बड़े हादसे की वजह बन सकता है.

स्वदेशी जागरण मंच बोकारो का स्वदेशी सप्ताह का शुभारंभ

शुभम संदेश। बोकारो

स्वदेशी जागरण मंच बोकारो द्वारा स्वदेशी सप्ताह का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती से किया गया. यह सप्ताह 25 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर, महात्मा गांधी जी की जयंती तक मनाया जाएगा. जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा के मार्ग दर्शन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती आर्यन निवास, गंधाझोर, चीरा चास में मनाई गई. इस अवसर पर प्रमोद कुमार सिन्हा ने कहा कि स्वदेशी सप्ताह के दौरान हमें दीनदयाल जी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर अपने घर, परिवार और व्यापार में स्थानीय एवं स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देनी चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि विदेशी सामानों का पूर्णतः बहिष्कार करना चाहिए और स्वदेशी भाषा, वेशभूषा एवं उत्सव पद्धति अपनानी चाहिए. उन्होंने सभी से आग्रह किया कि "हर घर स्वदेशी हर युवा उद्यमी" के विचार को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अथक प्रयास करें, ताकि देश समृद्ध हो और विश्व पटल पर भारत की जय-जयकार हो. कार्यक्रम में क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र कुमार सिंह उपस्थित थे.

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ओ-एसी-टी-97, 100-25-26 और 101-25-26 से 103-25-26 (खुली), दिनांक 25.09.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम संख्या: 1, केस संख्या** : ओ-एसी-टी-97-25-26, **कार्य का नाम:** सीतारामपुर -झाझा शाखा में लाइन क्षमता को बढ़ाने हेतु 06 आईबीपी के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 3,76,22,890.39, **बयाना राशि :** रु. 3,38,100/-, **क्रम सं. 2, केस संख्या:** ओ-एसी-टी-100-25-26, **कार्य का नाम:** सीतारामपुर -झाझा शाखा में डीएलबीआई के स्थान पर एसएसबीपीएसी (डी) के प्रावधान और मधुपुर में एक्सीलेंस सेंटर के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 1,58,36,918.78, **बयाना राशि :** रु. 2,29,200/-, **क्रम सं. 3, केस सं.** : ओ-एसी-टी-101-25-26, **कार्य का नाम:** एईएन/जसीडीह के अधीन दुमका में नए क्रू लॉबी के निर्माण एवं एनजीटी दिशानिर्देशों के अनुपालन में गुड्स शेड दुमका में प्रदान की गई सुविधाओं के सुधार के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 1,76,61,596.17, **बयाना राशि :** रु. 2,38,300/-, **क्रम सं. 4, केस सं.** : ओ-एसी-टी-102-25-26, **कार्य का नाम:** वरिष्ठ डीईएन/2/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में सीटीआर(पी), टीआरआर(एस), सीटीआर(एस), टीबीआर और टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) के साथ अन्य सहायक कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 3,66,33,135,76, **बयाना राशि :** रु. 3,33,200/-, **क्रम सं. 5, केस सं.** : ओ-एसी-टी-103-25-26, **कार्य का नाम:** निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली निविदा (i) आसनसोल मंडल के तहत दुर्गापुर में 06 और बराचक में 04 सीटिंग कैपासिटी के लिए आरपीएफ कार्यालय भवन के नए निर्माण के शेष कार्य, (ii) अंडाल (ओएल)/आरपीएफ पोस्ट में 12 सीटों की क्षमता वाले कार्यालय, आईपीएफ चैंबर, हाज़त, टीए रूम, शौचालय और फर्नीचर आदि के प्रावधान के साथ आरपीएफ पोस्ट भवन की मरम्मत/नवीनीकरण और (iii) आसनसोल मंडल के पानागढ़ में 02 प्रहरीरहित लेवल क्रॉसिंग (पीएमबी/1031 और 1032) में 02 सेट हाइट गेज का प्रावधान। **निविदा मूल्य :** रु. 94,85,195.56, **बयाना राशि :** रु. 1,89,700/-**कार्य की समापन अवधि:** क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु 08 माह, क्रम सं. 3 एवं 4 प्रत्येक हेतु 12 माह और क्रम सं. 5 हेतु 09 माह। **बंद होने की तिथि और समय:** 21.10.2025 को 12.00 बजे प्रत्येक हेतु। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है। ASN-197/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

डीसी ने की समाज के संपन्न वर्ग से वृद्ध, बेसहारा, और अनाथ बच्चों के उत्थान में योगदान की अपील

वरिष्ठ नागरिकों के लिए नव निर्मित सीनियर सिटीजन होम का उद्घाटन

खास बातें

- सामाजिक स्वास्थ्य के लिए नियमित संवाद और गतिविधियों का आयोजन
- डीसी और डीडीसी ने सुविधाओं का किया निरीक्षण

शुभम संदेश। बोकारो

चास प्रखंड अंतर्गत पिंड्राजोरा के ओबरा गांव में वरिष्ठ नागरिकों के लिए नव निर्मित सीनियर सिटीजन होम का उद्घाटन उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने संयुक्त रूप से किया. यह आश्रम सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय – महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की अटल वायो अभ्युदय योजना के तहत संचालित किया जा रहा है, जिसका संचालन सामाजिक संस्था "कोशिश" द्वारा किया जाएगा. उद्घाटन के अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि वृद्धाश्रम में रहने वाले प्रत्येक बुजुर्ग को घर जैसा वातावरण मिलना चाहिए. उन्होंने संस्था से इसे सुनिश्चित करने को कहा और विश्वास दिलाया कि जिला समाज कल्याण विभाग इस पुनीत कार्य में संस्था का सहयोग और निगरानी करता रहेगा. उन्होंने समाज के संपन्न एवं सक्षम वर्ग से भी अपील की कि वे वृद्ध, बेसहारा एवं अनाथ बच्चों के उत्थान में आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाएं. उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने कहा कि यह पहल जिले के लिए एक सकारात्मक कदम है. उन्होंने बताया कि वृद्धजनों की सेवा हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है. यह आश्रम केवल सहारा नहीं देगा, बल्कि बुजुर्गों को सम्मान और स्नेह के साथ जीवन जीने का अवसर भी प्रदान करेगा. प्रशासनिक अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण और आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करेंगे. कोशिश संस्था द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास, भोजन, स्वास्थ्य सुविधा और देखभाल की संपूर्ण व्यवस्था की जानकारी डीसी और डीडीसी को दी गई. द्वय पदाधिकारी क्रमवार उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया और बुजुर्गों के मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य के लिए नियमित संवाद एवं गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिए. डीसी और डीडीसी ने सीनियर सिटीजन होम में रह रहे वृद्ध आमडीह निवासी निवारण महतो, बरमसिया निवासी छोटू मियां एवं बन्नी देवी से संवाद किया और आवास, मनोरंजन तथा खान-पान की जानकारी ली. संबंधित संस्था को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए. वहीं, मौके पर उपस्थित आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं से पोषण क्षेत्रों में वितरण हो रहे टीएचआर की जानकारी भी ली गई. कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, कोशिश संस्था की सचिव डॉ. निवेदिता दत्ता समेत संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित थे.

मंथन

संवेदनाओं से सशक्त होगी राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य की स्वास्थ्य संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 160 चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र सौंपा है. इनमें सहायक प्राध्यापक, दंत चिकित्सक और विशेषज्ञ पदाधिकारी शामिल हैं. यह पहल केवल नियुक्तियों का औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार है. स्वास्थ्य सेवा का मूल उद्देश्य केवल इलाज तक सीमित नहीं होता, बल्कि उसमें संवेदनाओं और सेवा-भाव का गहरा संबंध होता है. मुख्यमंत्री ने हेमंत सोरेने ने सही ही कहा कि चिकित्सकों को गरीब, कमजोर और असहाय जनता की उम्मीदों को धरातल पर साकार करना होगा. नियुक्ति पत्र से जिम्मेदारी शुरू होती है, लेकिन वास्तविक सफलता तब होगी जब नवनियुक्त चिकित्सक अपनी संवेदनशीलता और सेवा-भावना से लोगों का विश्वास जीतेंगे. झारखंड जैसे राज्य में, जहां स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा अब भी कई चुनौतियों से जूझ रहा है, ये नियुक्तियां आशा की किरण हैं. ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में चिकित्सा सुविधाओं की कमी से लोग वर्षों से जूझ रहे हैं. ऐसे में नई नियुक्तियों से न केवल विशेषज्ञता बढ़ेगी, बल्कि चिकित्सा शिक्षा और उपचार की गुणवत्ता भी बेहतर होगी. जरूरी यह है कि यह कदम केवल संख्या तक सीमित न रहे. नियुक्त चिकित्सकों को अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और संवेदनाओं के साथ करना होगा. स्वास्थ्य सेवा को जनसुलभ, सस्ती और प्रभावी बनाने के लिए सरकारी इच्छाशक्ति और चिकित्सकों की सेवा भावना का संगम आवश्यक है. यही संगम झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त और भरोसेमंद बना सकता है.

नजरिया

सरेंडर की राह पर झारखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्र

पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले में दस नक्सलियों का सरेंडर झारखंड पुलिस और प्रशासन की बड़ी उपलब्धि है. लंबे समय से कोल्हान और सारंडा क्षेत्र में सक्रिय ये नक्सली हत्या, विस्फोटक अधिनियम और यूएपीए जैसे गंभीर मामलों में वांछित थे. इनका आत्मसमर्पण न केवल सुरक्षा बलों के अभियान की सफलता है, बल्कि राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति की प्रभावशीलता का भी प्रमाण है. डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सही कहा कि यह माओवादी संगठन के लिए बड़ा झटका है. लगातार सरेंडर की घटनाएं इस ओर इशारा करती हैं कि नक्सली अब अपनी पुरानी राह छोड़कर मुख्यधारा में लौटने को तैयार हो रहे हैं. वर्ष 2022 से अब तक चाईबासा में 26 नक्सलियों का आत्मसमर्पण होना इस प्रक्रिया का ठोस उदाहरण है. दरअसल, नक्सल समस्या का समाधान केवल गोली और बंदूक से संभव नहीं. इसके लिए विकास, संवाद और पुनर्वास तीनों का संतुलित मिश्रण आवश्यक है. सरकार ने जिस प्रकार पुनर्वास नीति लागू की है, उसने नक्सलियों को समाज से जुड़ने का अवसर दिया है. साथ ही, सुरक्षा बलों के सटीक और निरंतर अभियान ने माओवादी संगठन की कमर तोड़ी है. आज जरूरत है कि शेष बचे नक्सली भी हथियार छोड़कर समाज और विकास की धारा से जुड़ें. क्योंकि हिंसा और भय की राजनीति से न तो उनका भविष्य सुरक्षित होगा और न ही क्षेत्र का विकास संभव है. सरेंडर की यह राह न केवल व्यक्तिगत जीवन को सुरक्षित करती है, बल्कि पूरे राज्य के लिए स्थायी शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है.

भारत में बाल विवाह उन्मूलन की दिशा व यूएन की रिपोर्ट

बाल विवाह को रोकना केवल कानून लागू करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन है और भारत ने यह साबित कर दिया है कि यह संकल्प मजबूत हो तो यह आंदोलन सफलता की नई ऊंचाइयां छू सकता है.

डॉ. निवेदिता शर्मा

यूएन की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में 4 लाख बाल विवाह रोके गए.

भारत ने बाल विवाह रोकथाम में हाल के वर्षों में जो प्रगति हासिल की है, वह दुनिया के लिए प्रेरणादायक है. संयुक्त राष्ट्र की आम सभा के दौरान जारी रिपोर्ट "टिपिंग पॉइंट टू जीरोः एविडेंस टुवर्ड्स अ चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया" ने यह दर्शाया कि 2023 से अब तक भारत में चार लाख से अधिक बाल विवाह रोके गए. यह संख्या आंकड़ों की दृष्टि से तो महत्व रखती ही है, साथ में सामाजिक परिवर्तन की दिशा में यह निर्णायक क्षण का प्रतीक है. संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने एक साल पूर्व जब कहा था कि मौजूदा गति से दुनिया को बाल विवाह मुक्त बनने में लगभग तीन सौ साल लगेंगे, तब किसी ने नहीं सोचा था कि भारत इतनी तेजी से प्रगति कर पाएगा. आंकड़े कहते हैं, दुनिया के कुल बाल विवाहों में से एक तिहाई भारत में होते हैं. यह स्थिति केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भी चिंता का विषय रही है.

साल 2023-24 में ही नागर समाज, पंचायतों और कानूनी हस्तक्षेपों से 73,501 बाल विवाह रोके गए. इनमें से 59,364 मामले पंचायतों की सक्रिय भागीदारी से रोके गए, जबकि 14,137 मामले कानूनी कार्रवाई से रुके (एनसीपीसीआर रिपोर्ट, 2024). यह आंकड़ा प्रमाण है कि पंचायतें और स्थानीय निकाय सक्रिय होने पर सामाजिक कुरीतियों को जड़ से उखाड़ सकती हैं. असम में बाल विवाह में 84% की गिरावट दर्ज की गई, वहीं महाराष्ट्र और बिहार में यह गिरावट लगभग 70% रही (भारत सरकार, 2024). ये केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन हजारों बालिकाओं के जीवन से जुड़े तथ्य हैं जो समय से पहले विवाह के बंधन से बचीं और शिक्षा तथा भविष्य को संवारने का अवसर प्राप्त किया.

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने इस अभियान में विशेष योगदान दिया है. आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, अभी 27 राज्यों और 7 केंद्रशासित प्रदेशों में 11.5 लाख से अधिक बच्चे बाल विवाह के उच्च जोखिम में हैं. आयोग ने न केवल आंकड़ों पर ध्यान दिया, बल्कि जागरूकता अभियान, हेल्पलाइन, बच्चियों के लिए शिक्षा पुनर्वास और पंचायतों के साथ समन्वय जैसी पहलों के माध्यम से जमीनी स्तर पर बदलाव सुनिश्चित किया. सामाजिक संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है. 2023 में भारत सरकार ने 257 ऐसे जिलों की पहचान की जहां बाल विवाह की दर 23% से अधिक थी. इसके लिए 270 संगठनों को जिम्मेदारी दी गई और प्रत्येक संगठन को 50 गांवों में काम करने तथा कम से कम छह शादियां रोकने का लक्ष्य सौंपा गया. यह रणनीति इस बात का उदाहरण है कि जब समाज के विभिन्न वर्गों को ठोस जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व दिए जाते हैं तो परिणाम कितने ठोस हो सकते हैं. हालांकि उपलब्धियां अनेक हैं, चुनौतियां भी बरकरार हैं. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2022 में प्रोहिबिशन ऑफ चाइल्ड मैरिज एक्ट, 2006 के तहत 3,563 मामले कोर्ट में दर्ज हुए, लेकिन केवल 181 मामलों में मुकदमेबाजी पूरी हुई. यह दर्शाता है कि कानूनी प्रक्रिया अभी भी धीमी है और पीड़ितों को न्याय मिलने में विलंब होता है.

भारत में बाल विवाह की दर में पिछले तीन दशकों से निरंतर गिरावट आई है. कई अध्ययनों के अनुसार 1990 से 2005 तक यह दर लगभग एक प्रतिशत प्रति वर्ष घट रही थी, लेकिन पिछले दशक में यह गिरावट लगभग दो प्रतिशत प्रति वर्ष रही. यह रफ्तार इस बात का संकेत है कि भारत में सामाजिक चेतना और सरकारी नीतियां मिलकर ठोस परिवर्तन ला रही हैं. शिक्षा और महिला सशक्तिकरण ने इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों ने लिंगानुपात सुधारने के साथ-साथ बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने का अवसर दिया.स्वयं-सहायता समूहों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी ने भी गांव-गांव में जागरूकता फैलाने में मदद की. पंचायत प्रतिनिधियों और सामुदायिक नेताओं के सहयोग ने इस सामाजिक कुरीति को तोड़ने में अहम योगदान दिया. भारत ने अब तक जो उपलब्धि हासिल की है वह न केवल अपने नागरिकों के लिए गर्व का विषय है बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरक उदाहरण है. जब दुनिया के सबसे अधिक बाल विवाहों वाला देश इतनी तेजी से इस कुरीति को कम करने में सफल हो सकता है तो अन्य देशों के लिए भी यह राहदर्शक बन सकता है. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अथक प्रयास, पंचायतों की भागीदारी, सामाजिक संगठनों का सहयोग और सरकार की नीतियां मिलकर एक नई इबारत लिख रही हैं. यह इबारत केवल आँकड़ों की नहीं बल्कि करोड़ों बालिकाओं के सपनों और भविष्य की है.

आज जब भारत अमृतकाल की ओर बढ़ रहा है और विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प ले रहा है, तब यह और भी आवश्यक है कि बाल विवाह जैसी कुरीतियों का पूर्ण उन्मूलन हो. क्योंकि कोई भी समाज तब तक सशक्त और विकसित नहीं हो सकता जब तक उसकी बेटियां स्वतंत्र, शिक्षित और सशक्त न हों. बाल विवाह को रोकना केवल कानून लागू करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन है और भारत ने यह साबित कर दिया है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो यह आंदोलन सफलता की नई ऊंचाइयां छू सकता है .

फिर भी चुनौतियां अभी भी अनेक मौजूद हैं. गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक दबाव आज भी बाल विवाह की सबसे बड़ी वजह हैं. कई बार परिवार आर्थिक बोझ कम करने या सामाजिक सुरक्षा के नाम पर बेटियों की कम उम्र में शादी कर देते हैं. लड़कियों की शिक्षा बीच में छूट जाती है और उनका जीवन घरेलू जिम्मेदारियों में सिमटकर रह जाता है. स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी कम नहीं हैं. कम उम्र में गर्भधारण से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर बढ़ जाती है, कुपोषण की समस्या गहराती है और महिला स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है. इसके लिए अभी भी हम सभी को मिलकर समाज के सहयोग से अनेक प्रयास करने की जरूरत है.

आज का इतिहास

1781 : हैदर अली और ब्रिटिश सेना के बीच सालनगढ़ की मशहूर लड़ाई लड़ी गई.
1833: राजा राम मोहन राय का इंग्लैंड में निधन.
1907 : महान क्रांतिकारी और आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले भगत सिंह का जन्म.
1977 : प्रसिद्ध नर्तक उदय शंकर का निधन.
1995 : कलकत्ता मेट्रो का टॉलीगंज और दमदम के बीच पूर्ण क्षमता से परिचालन शुरू.
1996 : मोहम्मद उमर के नेतृत्व में तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया.
1998 : दो छात्रों लैरी पेज और सर्जी बेन ने सर्च इंजन गूगल की स्थापना की. दुनिया का यह सबसे बड़ा इंटरनेट सर्च इंजन आज हर शंका का समाधान करता है.
2008 : चीन के अंतरिक्ष यात्री झाई झीगांग ने पहली बार अंतरिक्ष में चहलकदमी की.
2020: राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने तीन कृषि विधेयकों को मंजूरी दे दी.

किसी को अपना बनाने के लिए प्रेम करना होता है

चिंतन

एक शहर की तंग गलियों के बीच एक पुरानी ताले की दूकान थी. लोग वहां से ताला-चाबी खरीदते और कभी-कभी चाबी खो जाने पर डुप्लीकेट चाबी बनवाने भी आते. ताले वाले की दुकान में एक भारी-भरकम हथौड़ा भी था, जो कभी-कभार ताले तोड़ने के काम आता था.

हथौड़ा अक्सर सोचा करता कि आखिर इन छोटी-छोटी चाबियों में कौन सी खूबी है, जो इतने मजबूत तालों को भी चुटकियों में खोल देती हैं, जबकि मुझे इसके लिए कितने प्रहार करने पड़ते हैं?

एक दिन उससे रहा नहीं गया, और दूकान बंद होने के बाद उसने एक नन्ही चाबी से पूछा, बहन ये बताओ कि आखिर तुम्हारे अन्दर ऐसी कौन सी शक्ति है जो तुम इतने जिद्दी तालों को भी बड़ी आसानी से खोल देती हो, जबकि मैं इतना बलशाली होते हुए भी ऐसा नहीं कर पाता?

चाबी मुस्कुराई और बोली, दरअसल, तुम तालों को खोलने के लिए बल का प्रयोग करते हो, उनके ऊपर प्रहार करते हो और ऐसा करने से ताला खुलता नहीं टूट जाता है. जबकि मैं ताले को बिलकुल भी चोट नहीं पहुंचाती, बल्कि मैं तो उसके अंतरमन में उतर कर उसके हृदय को स्पर्श करती हूं और उसके दिल में अपनी जगह बनाती हूं. इसके बाद जैसे ही मैं उससे खुलने का निवेदन करती हूं, वह फ़ौरन खुल जाता है.

दोस्तों, मनुष्य के जीवन में भी ऐसा ही कुछ होता है. यदि हम किसी को सचमुच जीतना चाहते हैं, अपना बनाना चाहते हैं, तो हमें उस व्यक्ति के हृदय में उतरना होगा. जोर-जबरदस्ती या दबंगई से किसी से कोई भी काम कराना संभव तो है पर इस तरह से हम ताले को खोलते नहीं, बल्कि उसे तोड़ देते हैं..यानी उस व्यक्ति की उपयोगिता को नष्ट कर देते हैं, जबकि प्रेम पूर्वक किसी का दिल जीत कर हम सदा के लिए उसे अपना मित्र बना लेते हैं और उसकी उपयोगिता को कई गुना बढ़ा देते हैं.

इस बात को हेमशा याद रखिए- हर एक चीज जो बल से प्राप्त की जा सकती है, उसे प्रेम से भी पाया जा सकता है, लेकिन हर एक चीज जिसे प्रेम से पाया जा सकता है, उसे बल से नहीं प्राप्त किया जा सकता. जीवन में हमेशा छोटी चाबी वाला गुण अपना कर बड़ी से बड़ी समस्याओं का ताला खोला जा सकता है.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #देवीदुर्गाजी_कीसही_भक्तिविधि
2. मनमोहन सिंह
3. Sant Rampal Ji Maharaj
4. #ManmohanSingh
5. #YuvaSewaSangh
6. #रफ्तार_पकड़_चुका_बिहार
7. #ओरण_बचाओ
8. Nation Building
9. Youth Empowerment
10. पंचम स्वरूप

बहुरंग

कोंकणा सेन शर्मा की रोमांच से भरपूर 'सर्चः द नैना मर्डर केस' का ट्रेलर रिलीज

अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा लंबे समय से अपने दमदार अभिनय और चुनिंदा किरदारों के लिए जानी जाती हैं. पिछली बार वह अनुराग बसु निर्देशित फिल्म 'मेट्रो...इन दिनों' में दिखाई दी थीं, जिसमें उनकी जोड़ी दिग्गज अभिनेता पंकज त्रिपाठी के साथ बनी थी. हालांकि यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और बॉक्स ऑफिस पर खास प्रभाव नहीं छोड़ सकी. इसके बावजूद कोंकणा के अभिनय को हमेशा की तरह सराहा गया. अब एक बार फिर वह पर्दे पर वेब सीरीज के जरिए वापसी करने जा रही हैं.

पिछले कुछ समय से कोंकणा अपनी नई वेब सीरीज 'सर्चः द नैना मर्डर केस' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं. इस सीरीज का निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है, जो अपनी अलग तरह की स्टोरीटेलिंग के लिए जाने जाते हैं. दर्शकों का इंतजार अब खत्म हो गया है क्योंकि सीरीज का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार रिलीज कर दिया गया है. रिलीज हुए ट्रेलर में कोंकणा सेन शर्मा का बिल्कुल नया और सशक्त अंदाज सामने आया है. वह इसमें एसीपी संयुक्ता दास का किरदार निभा रही हैं. ट्रेलर में उनके पुलिस अफसर वाले लुक और तीखे डायलॉग्स ने फैंस का ध्यान खींच लिया है. कोंकणा का किरदार एक रहस्यमयी मर्डर केस की गुत्थी सुलझाते हुए नजर आता है, जहां हर शख्स संदिग्ध प्रतीत होता है. सीरीज के निर्माताओं ने ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, इस दलदल में सब शक के घेरे में हैं, यहां कोई बेकसूर नहीं. यह लाइन कहानी की गहराई और सस्पेंस को और बढ़ा देती है.कोंकणा के अलावा इस सीरीज में कई और दमदार कलाकार भी नजर आने वाले हैं. श्रद्धा दास, वरुण ठाकुर, ध्रुव सहगल और शिव पंडित जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जिससे कहानी और भी रोचक बनने की संभावना है.

सलमान खान बनना चाहते हैं पिता, किया खुलासा

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान फिल्मों के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं. 59 साल की उम्र में भी अविवाहित सलमान ने अब अपनी दिली ख्वाहिश जाहिर की है. दरअसल, वह हाल ही में काजोल और ट्विंकल खन्ना के टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल खन्ना' के पहले एपिसोड में मेहमान बनकर पहुंचे. बातचीत के दौरान सलमान ने खुलासा किया कि भले ही उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है, लेकिन वह जल्द ही पिता बनने की इच्छा रखते हैं.

सलमान खान ने शो के दौरान अपनी पिता बनने की ख्वाहिश जाहिर करते हुए कहा, ₹बच्चे तो जरूर होंगे, और बहुत जल्द होंगे. एक दिन मैं पक्का पिता बनूंगा. आगे क्या होता है, वो वक्त बताएगा.₹ इसके साथ ही उन्होंने अपने पुराने रिश्तों पर भी खुलकर बात की. सलमान ने कहा, जब एक पार्टनर दूसरे से ज्यादा तरक्की कर लेता है, तो वहीं से रिश्तों में दरार आने लगती है. असुरक्षा की भावना जगह बनाने लगती है. अगर दोनों साथ में कदम मिलाकर आगे बढ़ें, तभी रिश्ता लंबे समय तक चल सकता है.

सलमान ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा, ₹रिश्ते तभी टिकते हैं जब दोनों एक-दूसरे का बोझ बांटें. मेरा मानना है कि अगर चीजें नहीं चल पाईं, तो बस नहीं चल पाईं. और अगर किसी को जिम्मेदार ठहराना है, तो वो मैं खुद हूं.

गौरतलब है कि टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल खन्ना' के इस एपिसोड में सलमान के साथ आमिर खान भी मौजूद थे. बातचीत के दौरान आमिर ने भी अपने निजी जीवन का जिक्र किया और रीना दत्ता से तलाक के दिनों की यादें शेयर कीं. यह पूरा एपिसोड अमेज़न प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया गया है.

मेकर्स ने रिलीज किया फिल्म धामा का नया पोस्टर

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी फिल्म 'थामा' को लेकर सुर्खियों में हैं. यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी हॉरर ड्रामा है, जिसे मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है. दर्शकों की जिज्ञासा इस वजह से भी ज्यादा है क्योंकि इसमें पहली बार आयुष्मान व रश्मिका मंदाना की जोड़ी पर्दे पर नजर आने वाली है. यह नया पेयरिंग दर्शकों को ताजगी का एहसास कराएगा और दोनों की केमिस्ट्री को लेकर पहले से ही सोशल मीडिया पर चर्चा गर्म है. हाल ही में फिल्म के निर्माताओं ने 'थामा' का नया पोस्टर शेयर किया, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को और बढ़ा दिया है. पोस्टर में आयुष्मान और रश्मिका दोनों एक रहस्यमयी लेकिन आकर्षक अंदाज में दिखाई दे रहे हैं. इसके साथ ही फिल्म के ट्रेलर को लेकर भी बड़ी घोषणा कर दी गई है. निर्माताओं ने जानकारी दी है कि 'थामा' का ट्रेलर 27 सितंबर को शाम 5 बजे मुंबई के बांद्रा फोर्ट में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान लॉन्च किया जाएगा.

बड़े पर्दे पर फिर लौट रही है कंगना की फिल्म तनु वेड्स मनु रिटर्न्स

बॉलीवुड की चर्चित जोड़ी कंगना रनौत और आर. माधवन ने जब 2015 में फिल्म 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' में साथ काम किया था, तब दर्शकों ने इस जोड़ी को खुले दिल से अपनाया था. यह फिल्म 22 मई 2015 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अपने मजेदार डायलॉग्स, उम्दा संगीत और बेहतरीन कहानी की वजह से उस साल की सबसे बड़ी हिट्स में से एक साबित हुई थी. फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया था, जिन्होंने इस सीक्वल को भी पहले भाग 'तनु वेड्स मनु' (2011) की तरह यादगार बना दिया था. अब, लगभग दस साल बाद, दर्शकों के लिए एक खास तोहफा लेकर फिल्ममेकर्स लौट रहे हैं. 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' को दोबारा बड़े पर्दे पर रिलीज करने का ऐलान हो गया है. फिल्म के चाहने वालों के लिए यह किसी जश्न से कम नहीं है, क्योंकि लंबे समय बाद वे इस फिल्म को फिर से सिनेमाघर की बड़ी स्क्रीन पर देखने का मौका पा रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सुपरहिट फिल्म 26 सितंबर को देशभर के सिनेमाघरों में रि-रिलीज की जाएगी. फिल्म की स्टारकास्ट भी इसकी खासियत रही है. कंगना रनौत के डबल रोल, तनु और दत्तो, ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था, वहीं आर. माधवन ने मनु के शांत और भावुक किरदार से लोगों का दिल जीत लिया था. इसके अलावा फिल्म में जिमी शेरगिल, स्वरा भास्कर और दीपक डोबरियाल जैसे कलाकारों ने अपनी-अपनी भूमिकाओं से चार चांद लगाए थे. खासकर दीपक डोबरियाल का किरदार पप्पी आज भी दर्शकों की यादों में ताजा है.

बॉक्स ऑफिस रिव्यू

बॉक्स ऑफिस पर जॉली एलएलबी 3 की कमाई गिरी

अक्षय कुमार की कोर्टरूम ड्रामा 'जॉली एलएल 3' को रिलीज हुए पूरे 7 दिन हो चुके हैं. 19 सितंबर को दर्शकों के बीच आई इस फिल्म ने शुरुआती तीन दिनों में बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था. हालांकि, इसके बाद से फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है. अब सातवें दिन का कलेक्शन सामने आ गया है, जो अब तक का सबसे कम कारोबार साबित हुआ है.

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'जॉली एलएल 3' ने रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार को 3.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 73.50 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है. 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 108 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है. फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला 'ओजी', निशानची', 'अजेय' और 'मिराय' जैसी फिल्मों से हो रहा है.

'जॉली एलएल 3' का निर्देशन सुभाष कपूर ने किया है. फिल्म में अक्षय कुमार और अरशद वारसी के साथ सौरभ शुक्ला, अमृता और हुमा कुरैशी अहम भूमिकाओं में दिखाई देते हैं. सिनेमाघरों में अपनी पकड़ बनाने के बाद यह फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी. इसके अलावा नेटफ्लिक्स ने भी इसके डिजिटल राइट्स हासिल किए हैं. गौरतलब है कि फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 'जॉली एलएल' 2013 में रिलीज हुई थी, जबकि इसका सीक्वल 'जॉली एलएल 2' साल 2017 में आया था.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. शुभांक-5-8-9

वृष : कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. शुभांक-4-6-7

मिथुन : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी. परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे. शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा. शुभांक-3-6-9

कर्क : परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा. बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी. लाभमार्ग प्रशस्त होगा. नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी. शुभांक-5-7-8

सिंह : मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ होगा. पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा. नैतिक दायरे में रहें. मेहमानों का आगमन होगा. विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. शुभांक-2-6-9

कन्या : शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. व्यापार में वृद्धि होगी. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. शुभांक-2-5-7

तुला : कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा. किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी. प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे. मनोरथ सिद्धि का योग है. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-3-6-9

वृश्चिक : स्वास्थ्य और जीवनस्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. शुभांक-5-7-9

धनु : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-3-5-7

मकर : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. सुख-आनंद कारक समय है. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी. शुभांक-3-4-6

कुंभ : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा. नैतिक दायरे में रहें. शुभांक-4-7-9

मीन : श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. धैर्य रखने से सारे काम धीरे-धीरे बनते जाएंगे. शुभांक-3-5-7

न्यूज अपडेट

तेज प्रताप यादव ने अब बनाई नयी पार्टी, चुनाव चिन्ह है ब्लैकबोर्ड

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव-2025 से पहले नई पार्टी का एलान कर दिया है. इसका चुनाव चिन्ह उन्होंने ब्लैकबोर्ड रखा है. तेजप्रताप यादव ने शुक्रवार को राजनीति में बड़ा कदम उठाते हुए अपनी नई पार्टी की घोषणा कर दी. तेज प्रताप ने इसकी जानकारी फेसबुक-एक्स हैंडल पर पोस्ट के जरिए साझा की और खुद को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताया. तेजप्रताप की इस घोषणा को लेकर राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है. तेज प्रताप की नई पार्टी का चुनाव चिह्न ब्लैक बोर्ड छाप होगा. तेज प्रताप यादव ने एक पोस्टर भी जारी किया है, जिससे लालू यादव और राबड़ी देवी की तस्वीर गायब है. पोस्टर के माध्यम से उन्होंने पार्टी के गठन की औपचारिक जानकारी देते हुए कहा कि यह संगठन बिहार के संपूर्ण विकास के लिए पूर्ण रूप से समर्पित और तत्पर है.

सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू हो चुकी है: अरुण भारती

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद अरुण भारती ने विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि गठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू हो चुकी है और लोकसभा चुनाव की तरह इस बार भी सीट शेयरिंग में कोई समस्या नहीं होगी. उन्होंने भरोसा जताया कि समय आने पर सब कुछ स्पष्ट कर लिया जाएगा. गौरतलब है कि अरुण भारती पहले पार्टी के लिए 45 से 137 सीटों की मांग करते रहे हैं, लेकिन अब उनके सुर बदले नजर आ रहे हैं. इससे संकेत मिल रहा है कि गठबंधन के भीतर तालमेल बेहतर हो रहा है. प्रियंका गांधी के बिहार दौरे और महिलाओं से संवाद पर टिप्पणी करते हुए भारती ने कांग्रेस पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल गरीबी हटाने और महिला सशक्तिकरण की बात करती है, लेकिन सत्ता में रहते हुए उसने कुछ नहीं किया. इसके विपरीत, नीतीश कुमार सरकार ने महिलाओं के लिए कई योजनाएं चलाई हैं और बेहतर कार्य कर रही है.

दो मजदूरों को एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने मारी टक्कर, मौत

कटिहार। कटिहार जिले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम की तैयारी के दौरान एक भीषण हादसा हुआ है. कुरसेला थाना क्षेत्र के एनएच 31 विषहरी स्थान पर दो मजदूरों को एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने टक्कर मारा. टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों मजदूर हवा में काफी ऊपर उछल गए और सड़क पर जा गिरे. इसके बाद स्कार्पियो दोनों को कुचलते हुए फरार हो गई. दोनों मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. मृतक मजदूर की पहचान मो. हनीफ (48) और मो. गुलजार (24) के रूप में की गई है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 27 सितंबर को कटिहार जिले के समेली आने वाले हैं, जिसके लिए यह पूरी तैयारी चल रही थी. समेली प्रखंड कार्यालय के पास मुख्यमंत्री के आने की तैयारी को लेकर लगभग 40 मजदूर सड़क के दोनों ओर रात में बेरिकेट बांधने का काम कर रहे थे. हादसे के बाद गुस्साए मजदूरों ने एनएच 31 को जाम कर दिया, जिससे पूर्णियां-बरौनी मार्ग पूरी तरह से जाम हो गया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंचे.

राजद में बढ़ता पारिवारिक विवाद: रोहिणी आचार्य की चुनौती पर तेजस्वी यादव की सफाई, कहा

रोहिणी दीदी ने मुझे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के भीतर पारिवारिक कलह खुलकर सामने आने लगी है. लालू यादव परिवार के दो प्रमुख चेहरे—तेज प्रताप यादव और अब रोहिणी आचार्य—पार्टी के आंतरिक मामलों को लेकर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जता चुके हैं. खासकर संजय यादव विवाद के बाद रोहिणी आचार्य के तेवर और तीखे हो गए हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर परिवार सहित पार्टी के सभी नेताओं को अनफॉलो कर दिया. इस मुद्दे पर अब पहली बार नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और बड़ा बयान दिया है. तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा, ₹रोहिणी दीदी ने मुझे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है. उन्होंने अपनी किडनी दी, जो एक बहुत बड़ी कुर्बानी है. आज के समय में ऐसा कोई नहीं करता. अगर कोई उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है, तो यह बेहद शर्मनाक और अस्वीकार्य है.₹ तेजस्वी ने रोहिणी के बारे में भावुक होकर कहा कि वे न केवल उनकी बड़ी बहन हैं बल्कि उन्हें पाला-पोसा और जीवन में आगे बढ़ाया. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रोहिणी आचार्य ने कभी भी किसी पद या टिकट की मांग नहीं की है. तेजस्वी ने बताया कि छपरा की जनता की मांग पर लालू यादव ने उन्हें टिकट दिया था, न कि उनकी व्यक्तिगत इच्छा पर भाजपा नेता सम्राट चौधरी के उस कथित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जिसमें कहा गया था कि ₹लालू यादव किडनी लेकर टिकट दे रहे हैं₹, तेजस्वी यादव ने भाजपा पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि ₹भाजपा के नेताओं की सोच और संस्कार ऐसे ही हैं. किसी की बहन या मां के बारे में इस तरह की बात करना बेहद शर्मनाक है. ऐसे बयान अब बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे.₹ तेजस्वी ने यह भी दोहराया कि रोहिणी आचार्य ने कभी न लोकसभा, न राज्यसभा और न ही विधानसभा के टिकट को लेकर कोई लालसा दिखाई है. वह हमेशा पार्टी को मजबूत करने और परिवार को एकजुट रखने के लिए काम करती रही हैं. दूसरी ओर, रोहिणी आचार्य ने ट्वीट कर तीखा हमला किया और खुली चुनौती दी. उन्होंने लिखा, ₹मेरी खुली चुनौती है सभी गंदी सोच रखने वालों और ऐसे लोगों को शह दे रहे तमाम लोगों को कि कोई अगर ये साबित कर दे कि मैंने अपने या किसी और के लिए कभी कुछ मांगा हो या मेरे द्वारा पिताजी को किडनी देना झूठ है, तो मैं राजनीति और सार्वजनिक जीवन से खुद को अलग कर लूंगी.₹ उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनके खिलाफ झूठा प्रचार करने वाले लोग अपने आरोप साबित नहीं कर सके, तो उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और यह स्वीकार करना चाहिए कि वे भविष्य में किसी भी महिला के बारे में झूठी और अपमानजनक बातें नहीं कहेंगे. बिहार की राजनीति में इस पारिवारिक विवाद ने नया मोड़ ले लिया है. एक ओर जहां रोहिणी आचार्य सख्त तेवर में हैं, वहीं तेजस्वी यादव रिश्तों और सम्मान की दुहाई देकर विवाद को शांत करने की कोशिश में लगे हैं. आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह कलह पार्टी के चुनावी रणनीति पर क्या असर डालती है.

पुलिस अवर निरीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

पटना। विशेष निगरानी इकाई पटना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बहादुरपुर थाना में पदस्थापित प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक अजय कुमार को 7,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया. यह गिरफ्तारी श्री विक्रम ज्योति द्वारा दी गई लिखित शिकायत के आधार पर की गई.शिकायतकर्ता विक्रम ज्योति ने आरोप लगाया था कि एक मामले में उनका नाम प्राथमिकी में नहीं डालने के बदले प्रशिक्षु दारोगा अजय कुमार ने रिश्वत की मांग की थी. एसवीयू ने शिकायत की पुष्टि के बाद जाल बिछाकर आरोपी को रिश्वत स्वीकार करते हुए पकड़ा. एसवीयू ने इस संबंध में प्रशिक्षु दरोगा अजय कुमार के विरुद्ध कांड संख्या-21/2025 के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया है.

बैंक घोटाला: केनरा बैंक का पूर्व कर्मचारी गिरफ्तार

पटना। राजधानी पटना में एक बड़े बैंक घोटाले का पर्दाफाश हुआ है. मेरठ और पटना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में केनरा बैंक, छपरौली शाखा (मेरठ) के निष्कासित कर्मचारी ऋषभ नंदन सिंह को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने उसे पटना के विद्यापुरी इलाके से दबोचा. भोपाल पुलिस की टीम, जिसमें दरोगा संजीव और सिपाही मोहित चौधरी शामिल थे, ने पत्रकार नगर थाना प्रभारी सीतू कुमारी की सहायता से यह कार्रवाई की. ऋषभ पर 2024 में बैंक मैनेजर रविन्द्र नाथ पंत के साथ मिलकर करीब 12 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है.

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, पांच लोग झुलसे

मुज़फ़्फ़रपुर। काज़ी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के माड़ीपुर वार्ड संख्या 8 में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया. शॉर्ट सर्किट की वजह से अचानक एक घर में आग लग गई, जो देखते ही देखते भयावह रूप ले बैठी. आग की चपेट में आकर 3 साल के मासूम सहित 5 लोग गंभीर रूप से झुलस गए. इनमें दो की हालत नाजुक बनी हुई है. सभी घायलों को नज़दीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां विशेष डॉक्टरों की टीम इलाज में जुटी है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी तेज़ थी कि लोग चीखते-चिल्लाते बाहर भागे. मोहल्ले वालों ने आग बुझाने की कोशिश की, मगर लपटों ने सब कुछ तबाह कर दिया.

रालोसपा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने महागठबंधन पर तीखा हमला बोला, कहा

महागठबंधन का घोषणापत्र खोखला है

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राज्य की राजनीति में महिला कल्याण और सामाजिक न्याय को लेकर सियासी तापमान चरम पर पहुंच गया है. राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने महागठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब राज्य में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस की सरकार थी, तब महिलाओं के लिए कोई ठोस काम नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि 2005 में सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक साल के भीतर ही महिलाओं के उत्थान के लिए योजनाएं शुरू कर दी थीं. कुशवाहा ने दावा किया कि अतिपिछड़ा, पिछड़ा और दलित समाज की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए केवल एनडीए सरकार ने गंभीरता से काम किया है. उन्होंने महागठबंधन के हालिया घोषणापत्र को ₹खोखला₹ बताते हुए कहा कि इससे जनता को कोई लाभ नहीं मिलने वाला क्योंकि ₹घोषणा सभी करते हैं, लेकिन काम सिर्फ एनडीए करता है.₹ सीट बंटवारे के सवाल पर कुशवाहा ने कहा कि प्रक्रिया पूरी होने पर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी, हालांकि उन्हें अपने लिए उचित हिस्सेदारी की उम्मीद है. इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'महिला रोजगार योजना' के तहत 75 लाख महिलाओं को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की. इसे लेकर जहां एनडीए समर्थक इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम मान रहे हैं, वहीं विपक्ष ने इस योजना की नीयत पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि यह केवल चुनावी लॉलीपॉप है. उन्होंने कहा, "अभी चुनाव खत्म हो जाने दीजिए, फिर यही सरकार पैसा वसूलना शुरू कर देगी." तेजस्वी ने सवाल उठाया कि इस योजना में केंद्र सरकार का कोई आर्थिक योगदान है या नहीं, और साथ ही यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार बाद में महिलाओं से यह राशि वसूल सकती है. प्रधानमंत्री मोदी द्वारा यह कहे जाने पर कि ₹राजद शासनकाल में महिलाएं घर से बाहर नहीं निकलती थीं₹, तेजस्वी यादव ने पलटवार करते हुए कहा, "पत्रकार एक महीने का डेटा निकालें, देखें कितनी महिलाओं के साथ बलात्कार हुए, कितनी हत्याएं हुईं." उन्होंने दावा किया कि उनकी 17 महीने की सरकार में महिलाएं सुरक्षित थीं और बेझिझक सड़कों पर निकल रही थीं. तेजस्वी ने राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर हमला बोला. उन्होंने कहा, "क्या आपने कभी सुना है कि 2005 से पहले किसी मंत्री ने पत्रकार को मारा हो और पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया हो? आज यही हो रहा है.

भाजपा को कैमूर में बड़ा झटका, दो पूर्व विधायक बृज किशोर व निरंजन राजद में शामिल

पटना। बिहार विधानसभा चुनावों से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है और इस बीच दल-बदल की राजनीति भी रफ्तार पकड़ रही है. खासकर कैमूर जिले में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है, जहां पार्टी के दो वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए हैं. चैनपुर के पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री बृज किशोर बिंद तथा मोहनियां के पूर्व विधायक निरंजन राम ने शनिवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की मौजूदगी में आरजेडी की सदस्यता ग्रहण की. तेजस्वी यादव ने इस मौके की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल और तेज हो गई है. बृज किशोर बिंद, जो तीन बार चैनपुर सीट से विधायक रह चुके हैं और दो बार मंत्री पद भी संभाल चुके हैं, 2020 से ही बीजेपी नेतृत्व से नाराज चल रहे थे. उनकी नाराजगी की वजह 2020 विधानसभा चुनाव में चैनपुर सीट को जेडीयू के खाते में डाले जाने को माना जा रहा है, जिससे उनकी राजनीतिक पकड़ कमजोर हुई. अब उनके आरजेडी के टिकट पर चैनपुर से चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही है. वहीं, मोहनियां से दो बार विधायक रह चुके निरंजन राम भी बीजेपी छोड़ आरजेडी में शामिल हो गए. पिछली बार वह आरजेडी उम्मीदवार संगीता कुमारी से हार गए थे, जो हाल ही में बीजेपी में शामिल हो गई हैं. सीट पर बदलते समीकरण और टिकट की अनिश्चितता को देखते हुए निरंजन राम ने आरजेडी का दामन थाम लिया है. इस दलबदल पर प्रतिक्रिया देते हुए अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान ने कहा कि बीजेपी एक बड़ी पार्टी है और वहां सभी को सम्मान मिलता है. उनके अनुसार, इन नेताओं के पार्टी छोड़ने से कोई खास नुकसान नहीं होगा. हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम कैमूर जिले में बीजेपी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है. चैनपुर क्षेत्र में बिंद समुदाय की संख्या अधिक है, जहां बृज किशोर बिंद की मजबूत पकड़ मानी जाती है.

कारोबार

ईएसआईसी योजना से जुलाई महीने में जुड़े 20.36 लाख नए कर्मचारी

नयी दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की ईएसआई योजना के तहत जुलाई में कम से कम 20.36 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं, जो जून महीने में नामांकित कुल 19.37 लाख नए कर्मचारियों की तुलना में 4.86 फीसदी अधिक है. श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि जुलाई में 20.36 लाख नए पंजीकरणों में 48.37 फीसदी 25 वर्ष से कम आयु के युवा हैं. ईएसआईसी की ओर से जारी की गई पेरोल आंकड़ों के अनुसार जुलाई, 2025 तक 31,146 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के तहत सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है. मंत्रालय के मुताबिक ईएसआई योजना के तहत जोड़े गए नए कर्मचारियों में 25 वर्ष तक की आयु वर्ग की भागीदारी 48 फीसदी से अधिक है.

सोलर कंपनी पेस डिजिटेक लिमिटेड का 819 करोड़ का आईपीओ लॉन्च

नयी दिल्ली। सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट्स, रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन प्रोजेक्ट, लीथियम आयन बैटरी सिस्टम्स की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई के कारोबार में लगी कंपनी पेस डिजिटेक लिमिटेड 819.15 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया. इस आईपीओ में 30 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद 1 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा. कंपनी के शेयर 6 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे. आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू के 3,74,04,018 नए शेयर जारी किया जा रहा है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 208 रुपये से लेकर 219 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है. पेस डिजिटेक लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 68 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,892 रुपये का निवेश करना होगा.

एयरपोर्ट पर शराब की बिक्री में आया जबरदस्त उछाल: ड्यूटी-फ्री शॉप्स बन रहीं

अब प्रीमियम ब्रांड्स का हॉटस्पॉट

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के हवाई अड्डों पर शराब की खरीदारी में बेतहाशा बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. आईडब्लूएसआर ड्रिंक्स मार्केट एनालिसिस की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024 में भारत के ड्यूटी-फ्री और ट्रैवल रिटेल सेगमेंट में शराब की बिक्री में 13% की वृद्धि हुई है. वहीं, इसी दौरान भारत के घरेलू बाजार में शराब की बिक्री केवल 6% बढ़ी. यह अंतर साफ दिखाता है कि एयरपोर्ट्स पर शराब की बिक्री अब घरेलू बाजार की तुलना में कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है. इस ग्रोथ का बड़ा हिस्सा व्हिस्की की बिक्री से आया है. रिपोर्ट के अनुसार, एयरपोर्ट पर शराब की कुल बिक्री में व्हिस्की का हिस्सा लगभग 75% है. साल 2024 में एयरपोर्ट्स पर व्हिस्की की बिक्री में 12% की वृद्धि हुई, जबकि घरेलू बाजार में इसकी बिक्री 8% घट गई. इससे साफ है कि प्रीमियम व्हिस्की अब यात्रियों की पहली पसंद बनती जा रही है. आईडब्लूएसआर की जीटीआर (ग्लोबल ट्रैवल रिटेल) सीनियर इनसाइट्स मैनेजर शार्लोट रीड ने बताया कि आने वाले पांच वर्षों में भारतीय यात्रियों की संख्या में 50% तक वृद्धि हो सकती है. इसके साथ ही शराब की डिमांड में भी तेजी से इजाफा होगा. रीड का कहना है कि, "भारत में लोगों की आय और यात्रा की आदतें बाकी देशों के मुकाबले बहुत तेज़ी से बदल रही हैं. इससे ट्रैवल रिटेल सेगमेंट में ग्राहक का व्यवहार भी बदल रहा है." अब ग्राहक केवल सस्ती शराब नहीं, बल्कि ब्रांड, क्वालिटी और अनुभव पर भी ध्यान दे रहे हैं. खासकर जेन जेड और मिलेनियल्स वर्ग के ग्राहक प्रीमियम और लग्जरी ब्रांड्स की ओर आकर्षित हो रहे हैं. रेडिको खेतान के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अमर सिन्हा के अनुसार, "यात्री एयरपोर्ट पर समय बिताते हुए ब्रांड्स को देखते और समझते हैं. इससे उन्हें खरीदने से पहले सोचने का मौका मिलता है, जो ब्रांड को लोकप्रिय बनाने में मदद करता है."

हालांकि, ग्लोबल ट्रैवल रिटेल में भारतीय व्हिस्की की हिस्सेदारी अभी भी 2% से कम है, लेकिन इसमें तेजी से वृद्धि हो रही है. साल 2024 में भारतीय व्हिस्की की बिक्री में 10% की वृद्धि और वैल्यू में 18% की बढ़ोतरी देखी गई. रीड के मुताबिक, "तीन साल पहले तक भारतीय व्हिस्की GTR में शायद ही दिखती थी, लेकिन अब ग्राहक नए ब्रांड्स को आजमाने लगे हैं." व्हिस्की के अलावा, वोडका जैसी दूसरी शराबों की बिक्री में भी जबरदस्त उछाल आया है. रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में एयरपोर्ट्स पर वोडका की बिक्री में 48% की वृद्धि हुई, जो घरेलू बाजार की तुलना में तीन गुना ज्यादा है. ग्लोबल स्तर पर टीबीए (टोटल बेवरेज अल्कोहल) की खपत 2024 से 2029 तक स्थिर रहने का अनुमान है, लेकिन ट्रैवल रिटेल में बिक्री 3% वार्षिक दर से बढ़ेगी. खासकर एशिया में यह वृद्धि 4% तक पहुंच सकती है. ऐसे में यह साफ है कि ग्लोबल ट्रैवल रिटेल, खासतौर पर भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए शराब कंपनियों की नई ग्रोथ इंजन बनता जा रहा है. बढ़ती आमदनी, बदलती जीवनशैली और ब्रांड-अनुभव के प्रति बढ़ती रुचि ने एयरपोर्ट्स को प्रीमियम शराब ब्रांड्स के लिए एक अहम मार्केटप्लेस बना दिया है. आने वाले वर्षों में, जैसे-जैसे भारतीय यात्रियों की संख्या बढ़ेगी, एयरपोर्ट रिटेल सेगमेंट शराब उद्योग की अहम कड़ी बन सकता है.

इंडिगो और एसबीआई कार्ड की बड़ी साझेदारी: 'इंडिगो एसबीआई कार्ड' लॉन्च

नयी दिल्ली। इंडिगो ने मिलकर एक अहम साझेदारी की घोषणा की है. इस साझेदारी के तहत, दोनों कंपनियों ने मिलकर 'इंडिगो एसबीआई कार्ड' को लॉन्च किया है, जो खासतौर पर यात्रियों के लिए डिज़ाइन किया गया एक प्रीमियम को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड है. यह कार्ड दो वेरिएंट्स में उपलब्ध है – इंडिगो एसबीआई कार्ड और इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट. इस कार्ड के ज़रिए ग्राहक सालाना 29,000 तक के बोनस रिवॉर्ड्स (इंडिगो ब्लूचिप्स) कमा सकते हैं. खास बात यह है कि इंडिगो के इकोसिस्टम पर खर्च करने पर ग्राहकों को 7% तक रिवॉर्ड्स मिलेंगे, जबकि अन्य ट्रैवल और होटल खर्चों पर भी 2% से 3% तक के रिवॉर्ड्स दिए जाएंगे. अन्य सामान्य खर्चों पर भी कार्डधारकों को रिवॉर्ड्स मिलेंगे, जिससे यह कार्ड रोज़मर्रा के इस्तेमाल के लिए भी फायदेमंद साबित होता है. इंडिगो ब्लूचिप लॉयल्टी प्रोग्राम के तहत, मिलने वाले रिवॉर्ड्स को ग्राहक फ्लाइट बुकिंग, होटल बुकिंग, सीट अपग्रेड, फूड वाउचर्स और अन्य सेवाओं में रिडीम कर सकते हैं. कार्डधारकों को हर स्टेटमेंट साइकिल में उनके इंडिगो ब्लूचिप अकाउंट में रिवॉर्ड्स जोड़ दिए जाएंगे, जिससे उनका ट्रैवल अनुभव और भी बेहतर हो सकेगा. वेलकम और माइलस्टोन बेनिफिट्स भी काफी आकर्षक हैं. इसमें पहले साल कार्ड लेने और पहली ट्रांजैक्शन पर ग्राहक 5,000 ब्लूचिप्स तक कमा सकते हैं. साथ ही सालाना खर्च के आधार पर भी माइलस्टोन रिवॉर्ड्स दिए जाएंगे.

स्टॉक मार्केट में जीके एनर्जी की प्रीमियम लिस्टिंग, मुनाफे में हैं आईपीओ निवेशक

नयी दिल्ली। सोलर एनर्जी से चलने वाले एग्रीकल्चरल वॉटर पंप सिस्टम्स के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और कमीशनिंग (ईपीसी) सर्विस देने वाली कंपनी जीके एनर्जी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 153 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 8 प्रतिशत प्रीमिय के साथ 165 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 12 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 171 रुपये के स्तर पर हुई. लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई. दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद जीके एनर्जी के शेयर 175.95 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे. जीके एनर्जी का 464.26 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 23 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 93.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 193.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था. वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 128.56 गुना सब्सक्रिप्शन आया था.

सम्मान

अदाणी एंटरप्राइजेज को खनन क्षेत्र में हाइड्रोजन ट्रक के उपयोग के लिए मिला प्रतिष्ठित पर्यावरणीय पुरस्कार

भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है उद्देश्य

शुभम संदेश। रांची

भारत के खनन क्षेत्र में हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, अदाणी एंटरप्राइज़ेज़ लिमिटेड को सस्टेनेबिलिटी सिम्पोजियम एंड एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2025 के तीसरे वार्षिक संस्करण में 'जूरी चॉइस लीडरशिप इन क्लाइमेट एक्शन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया. यह सम्मान इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया, जिसमें देशभर की अग्रणी कंपनियों ने अपनी पर्यावरणीय पहलों को प्रस्तुत किया. अदाणी एंटरप्राइज़ेज को यह पुरस्कार भारत में खनन लॉजिस्टिक्स के लिए हाइड्रोजन ट्रक के सफल उपयोग के लिए मिला, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने और हरित ऊर्जा को अपनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है.

यह ट्रक डीज़ल की जगह हाइड्रोजन ईंधन से छत्तीसगढ़ में संचालित है. ट्रक में लगे तीन हाइड्रोजन टैंक की ऊर्जा से वह 40 टन माल को 200 किलोमीटर तक ढोने की क्षमता रखता है, जिससे ध्वनि और प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी होती है. इस ट्रक को मई में छत्तीसगढ़ के रायपुर में राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था. यह ट्रक सरकार की गारे पेलमा III खदान से पावर प्लांट तक कोयला परिवहन के लिए उपयोग किया जा रहा है. इस परियोजना के संचालन की जिम्मेवारी अदाणी इंटरप्राइजेज को छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड से निविदा प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त हुई थी. अवार्ड की जूरी ने विशेष रूप से इस पहल की तकनीकी नवाचार क्षमता, ऊर्जा दक्षता, और ग्रीन लॉजिस्टिक्स में अदाणी समूह के योगदान की सराहना की. यह पुरस्कार अदाणी एंटरप्राइज़ेज की पर्यावरणीय नेतृत्व और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को मान्यता देता है.

उल्लेखनीय है की अदाणी इंटरप्राइजेज खनन क्षेत्र में न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव के साथ मॉडल माइंस विकसित कर रहा हैं. हाइड्रोजन ट्रक के साथ-साथ कंपनी ऑटोनॉमस डोज़र पुश टेक्नोलॉजी, सोलर पावर, डिजिटल इनिशिएटिव्स और ट्री ट्रांसप्लांटर जैसी तकनीकों को भी अपना रहे हैं, ताकि स्थायी खनन की नई मिसाल कायम की जा सके. अदाणी एंटरप्राइज़ेज का उद्देश्य है, भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना, पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करना और स्वच्छ ऊर्जा की ओर देश को अग्रसर करना. कंपनी भविष्य में और हाइड्रोजन ट्रकों को शामिल करने की योजना बना रही है, जिससे लॉजिस्टिक्स का ढांचा और अधिक पर्यावरण-अनुकूल बन सके.

मारुति सुजुकी दुनिया की टॉप 10 में हुई शामिल

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने एक बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है. यह कंपनी मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की टॉप 10 ऑटो कंपनियों में शामिल हो गई है. मारुति ने अमेरिका की फोर्ड, जनरल मोटर्स और जर्मनी की फॉक्सवैगन जैसी दिग्गज कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए यह मुकाम हासिल किया है. कंपनी का मार्केट कैप अब 5,13,625.34 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है. इसके साथ ही मारुति सुजुकी दुनिया की आठवीं सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी और भारत की 12वीं सबसे बड़ी कंपनी बन गई है. मारुति सुजुकी ने भारतीय बाजार में कई वर्षों से दबदबा बनाया हुआ है. देश में बिकने वाली लगभग आधी कारें इसी कंपनी की हैं. यह कंपनी दिसंबर 1983 में प्रॉडक्शन शुरू करके देश में ऑटो इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई.

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सोने की घटी चमक, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ

नयी दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना नजर आ रहा है. हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है. आज के कारोबार में सोना 850 रुपये से लेकर 930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है. कीमत में नरमी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,14,430 रुपये से लेकर 1,14,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,04,890 रुपये से लेकर 1,05,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है. दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,14,580 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,05,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,14,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,04,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,14,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,04,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,14,430 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,04,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है.

भारत बनाम पाकिस्तानः एशिया कप 2025 के फाइनल से पहले खिताबी मुकाबलों का इतिहास

एजेंसियां । दुबई

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि भावनाओं, उम्मीदों और ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता का संगम होता है.28 सितंबर 2025 को दुबई में एशिया कप का फाइनल मुकाबला पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा.यह इस टूर्नामेंट का ऐतिहासिक क्षण होगा, क्योंकि एशिया कप के 41 साल के इतिहास में यह पहला अवसर है जब दोनों टीमें फाइनल में आमने-सामने होंगी.

अब तक दो बार भारत ने इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान को हराया है : भारत ने ग्रुप स्टेज और सुपर फोर में पाकिस्तान को हराकर अपना दबदबा दिखाया है. टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही है, लेकिन फाइनल एक अलग

दबाव का मुकाबला होता है. वहीं पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर शानदार वापसी करते हुए फाइनल में प्रवेश किया है.

एशिया कप में भारत का रिकार्ड बेहतरीन : भारत ने अब तक 8 बार एशिया कपका खिताब जीता है, जबकि पाकिस्तान केवल 2 बार चैंपियन बना है. इसके बावजूद भारत को सावधान रहना होगा, क्योंकि पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबलों में उसका रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है.

क्या इतिहास बदलेगा: अब तक के 10 बड़े टूर्नामेंट फाइनल में पाकिस्तान ने 7 बार जीत हासिल की है, जबकि भारत सिर्फ 3 बार ही बाजी मार पाया है. ऐसे में दुबई का फाइनल भारत के लिए सिर्फ खिताब नहीं, बल्कि पुरानी हारों का हिसाब चुकता करने का भी मौका होगा. रविवार को दोनों टीमें इतिहास रचने उतरेंगी .भारत हावी है, लेकिन पाकिस्तान कभी भी चौंका सकता है.

भारत-पाकिस्तान के बीच प्रमुख फाइनल मुकाबले

1985, विश्व चैंपियनशिप	भारत ने 8 विकेट से जीत दर्ज की.
1986, ऑस्ट्रल एशिया कप	पाकिस्तान ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर जीत हासिल की.
1991, विल्स ट्रॉफी	पाकिस्तान ने 262 रन बनाकर भारत को 190 रन पर समेटा.
1994, ऑस्ट्रल कप	भारत को 39 रन से हार मिली.
1998, सिल्वर जुबली कप	निर्णायक फाइनल में भारत ने जीत दर्ज की.
1999, पेप्सी कप	पाकिस्तान ने 123 रन से हराया.
1999, कोका-कोला कप	पाकिस्तान ने 8 विकेट से जीत दर्ज की.
2007, टी20 विश्व कप	भारत ने 5 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज की.
2008, किटप्लाई कप	पाकिस्तान ने 25 रन से मुकाबला जीता.
2017, चैंपियंस ट्रॉफी	पाकिस्तान ने भारत को 180 रन से हराया.

आर्चरी प्रीमियर लीग से खेल को फैंस के करीब लाने की उम्मीद: रिषभ यादव

एजेंसियां । नई दिल्ली

दो से 12 अक्टूबर तक नई दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाली पहली आर्चरी प्रीमियर लीग में भारत और विश्व के शीर्ष आर्चर्स भाग लेंगे. विश्व और एशिया चैम्पियन रिषभ यादव इस लीग में भाग लेने को लेकर बेहद उत्साहित हैं. इस प्रतियोगिता में पांच बार के ओलंपियन अमेरिकी आर्चर ब्रेडी एलिसन भी हिस्सा लेंगे.यह लीग पहली बार आयोजित होने वाला मिक्स्ड टीम इवेंट है, जिसमें छह फ्रेंचाइजी—प्रिथ्वीराज योद्धा (दिल्ली), राजपूताना रॉयल्स (राजस्थान), काकतीय नाइट्स (तेलंगाना), माइटी मराठा (महाराष्ट्र), चेरो आर्चर्स (झारखंड) और चोला चीफ्स (तमिलनाडु)—एक-दूसरे से मुकाबला करेंगी.गुरुग्राम के रिषभ यादव, जो चोला चीफ्स की ओर से कंपाउंड मेन्स कैटेगरी में खेलेंगे, ने कहा, आर्चरी प्रीमियर लीग हमारे खेल के लिए एक बड़ा कदम है. यह खिलाड़ियों को एक प्रमुख मंच देगा और आर्चरी को पूरे देश में फैंस के करीब लाएगा. रिषभ यादव ने हाल ही में ज्योति सुरेखा वेण्णम के साथ मिक्स्ड टीम वर्ल्ड रिकॉर्ड (1431 अंक) भी बनाया और व्यक्तिगत रूप से 716 अंक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. अगस्त 2025 में उन्होंने वर्ल्ड गेम्स में भारत का पहला व्यक्तिगत पदक जीतकर इतिहास रचा. उनके मार्गदर्शक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, यादव ने विश्व चैम्पियनशिप और एशिया चैम्पियनशिप में कई पदक जीते हैं.

रिषभ ने कहा, "लीग न केवल खेल को बढ़ावा देगी, बल्कि खिलाड़ियों के लिए ओलंपिक की तैयारी का भी बेहतरीन मंच है. अधिक मैच खेलकर हम अनुभव हासिल कर सकते हैं. पिछले साल मिक्स्ड टीम इवेंट में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा, और अब हमारा ध्यान ओलंपिक पदक हासिल करने पर और मजबूत हो गया है."

भारत ने जीते 4 पदक चान्वी शर्मा को स्वर्ण

कुआलालंपुर । भारत ने स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक बैडमिंटन प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुलचार पदक अपने नाम किए. इनमें एक स्वर्ण और तीन रजत पदक शामिल हैं. यह प्रतियोगिता 16 से 20 सितंबर तक मलेशिया कुआलालंपुर स्थित स्टेडियम जुआरा, बुकीत किआरा में आयोजित हुई, जिसमें10 देशों के 80 खिलाड़ी शामिल हुए.

चान्वी शर्मा ने दिलाया भारत को स्वर्णः भारत की चान्वी शर्मा ने महिला एकल वर्ग में दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता. यही नहीं, उन्होंने सुजिता सुकुमारन के साथ मिलकर महिला युगल वर्ग में भी रजत पदक अपने नाम किया. उनकी यह दोहरी उपलब्धि टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रही. पुरुष खिलाड़ियों ने भी दिखाई ताकतः पुरुष वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया.अंकित दलालने पुरुष एकल वर्ग में रजत पदक हासिल किया, जबकि उन्होंने अमल बेजू के साथ मिलकर पुरुष युगल में भी रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया.

भारतीय उच्चायुक्त और अध्यक्ष ने दी बधाईः समापन समारोह में भारत के उच्चायुक्त बीएन रेड्डी ने खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें बधाई दी. उन्होंने खिलाड़ियों के साहस और समर्पण की सराहना की. वहीं, स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्ष ने कहा,हम अपने खिलाड़ियों की इस सफलता पर गर्व महसूस करते हैं. उन्होंने न सिर्फ पदक जीते, बल्कि साहस और टीम भावना का भी बेहतरीन प्रदर्शन किया.

एशिया कप 2025: भारत-पाक के बीच फाइनल तय, पाक अली बोले

हम किसी को भी हरा सकते हैं

एजेंसियां । दुबई

एशिया कप 2025 में सुपर-4 का एक मुकाबला अभी बाकी है, लेकिन टूर्नामेंट के फाइनल की तस्वीर पहले ही साफ हो चुकी है. भारत और पाकिस्तान की टीमें 28 सितंबर को खिताबी भिड़ंत के लिए आमने-सामने होंगी. भारतीय टीम ने अपने दोनों सुपर-4 मुकाबले जीतकर पहले ही फाइनल का टिकट कटा लिया था, जबकि पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली.

सलमान अली आगा का आत्मविश्वास : बांग्लादेश के खिलाफ जीत के बाद पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है. मैच के बाद उन्होंने कहा, ₹हम किसी भी टीम को हराने की क्षमता रखते हैं. भारत के खिलाफ होने वाले फाइनल मुकाबले के लिए हम पूरी तरह तैयार हैं. हम रविवार को एक बार फिर मैदान में उतरेंगे और जीत की पूरी कोशिश करेंगे.हालांकि टूर्नामेंट में अब तक पाकिस्तान को भारत के खिलाफ दो बार हार का सामना करना पड़ा है—वो भी एकतरफा अंदाज़ में. बावजूद इसके कप्तान सलमान का मानना है कि उनकी टीम फाइनल में अलग अंदाज़ में दिखाई देगी.

बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई थी. टीम ने 20 ओवर मं सिर्फ 135 रन बनाए और एक समय उनका स्कोर 49 पर पांच विकेट हो गया था. इस पर कप्तान सलमान ने कहा, ₹हमने इस

मैच में करीब 15 रन कम बनाए. बल्लेबाजी में हमें सुधार की जरूरत है. लेकिन जिस तरह गेंदबाजों ने दबाव बनाया, वो शानदार रहा. गेंदबाजों ने दिलाई जीतः पाकिस्तान की जीत का श्रेय पूरी तरह से गेंदबाजों को जाता है जिन्होंने 136 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया. शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ ने मध्य ओवरों में विकेट निकालकर बांग्लादेश को मैच से बाहर कर दिया. कप्तान सलमान ने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा, ₹हमने दबाव के हालात में भी शानदार प्रदर्शन किया. यही हमारी ताकत है.₹

भारत-पाकिस्तान महामुकाबले की तैयारी शुरू : 28 सितंबर को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का फाइनल खेला जाएगा. यह टूर्नामेंट का तीसरा भारत-पाकिस्तान मुकाबला होगा और क्रिकेट फैंस को एक और हाई वोल्टेज मैच की उम्मीद है. दोनों टीमों के बीच पिछली दो भिड़ंतों में भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह हराया था. अब देखना होगा कि क्या पाकिस्तान इस बार हिसाब चुकता कर पाएगा या भारत एक और खिताब अपने नाम करेगा.

शोएब अख्तर ने पाक खिलाड़ियों को दी मानसिकता बदलने और भारत का दबदबा तोड़ने की सलाह

पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एशिया कप 2025 के फाइनल से पहले अपनी टीम को भारत के दबदबे को तोड़ने के लिए मानसिकता बदलने की सलाह दी है। भारत और पाकिस्तान इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहली बार भिड़ेंगे, जबकि सुपर-4 में भारत ने दोनों बार पाकिस्तान को हराया है। अख्तर ने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों को भारत के दबदबे को नजरअंदाज करते हुए उसी जुनून के साथ खेलना होगा जैसा उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दिखाया। उन्हें गेंदबाजी में विकेट लेने पर फोकस करना होगा, न कि सिर्फ ओवर पूरा करने पर। उन्होंने खासतौर पर भारत के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर ध्यान केंद्रित करने को कहा और बताया कि अगर अभिषेक शुरुआती ओवरों में आउट हो गए तो पाकिस्तान के लिए फाइनल आसान होगा। अख्तर ने यह भी कहा कि गौतम गंभीर की तरह, जो फाइनल में सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाते हैं, पाकिस्तान को भी फाइनल में अपनी पूरी ताकत लगानी होगी.

भारत ने श्रीलंका को दिया 203 रनों का लक्ष्य, अभिषेक का तूफानी अर्धशतक

श्रीलंका को पहले ओवर में लगा झटका, हार्दिक ने कुसल मेंडिस को किया आउट

- तिलक वर्मा 49 रन बनाकर नाबाद रहे
- संजू सैमसन ने बनाए 39 रन

एजेंसियां । दुबई

श्रीलंका को पहले ओवर की चौथी गेंद पर हार्दिक पांड्या ने झटका दिया. उन्होंने कुसल मेंडिस को शुभमन गिल के हाथों कैच कराया. वह खाता भी नहीं खोल पाए. पथुम निसंका का साथ देने कुसल परेरा आए हैं. भारत ने एशिया कप सुपर-4 के आखिरी मुकाबले में श्रीलंका के सामने 203 रनों का लक्ष्य रखा है. भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर श्रीलंका के खिलाफ 20 ओवर में पांच विकेट पर 202 रन बनाए हैं. दिलचस्प बात यह है कि एशिया कप के मौजूदा संस्करण में यह पहला 200+ टोटल बना है. इसके अलावा टी20 एशिया कप के इतिहास में यह दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है. श्रीलंका के लिए महीश तीक्षणा, दुष्मंथा चमीरा, वानिंदु हसरंगा, दसुन शनाका और चरिथ असलंका ने एक-एक विकेट झटके. संजू सैमसन और तिलक वर्मा के बीच चौथे विकेट के लिए हुई 66 रनों की साझेदारी को दसुन शनाका ने तोड़ दिया. उन्होंने चरिथ असलंका के हाथों विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन को आउट कराया. वह 23 गेंदों में एक चौके और तीन छक्के की मदद से 39 रन बनाकर आउट हुए. समाचार लिखे जाने तक खेल जारी था.

412 रन का लक्ष्य हासिल कर ऑस्ट्रेलिया ए को 5 विकेट से हराया

एजेंसियां । लखनऊ

भारत ए ने लखनऊ में खेले गए दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ए को 5 विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नामकर ली. यह मुकाबला कई मायनों में ऐतिहासिक रहा, क्योंकि भारत ए ने अंतिम दिन 412 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में सबसे बड़ी रन चेज़ में से एकको अंजाम दिया.

केएल राहुल और साई सुदर्शन की शतकीय पारियां : भारत ए की इस जीत मेंकेएल राहुल और बी. साई सुदर्शन की शानदार पारियों का अहम योगदान रहा. लंबे समय बाद वापसी

कर रहे राहुल ने धैर्य और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए नाबाद 176 रन बनाए.

भारत में सबसे बड़े फर्स्ट-क्लास रन चेज

1. 536 – वेस्ट जोन बनाम साउथ जोन (2010)
2. 501 – साउथ जोन बनाम इंग्लैंड ए (2004)
3. 480 – रेस्ट ऑफ इंडिया बनाम मुंबई (2016)
4. 424 – कॉमनवेल्थ XI बनाम बंगाल CM's XI (1964)
5. 421 – रेस्ट ऑफ इंडिया बनाम दिल्ली (1982)
6. 412 – भारत ए बनाम ऑस्ट्रेलिया ए (2025)

वहीं, युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 100 रनों की तेज पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई. कप्तान ध्रुव जुरेलने भी मौके की नजाकत को समझते हुए तेजी से 50 रनबनाए और टीम को जीत तक पहुंचाया.

फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में ऐतिहासिक रन चेज : भारत ए की यह जीत भारत में फर्स्ट-क्लास क्रिकेट के इतिहास में 400 से अधिक रनों के सफल रन चेज़ में छठे नंबर पर दर्जकी गई है. इससे पहले भारत में सर्वाधिक सफल रन चेज़ 2010 मेंवेस्ट जोनने दलीप ट्रॉफी फाइनल में 536 रन बनाकर किया था.

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले वेस्टइंडीज को झटका, शमार जोसेफ बाहर, जोहानन लेन टीम में शामिल

एजेंसियां । नयी दिल्ली

भारत के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले वेस्टइंडीज को बड़ा झटका लगा है. टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज शमार जोसेफ चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं.क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनकी जगह अनकैप्ड तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जोहानन लेन को टीम में शामिल किया है.

जोसेफ की चोट पर सस्पेंसः क्रिकेट वेस्टइंडीज ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर जानकारी दी कि

"भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए शमार जोसेफ की जगह जोहानन लेन को टीम में शामिल किया गया है. जोसेफ चोट के चलते बाहर हुए हैं और बांग्लादेश सीरीज से पहले उनकी चोट की दोबारा जांच की जाएगी."हालांकि, बोर्ड नेजोसेफ की चोट की प्रकृति पर विस्तृत जानकारी नहीं दी है.

जोसेफ की गैर मौजूदगी वेस्टइंडीज के लिए बड़ा नुकसान : शमार जोसेफ ने 11 टेस्ट में 51 विकेट लेकर खुद को टीम का अहम सदस्य साबित किया है. उनकी आक्रामक गेंदबाजी भारत के खिलाफ बेहद कारगर साबित हो सकती थी. वहीं, जोहानन लेन के लिए यह मौका खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साबित करने का सुनहरा अवसर होगा. उन्होंने अब तक 19 फर्स्ट-क्लास मैचों में 66 विकेट लेने के साथ-साथ 495 रन भी बनाए हैं. डब्ल्यूटीसी 2025-27 की होगी शुरुआत : यह सीरीज वेस्टइंडीज के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत होगी. टीम की कमान रोस्टन चेज के पास है और जोमेल वारिकन उपकप्तान हैं.

वेस्टइंडीज टीम : रोस्टन चेज (कप्तान), जोमेल वारिकन, केवलोन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैम्पबेल, तेगनारायण चंद्रपॉल, जस्टिन ग्रिव्स, शाई होप (विकेटकीपर), तेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ, जोहनन लेन, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, खारी पियरे, जेडन सील्स.

दुखद हादसा 21 वर्ष की उम्र में मैच खेलने के दौरान लगी चोट ही बन गई जानलेवा

पूर्व आर्सेनल युवा खिलाड़ी बिली विगर का निधन

एजेंसियां । लंदन

इंग्लैंड के फुटबॉल जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है. इंग्लैंड की नॉन लीग प्रीमियर डिवीजन में खेल रहे पूर्व आर्सेनल अकादमी खिलाड़ी बिली विगर का 21 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. चिचेस्टर सिटी क्लब की ओर से गुरुवार को उनके निधन की आधिकारिक पुष्टि की गई. यह दुखद हादसा पिछले शनिवार को विंगेट एंड फिंचली एफसी के खिलाफ मुकाबले के दौरान हुआ. मैच के दौरान एक तेज़ टक्कर में विगर का सिर मैदान के किनारे बनी दीवार से टकरा गया, जिससे उन्हें गंभीर मस्तिष्कीय चोट आई. उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां वो कोमा में चले गए. परिवार की ओर से जारी एक बयान

में कहा गया कि मंगलवार को उनकी सर्जरी की गई, जिससे थोड़ा सुधार होने की उम्मीद थी, लेकिन चोट इतनी गंभीर थी कि वे उबर नहीं पाए और गुरुवार की सुबह उनका निधन हो गया.

फुटबॉल जगत में शोक की लहर: बिली विगर के निधन की खबर के बाद इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) और उनके पूर्व क्लब आर्सेनल समेत पूरे फुटबॉल समुदाय ने गहरा शोक व्यक्त किया है. एफए ने बयान जारी कर कहा, हम बिली विगर के असामयिक निधन से अत्यंत दुखी हैं. इस मुश्किल समय में हम उनके परिवार, दोस्तों और चिचेस्टर सिटी एफसी के साथ हैं. आर्सेनल क्लब ने भी सोशल मीडिया पर भावुक श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, "हमारे पूर्व अकादमी खिलाड़ी बिली विगर के निधन की खबर बेहद चौंकाने वाली और दुखद है. हम उनके परिवार के लिए प्रार्थना करते हैं.

बिली विगर का फुटबॉल करियर

बिली विगर एक बहुमुखी और शक्तिशाली फॉरवर्ड माने जाते थे. उन्होंने 2017 में आर्सेनल की अकादमी में कदम रखा था और 2022 में प्रोफेशनल कॉन्ट्रैक्ट साइन किया. उन्होंने डर्बी काउंटी के लिए लोन पर खेलते हुए अनुभव भी हासिल किया. हाल के दिनों में वे चिचेस्टर सिटी की ओर से नियमित रूप से खेल रहे थे.मैच स्थगित, श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित : चिचेस्टर सिटी क्लब ने शनिवार को लुईस एफसी के खिलाफ होने वाले अपने मैच को स्थगित कर दिया है. इसके अलावा, इंग्लैंड में इस सप्ताहांत होने वाले सभी फुटबॉल मैचों से पहले एक मिनट का मौन रखा जाएगा और खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरेंगे.बिली विगर का इस तरह जाना न केवल उनके परिवार, दोस्तों और साथियों के लिए, बल्कि पूरे फुटबॉल समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति है.

पूर्व मुख्य कोच गैरी स्टीड को मिली न्यूजीलैंड क्रिकेट में हाई परफॉर्मेंस कोचिंग की जिम्मेदारी

एजेंसियां । वेलिंगटन

न्यूज़ीलैंड के पूर्व मुख्य कोच गैरी स्टीड ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) में हाई परफॉर्मेंस कोचिंग की नई भूमिका स्वीकार कर ली है. इस नई जिम्मेदारी में वे उभरते खिलाड़ियों और कोचों को तैयार करने के साथ-साथ हाई परफॉर्मेंस कार्यक्रमों को मजबूती देंगे. गैरी स्टीड ने इस वर्ष की शुरुआत में न्यूज़ीलैंड पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में आठ वर्ष लंबा सफल कार्यकाल पूरा किया था. उनके नेतृत्व में टीम ने 2021 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीती, 2019 वनडे विश्व कप और 2021 टी20 विश्व कप के फाइनल तक का सफर तय किया. इसके अलावा, 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी में टीम फाइनल तक पहुँची और भारत के खिलाफ एक ऐतिहासिक व्हाइटवॉश

भी दर्ज किया. स्टीड का न्यूज़ीलैंड क्रिकेट से 34 वर्षों का गहरा नाता रहा है. बतौर खिलाड़ी उन्होंने देश के लिए पाँच टेस्ट मैच खेले, जबकि प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए क्रिकेट में 100 से अधिक मैचों का अनुभव हासिल किया. संन्यास के बाद उन्होंने कोचिंग की दिशा में कदम बढ़ाया और 2004 से 2009 तक कोच डेवलपमेंट मैनेजर के रूप में काम किया. 2009 से 2012 तक वे न्यूज़ीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच भी रहे. इसके बाद उन्होंने छह वर्षों तक कैंटरबरी क्रिकेट के डायरेक्टर की भूमिका निभाई. 2018 में उन्हें ब्लैककैप्स का हेड कोच नियुक्त किया गया. नई भूमिका को लेकर स्टीड ने कहा, "न्यूज़ीलैंड क्रिकेट मेरे दिल के बेहद करीब है. अगर मैं अपने अनुभव और स्किल्स से खिलाड़ियों व कोचों को लाभ पहुँचा पाऊं और ब्लैककैप्स व वाइट फर्न्स की सफलता में योगदान दे सकूं, तो यह मेरे लिए सम्मान की बात होगी." उल्लेखनीय है कि स्टीड को हाल ही में भारतीय घरेलू टीम आंध्र का भी 2025-26 रणजी ट्रॉफी सीज़न के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया गया है. उन्होंने एनजेडसी को धन्यवाद देते हुए कहा कि बाहर काम करने से उन्हें नई सीख मिलेगी, जिसे वे भविष्य में न्यूज़ीलैंड क्रिकेट में वापसी के साथ साझा कर सकेंगे.

झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसो. की रामगढ़ ईकाई की बैठक में कई निर्णय हुए

रामगढ़ । झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन जिला इकाई रामगढ़ की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन जिला प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया. बैठक की अध्यक्षता उप सचिव राजकिशोर महतो ने की. बैठक में जिला अध्यक्ष कविन्द्र महतो, उपाध्यक्ष अशोर महतो, सचिव प्रदीप कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष शाहिद राजा, कोषाध्यक्ष सह केंद्रीय संगठन प्रतिनिधि आनंद मोहन, चंदन कुमार और मंटू मुंडा विशेष रूप से उपस्थित रहे. इस बैठक में ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. साथ ही होमगार्ड जवानों को जिले में आ रही विभिन्न समस्याओं जैसे सुविधाओं की कमी, वेतन भुगतान और सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता पर गंभीर चर्चा की गई. संगठन ने समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की और राज्य स्तर पर ज्ञापन सौंपने की योजना पर भी विचार किया.

न्यायाधीश ने किया धनबाद जेल का निरीक्षण

जेल प्रशासन को दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश ♦ बंदियों को बैठने की व्यवस्था का निर्देश

शुभम संदेश। धनबाद

झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा वीरेंद्र कुमार तिवारी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो, रजिस्ट्रार सिविल कोर्ट आई जेड खान व एलएडीसीएस की टीम ने मंडल कारा धनबाद का औचक निरीक्षण किया । इस दौरान अपर समाहर्ता सह प्रभारी जेल अधीक्षक विनोद कुमार मौजूद थे , निरक्षण के दौरान टीम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के वक्त बंदियों को बैठने के लिए समुचित व्यवस्था करने का निर्देश जेल प्रशासन को दिया .न्यायाधीश श्री तिवारी के नेतृत्व में टीम ने कारागार के हर एक हिस्से का मुआयना किया । न्यायाधीश के नेतृत्व में टीम ने बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली। कारागार अस्पताल में निरुद्ध बीमार बंदियों के बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च स्वास्थ्य सेंटर भेजे जाने का निर्देश जेल डॉक्टर को दिया वही

न्यायाधीश ने चिकित्सा सुविधाओं, पुस्तकालय, रसोई घर, वहां तैयार हो रहे भोजन ,व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और ध्यान-सह-योग केंद्र में सुविधाओं का जायजा लिया।उन्होंने सभी बंदियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। न्यायाधीश ने बंदियों को जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आदेश जेल प्रशासन को दिया । इस मौके पर जेल डॉक्टर राजीव कुमार सिंह, एलएडीसीएस चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट , सहायक कांउसिल, शैलेन्द्र झा,सुमन पाठक ,नीरज गोयल, कन्हैया लाल ठाकुर, स्वाति कुमारी , मुस्कान चोपडा सिविल कोर्ट के सहायक अरुण कुमार , समेत जेल के पदाधिकारी उपस्थित थे.

एक नजर

मधुलिका स्वीट्स के बंद होने से व्यापारी वर्ग में चिंता

- धनबाद में कारोबार करने का माहौल अनुकूल नहीं : चौरसिया

धनबाद (शुभम संदेश)। धनबाद के उद्योग-व्यवसाय क्षेत्र को एक बड़ा झटका लगा है. मधुलिका स्वीट्स ने अपने पांचों आउटलेट स्थायी रूप से बंद करने का ऐलान कर दिया है, जिससे व्यापारी वर्ग में चिंता फैल गई है. मधुलिका स्वीट्स के मालिक जयप्रकाश चौरसिया ने कहा कि धनबाद में कारोबार करने का माहौल अनुकूल नहीं है. कारोबारियों को प्रताड़ित किया जाता है. उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यह उनका अंतिम निर्णय है और अब मधुलिका स्वीट्स के आउटलेट कभी नहीं खुलेंगे.

बिना सुविधा शुल्क के नहीं होते कोई भी सरकारी कार्य : प्रमोद गोयल

मधुलिका स्वीट्स के बंद होने पर बैंक मोड़ चैंबर के अध्यक्ष प्रमोद गोयल ने प्रतिक्रिया दी कि एक प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान के बंद होने के कई कारण हो सकते हैं लेकिन एक कारण वाकई गंभीर और चिंतनीय है. सरकार के इंस्पेक्टर राज और व्यापारी उत्पीड़न की प्रवृत्ति हर व्यवसाय और रोजगार क्षेत्र को प्रभावित कर रही है. उन्होंने सभी सरकारी अधिकारियों से आग्रह किया कि व्यवसायों को प्रताड़ित करना बंद करें. उन्होंने कहा कि कोई भी सरकारी कार्य जैसे लाइसेंस, एनओसी, ड्राइविंग लाइसेंस, प्रमाण पत्र, घर-मकान या जमीन की रजिस्ट्री, सरकारी कर जमा करना या रिफंड प्राप्त करना बिना सुविधा शुल्क के संभव नहीं है. यह लोकतंत्र है या राजतंत्र, यह बहुत ही गंभीर प्रश्न है.

मधुलिका का बंद होना, पीड़ा का विषय : प्रभात सुरोलिया

बैंक मोड़ चैंबर के पूर्व अध्यक्ष प्रभात सुरोलिया ने कहा कि धनबाद की पहचान रहे मधुलिका स्वीट्स के सभी आउटलेट बंद होना हमसभी के लिए गहरी पीड़ा का विषय है. पिछले 42 वर्षों से यह ब्रांड न केवल स्वाद का प्रतीक रहा, बल्कि इस शहर की परंपरा और संस्कृति से भी जुड़ा रहा. अब कई कर्मचारी बेरोजगार हो गए हैं. यदि अधिकारियों का रवैया व्यवसायियों को प्रताड़ित करने वाला था, तो ऐसे अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए. उन्होंने आशा व्यक्त किया कि आने वाले समय में धनबाद में ऐसे प्रतिष्ठानों को संरक्षित करने और सहयोग देने की पहल की जाएगी, ताकि आने वाली पीढ़ियां इन धरोहरों से वंचित न हों.

उप विकास आयुक्त ने किया मांडू प्रखंड का दौरा विकास कार्यों और विद्यालयों का लिया निरीक्षण

रामगढ़ । शुक्रवार को उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने मांडू प्रखंड का दौरा किया और विभिन्न विकास कार्यों व विद्यालयों का निरीक्षण किया. उन्होंने करमा दक्षिणी पंचायत के सतदेकिया में डीएमएफटी द्वारा निर्मित पीसीसी पथ का गुणवत्ता सहित निरीक्षण किया. इसके बाद उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय सतदेकिया में बच्चों की पढ़ाई और सुविधाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उप विकास आयुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में ऑनलाइन क्लासेज के संचालन की जानकारी ली और शिक्षकों को आवश्यक निर्देश भी दिए. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांडू का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं और दवाइयों की उपलब्धता की जांच की और कमियों को दूर करने के निर्देश दिए. राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय गरगाली में डीएमएफटी के तहत बनाए गए अतिरिक्त कमरों का निरीक्षण किया और विद्यालय के सुचारू संचालन के लिए सुझाव दिए. मांडू चट्टी पंचायत में जेएसएलपीएस के तहत मुर्गी पालन योजना के लाभुकों से मिले और योजना का लाभ बढ़ाने की अपील की. निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी, डीएमएफटी टीम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे. उप विकास आयुक्त ने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने और गुणवत्तापूर्ण विकास सुनिश्चित करने पर जोर दिया.

भरण-पोषण मामले में वर्षों से फरार वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया

रामगढ़ । पत्नी द्वारा दर्ज भरण-पोषण मामले में वर्षों से फरार चल रहे मुरुबंदा निवासी कुमार सोनू को रजरप्पा पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया. एसआई रंजीत महतो के नेतृत्व में पुलिस टीम ने उसे पेट्रोल पंप के पास से पकड़ा और रजरप्पा थाना लाकर कागजी प्रक्रिया पूरी की. शुक्रवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. पुलिस ने बताया कि कुमार सोनू पर डिस्ट्रिक्ट वारंट मेंटेनेंस केस दर्ज था और वह लंबे समय से फरार था. गिरफ्तार कर कोर्ट में प्रस्तुत कर दिया गया है.

चतरा और सिमरिया में मतदान केंद्रों के युक्तिकरण पर सर्वसम्मति, बढ़ेंगे नए केंद्र, कुल 550 केंद्र होंगे

चतरा। चतरा जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सूचना विज्ञान केंद्र के वीसी हॉल में मतदान केन्द्रों के युक्तिकरण को लेकर बैठक आयोजित की गई. इसमें सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया.निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप, 1200 से अधिक मतदाताओं वाले केन्द्रों के विभाजन, दूरस्थ केन्द्रों के स्थानांतरण, जर्जर भवनों में स्थित केन्द्रों को बदलने और एक भवन में चार से अधिक केन्द्र होने की स्थिति में भवन परिवर्तन पर विस्तार से चर्चा की गई.चतरा विधानसभा क्षेत्र में पहले 475 मतदान केन्द्र थे, जिनमें 75 नए केन्द्र जोड़ने पर सर्वसम्मति बनी. अब कुल 550 मतदान केन्द्र होंगे. वहीं, सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में 419 पुराने केन्द्रों के साथ 45 नए केन्द्रों का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सभी दलों ने समर्थन दिया. इस प्रकार वहां अब कुल 464 मतदान केन्द्र प्रस्तावित हैं.बैठक में तय हुआ कि राजनीतिक दलों के सुझावों को संकलित कर अंतिम सूची निर्वाचन आयोग को भेजी जाएगी.

चौपारण सीएचसी में बंद है विधायक का दिया एंबुलेस मरीज बेहाल- प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

चौपारण। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विधायक मनोज कुमार यादव द्वारा उपलब्ध कराया गया लाखों की लागत वाला एम्बुलेंस महीनों से धूल फांक रहा है. हादसों के वक्त उपयोग में लाने की मंशा से दिया गया यह वाहन संचालन के अभाव में निष्क्रिय पड़ा है. शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में घायल दो मरीजों को हजारीबाग रेफर करना पड़ा, लेकिन एम्बुलेंस न होने पर परिजनों ने निजी वाहन का सहारा लिया. प्रभारी चिकित्सक डॉ. फरहाना महफूज ने दो बार सिविल सर्जन कार्यालय से गाइडलाइन मांगी, मगर कोई निर्देश नहीं मिला. वहीं सिविल सर्जन अशोक कुमार ने इसे तत्काल उपयोग में लाने की बात कही. अधिकारियों के बयानों से समन्वय की कमी उजागर हुई है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से एम्बुलेंस चालू करने की मांग की है ताकि आपात स्थिति में मरीजों की जान बचाई जा सके.

कोडरमा में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

डीसी ने दिए कई अहम निर्देश

शुभम संदेश । कोडरमा

समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त श्री ऋतुराज की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में जिले में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई और पूर्व में लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा की गई. बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के हालात पर गंभीरता से विचार करते हुए हिट एंड रन मामलों में मृतकों के परिजनों को शीघ्र मुआवजा दिलाने के लिए संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए गए.

सड़क सुरक्षा के लिए ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर वहां त्वरित सुधारात्मक कार्य करने का निर्णय लिया गया. कोडरमा घाटी क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण कार्य को शीघ्र पूरा करने तथा जे. जे. कॉलेज से मेघातरी तक सड़क में बने गड्ढों की मरम्मत हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग (एनएच) को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए. इसके साथ ही एनएच विभाग को सभी स्ट्रीट लाइटों को क्रियाशील रखने तथा जवाहर घाटी में सड़क सुरक्षा से संबंधित साइनेज लगवाने का भी आदेश दिया गया, ताकि राहगीरों को आवश्यक सुरक्षा मिले.

बैठक में नो-पार्किंग जोन में वाहनों को अवैध रूप से खड़ा करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने और सर्विस रोड पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश भी दिए गए. दुर्घटना के तुरंत बाद घायलों को त्वरित और समुचित इलाज सुनिश्चित करने के लिए गुड समेरिटन (नेक आदमी) जागरूकता अभियान चलाने तथा प्रमुख स्थानों पर इसके संबंध में बैनर और पोस्टर लगाने के निर्देश भी बैठक में दिए गए. साथ ही, आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस की तत्पर उपलब्धता बनाए रखने हेतु सिविल स र्जन को विशेष निर्देश जारी किए गए. उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति सभी नागरिकों की जागरूकता आवश्यक है और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह से तत्पर है. उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे निर्धारित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए ठोस प्रयास करें. बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी श्रीमती रिया सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, सभी अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे. सभी ने मिलकर सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समन्वित प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया.

दनुआ घाटी में दुर्घटनाओं पर लगेगा अंकुश, डीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक

हजारीबाग । उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय हिट एंड रन समिति एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में दनुआ घाटी में हो रही लगातार सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए वहां अस्थाई एनफोर्स प्वाइंट बनाए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया. इसके अलावा प्रत्येक प्रखंड में अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा निगरानी समिति गठित करने का निर्देश भी दिया गया. यातायात पुलिस को तेज गति व नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया. साथ ही स्वास्थ्य विभाग को ₹गुड समरिटन₹ यानी दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वालों को प्रोत्साहित करने का निर्देश भी दिया गया. बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटर यान निरीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक, पथ निर्माण विभाग, एनएचएआई समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे.

रांची में रिटायर्ड अधिकारी से 44 लाख रु की साइबर ठगी

- आरोपी देवघर से धराया

शुभम संदेश। रांची

साइबर ठगों ने रांची में एक रिटायर्ड अधिकारी को निशाना बनाया है. कांके में रहने वाले नॉर्थर्न कोल्फिल्ड लिमिटेड (एनसीएल) से रिटायर्ड अधिकारी उमाशंकर कांदवे के साथ साइबर ठगी हुई है. उन्हें साइबर ठग ने फर्जी ट्रेडिंग ऐप कैंटिलोन में निवेश का लालच देकर शिकार बनाया और 44 लाख रुपये की ठगी कर ली. साइबर अपराध पुलिस ने इस मामले में देवघर से एक युवक को गिरफ्तार किया है.

13 अगस्त को दर्ज हुई थी प्राथमिकी : उमाशंकर कांदवे ने 13 अगस्त को साइबर अपराध थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. उन्होंने शिकायत की थी कि उन्हें व्हाट्सएप पर एक फर्जी ट्रेडिंग एप कैंटिलोन में निवेश का प्रलोभन दिया गया था. इसमें नकली मुनाफा दिखाते हुए निवेश पर असली रिटर्न का भ्रम पैदा कर कुल 44 लाख रुपये अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर खोले गए बैंक खातों में ठगी कर ट्रांसफर कर दिया गया था.

खाते के खिलाफ 17 राज्यों में 46 शिकायतें दर्ज : शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने बैंक खातों के डिटेल के आधार पर आरोपी युवक यशवर्धन को देवघर से गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल, दो सिम कार्ड और कांड से संबंधित वाट्सएप चैट तथा बैंक खाते का डिटेल बरामद किया है. पुलिस ने उसके पास से बैंक ऑफ बड़ौदा के खाता नंबर 264502000***** के बारे में जानकारी जुटाई. तब जानकारी मिली कि इस खाते के खिलाफ 17 राज्यों में कुल 46 शिकायतें दर्ज हैं. इनमें तेलंगाना में 7, तमिलनाडु में 4, महाराष्ट्र में 4, कर्नाटक में 8, गुजरात में 6, उत्तराखंड में 1, झारखंड में 1, छत्तीसगढ़ में 2, पश्चिम बंगाल में 1, राजस्थान में 1, मध्य प्रदेश में 1, केरल में 1, हिमाचल प्रदेश में 1, दिल्ली में 2, बिहार में 2, आंध्र प्रदेश में 2 और उत्तर प्रदेश में 5 मामले दर्ज हैं.

विष्णुगढ़ शिव मंदिर से चांदी का नाग चोरी

विष्णुगढ़ । जमुनिया नदी छठ घाट स्थित प्राचीन शिव मंदिर से चांदी का नाग चोरी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है. बुधवार को अज्ञात चोरों ने शिवलिंग पर स्थापित चांदी के नाग को उखाड़कर फरार हो गए, जिससे श्रद्धालुओं में गहरा आक्रोश व्याप्त है. पुलिस अब नाग खरीदने वाले दुकानदार से पूछताछ कर रही है.

हजारीबाग सब्जी मंडी का औचक निरीक्षण किया

हजारीबाग । उपायुक्त एवं अभिहित अधिकारी डॉ. शशि जायसवाल के निर्देश पर 26 सितंबर 2025 को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मो. मंजर हुसैन द्वारा हजारीबाग सब्जी मंडी में औचक निरीक्षण किया गया.निरीक्षण के दौरान मो. कलाम की दुकान से नया आलू, मो. वकील व अजय कुमार की दुकान से लाल आलू के नमूने तथा काका स्वीट्स से काजू बर्फी और जय मां मार्ट से सोनपापड़ी का नमूना संग्रहित किया गया.

उपायुक्त ने रामगढ़ में ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

रामगढ़ । उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने शुक्रवार को छत्तरमांडू स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया. इस मौके पर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे. उप निर्वाचन पदाधिकारी रविन्द्र कुमार गुप्ता ने वेयरहाउस की सुरक्षा प्रोटोकॉल की विस्तार से जानकारी दी. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सीसीटीवी कैमरों, अग्निशमन व्यवस्था, कंट्रोल रूम और बैलट यूनिट की स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए जरूरी निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि चुनावों में ईवीएम की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसे किसी भी प्रकार की चूक नहीं होनी चाहिए. राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी सुरक्षा व्यवस्था को समझने और सहयोग करने को कहा गया.

- चुनावों में ईवीएम की सुरक्षा सर्वोपरि है

गुजराती स्कूल में आनंद नो गरबो का आयोजन

धनबाद। शारदीय नवरात्रि की संध्या पर करबला रोड स्थित गुजराती स्कूल में माँ शक्ति सत्संग मंडल द्वारा भव्य रास-गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में ब्राह्मण महिला मंडल की ओर से, मंडल की अध्यक्ष सोना रावल के नेतृत्व में आनंद नो गरबो प्रस्तुत किया गया. इसमें महिलाओं ने एक ही स्थान पर बैठकर माँ अंबे की पारंपरिक गुजराती गरबा गीतों के माध्यम से स्तुति की. कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई. इसके बाद सोना रावल, दुलेराय चावड़ा, दीपेश याज्ञनिक और देवेश बोल के लोकप्रिय पारंपरिक गरबा गीतों पर महिलाओं ने पूरे उत्साह से गरबा किया. इस गरबा महोत्सव में भुजंगी पंड्या, शैलेश रावल, दीपेश रावल, योगेश जोशी, उमंग चावड़ा, मिलेश पंड्या सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे.

झारखंड में नशे का कारोबार और जांच की धीमी रफ्तार

- 26 हजार बोतल कफ सिरप की बरामदगी पर उठे सवाल

शुभम संदेश। रांची/धनबाद

झारखंड में नशे के कारोबार के खिलाफ चल रहे पुलिस अभियान पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं. कारण— धनबाद जिले के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के भोलाटांड़ पानी टंकी के पास स्थित एक गोदाम से जून 2024 में पुलिस ने फेंसेड्रिल कफ सिरप की भारी खेप बरामद की थी. छापेमारी में 26 हजार बोतलें बरामद की गईं, जिनकी बाजार कीमत करीब 56 लाख रुपये आंकी गई. यह कफ सिरप नशे के तौर पर इस्तेमाल की जाती है और युवाओं के बीच इसकी मांग लगातार बढ़ रही है.

गुजरात पुलिस की सूचना पर हुई कार्रवाई : दरअसल, गुजरात पुलिस ने इसी तरह की बड़ी खेप जब्त की थी. जांच में यह खुलासा हुआ कि कफ सिरप सप्लाई का एक बड़ा सिंडिकेट झारखंड से संचालित हो रहा है. सूचना मिलने पर गुजरात पुलिस ने धनबाद पुलिस को जानकारी दी. इसके बाद धनबाद पुलिस ने छापेमारी कर यह सफलता हासिल की. शुरुआती जांच में गोदाम मालिक उपेंद्र सिंह (मेमको मोड़ निवासी) और वाराणसी के उमेश कुमार को आरोपी बनाया गया. बाद में जांच में रांची के तुपुदाना स्थित एक कारोबारी की संलिप्तता भी सामने आई.

विरोध-प्रदर्शन | सिंघरावां ओवरब्रिज की रिटेनिंग वॉल धंसने से ग्रामीणों में आक्रोश

कांग्रेस नेता ने डीसी से की एसआईटी जांच की मांग

शुभम संदेश । चौपारण (हजारीबाग)

चौपारण प्रखंड के जीटी रोड पर स्थित सिंघरावाँ ओवरब्रिज की रिटेनिंग वॉल 23-24 सितंबर की रात अचानक धंस गई, जिससे ग्रामीणों में गहरा आक्रोश फैल गया. हाल ही में निर्मित इस ओवरब्रिज के क्षतिग्रस्त होने को लेकर स्थानीय लोगों ने ठेकेदार कंपनी पर घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल का गंभीर आरोप लगाया. ग्रामीणों ने 26 सितंबर की सुबह ब्रिज पर इकट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि यह लापरवाही लोगों की जान पर भारी पड़ सकती थी. विरोध के दौरान कंपनी के अधिकारी सवालों से बचते हुए मौके से फरार हो गए. ब्रिज का निर्माण रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के सब- कॉन्ट्रैक्टर कौशल इंजीनियरिंग/ राजकेशरी कंपनी द्वारा किया गया था. घटना ने एनएचएआईऔर निर्माण एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं.इस मामले को लेकर कांग्रेस के जिला ओबीसी नेता दीपक गुप्ता ने हजारीबाग उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने इसे भ्रष्टाचार और आपराधिक लापरवाही का मामला बताया और कहा कि यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं, बल्कि जानबूझकर की गई अनदेखी है. दीपक गुप्ता के साथ कांग्रेस उपाध्यक्ष डॉ. निजाम उद्दीन अंसारी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे. कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है. आवेदन की प्रति मुख्यमंत्री कार्यालय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, जिला पुलिस अधीक्षक व एनएचएआई रांची को भी भेजी गई है.

प्रमुख मांगें शामिल हैं

- निर्माण सामग्री, डिजाइन और सुरक्षा मानकों की जांच के लिए स्वतंत्र एसआईटीगठित की जाए.
- जांच पूरी होने तक ब्रिज निर्माण कार्य रोका जाए.
- सिंघरावाँ ओवरब्रिज को तोड़कर उच्च गुणवत्ता से पुनर्निर्माण कराया जाए.
- दोषी ठेकेदार और एनएचएआईअधिकारियों पर एफआईआरदर्ज कर कंपनी का लाइसेंस रद्द किया जाए.
- जीटी रोड पर बने गड्ढों की तत्काल मरम्मत और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं.

शिव भक्तों को सौगात: सुल्तानगंज-कटोरिया रेल लाइन का काम शुरू होगा

देवघर-भागलपुर सहित देश भर के शिव भक्तों का सफर होगा आसान

शुभम संदेश। रांची

भारतीय रेल ने बिहार के सुल्तानगंज–कटोरिया रेल लाइन का काम चालू करने का फैसला लिया है. इससे भागलपुर और देवघर सहित पूरे देश के शिव भक्तों को रेलगाड़ी के माध्यम से सफर करने में आसानी होगी. इस परियोजना की कुल लंबाई 74.8 किलोमीटर है और यह असरगंज, तारापुर और बेलहर के रास्ते में पड़ती है. इस प्रस्तावित रेल खंड में सुल्तानगंज और कटोरिया के साथ-साथ असरगंज, तारापुर, बेलहर, श्रीनगर और सूयाबथान में ठहराव दिया गया है. कटोरिया एक जंक्शन स्टेशन बनेगा, अभी कटोरिया स्टेशन बांका–जसीडीह रेल लाइन पर पड़ता है. परियोजना के पूरा हो जाने पर प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालुओं के जल लेकर देवघर तक जाने में आसानी होगी. पूरी परियोजना पर नवीनतम अनुमानों के मुताबिक लगभग 1261 करोड़ रुपये की लागत आएगी.अभी सुल्तानगंज से देवघर की दूरी वाया भागलपुर, बांका, कटोरिया लगभग 131 किलोमीटर है, जो नई लाइन के बन जाने के बाद घटकर लगभग 101 किलोमीटर हो जाएगी, जिससे सुल्तानगंज और देवघर के बीच कनेक्टिविटी और भी बेहतर होगी.

न्यूज अपडेट

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री पर लगाई रोक

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली से पहले दिल्ली-एनसीआर में सभी तरह के पटाखों की बिक्री पर गुरुवार को रोक लगा दी है. हालांकि, कोर्ट ने पटाखा निर्माताओं को ग्रीन पटाखे बनाने की अनुमति दी है, लेकिन यह पटाखे भी इस क्षेत्र में तब तक नहीं बेचे जा सकेंगे जब तक अगला आदेश नहीं आता. कोर्ट ने साफ किया है कि ग्रीन पटाखे केवल उन्हीं निर्माताओं द्वारा बनाए जाएंगे जिनके पास नीरी और पेसो का सर्टिफिकेट होगा. इसके साथ ही निर्माताओं को लिखित वचन देना होगा कि वे दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री नहीं करेंगे. यह कदम प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए उठाया गया है, क्योंकि दिवाली के दौरान इस क्षेत्र में वायु प्रदूषण काफी बढ़ जाता है#

पार्थ चटर्जी को शिक्षक भर्ती घोटाले में जमानत, जेल से निकलने की राह प्रशस्त

नयी दिल्ली। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी को जमानत दे दी है. यह मामला कई हजार करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार से जुड़ा है, जिसमें बंगाल के सरकारी स्कूलों में नौकरी के बदले पैसे लेने का आरोप है. सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है और पिछले साल 27 दिसंबर को आरोपपत्र दाखिल किया गया था. पार्थ चटर्जी तीन साल से जेल में बंद थे, जबकि ईडी और सीबीआई के अन्य मामलों में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है. हाईकोर्ट ने जमानत की शर्तों के तहत पार्थ से पासपोर्ट जमा करने और निचली अदालत की सीमा से बाहर न जाने का निर्देश दिया है. साथ ही, उन्होंने यह भी आदेश दिया कि मुकदमे के दौरान पार्थ सार्वजनिक पद पर नियुक्त नहीं किए जाएंगे.

फिलीपींस के द्वीपों पर उष्णकटिबंधीय तूफान, बुआलोई से चार लोगों की मौतें

नयी दिल्ली। फिलीपींस के द्वीपों पर उष्णकटिबंधीय तूफान बुआलोई भारी तबाही लेकर आया है. इस तूफान ने मस्बाते प्रांत में चार लोगों की जान ले ली है. इन मौतों के पीछे पेड़ गिरना, दीवार ध्वस्त होना, मलबे के नीचे दबना और बिजली गिरना प्रमुख कारण रहे. तूफान के चलते 4,33,000 से अधिक लोगों को बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है. तूफान बुआलोई लगभग 110 किमी प्रति घंटे की तेज हवाओं के साथ पूर्वी सामर प्रांत के सान पोलिकार्पो कस्बे में पहुंचा. इसने व्यापक बिजली कटौती, बाढ़ और दो भूस्खलन की घटनाएं भी घटीं. हालांकि, रात के समय यह तूफान कमजोर हो गया है.

अवैध प्रवासी चालक की तेज रफ्तार से पांच वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल

नयी दिल्ली। कैलिफोर्निया में एक गंभीर ट्रैफिक हादसे में पांच वर्षीय डलिलाह कोलमेन को जीवन बदल देने वाली चोटें आई हैं. गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के बयान के अनुसार, प्रताप सिंह नामक व्यक्ति ने अक्टूबर 2022 में अमेरिका की दक्षिण सीमा को अवैध रूप से पार किया था, और बाइडन प्रशासन ने उसे तब रिहा कर दिया था. कैलिफोर्निया राजमार्ग पुलिस (सीएचपी) की रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रताप सिंह ने असुरक्षित गति से वाहन चलाया और ट्रैफिक और निर्माण क्षेत्र में भी वाहन नहीं रोका.

दक्षिण कोरिया ने चेतावनी गोलियों से खदेड़ा उत्तर कोरियाई जहाज को

सियोल । दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच विवादित पश्चिमी समुद्री सीमा (नॉर्दर्न लिमिट लाइन) पर एक बार फिर तनाव बढ़ गया है. शुक्रवार तड़के करीब 5 बजे, उत्तर कोरियाई एक व्यापारी जहाज ने इस सीमा को पार कर लिया, जिसके बाद दक्षिण कोरियाई सेना ने ऑडियो चेतावनी के बाद चेतावनी गोलियां चला दीं. इसके तुरंत बाद उत्तर कोरियाई जहाज वापस लौट गया. दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि यह कार्रवाई निर्धारित सैन्य प्रक्रिया के तहत की गई और वे अपनी समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं. यह सीमा विवादित है क्योंकि नॉर्दर्न लिमिट लाइन दोनों देशों के बीच सही तरीके से चिन्हित नहीं है, जिससे अक्सर टकराव होते रहते हैं. 2010 में भी इसी सीमा के पास उत्तर कोरिया ने एक दक्षिण कोरियाई द्वीप पर गोलाबारी की थी और एक नौसैनिक जहाज पर टॉरपीडो हमला किया था.

बरेली में 'आई लव मोहम्मद' पोस्टर विवाद पर बवाल, हालात नियंत्रित

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद 'आई लव मोहम्मद' पोस्टर विवाद को लेकर माहौल बिगड़ गया. मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर इस्लामिया मैदान में मुस्लिम युवक एकत्र होकर प्रशासन को ज्ञापन देने जा रहे थे, लेकिन बिना अनुमति के जुलूस निकालने पर पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की. इस पर प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और पथराव शुरू कर दिया. घटना खलील स्कूल के पास से शुरू हुई. स्थिति बिगड़ते देख पुलिस ने लाठीचार्ज किया और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे. डीआईजी अजय कुमार साहनी के अनुसार, उपद्रवियों की पहचान कर कई को गिरफ्तार किया गया है.

आईटीबीपी के जवानों ने किया 19,495 फीट ऊंचे कालिंदीखाल-बद्रीनाथ ट्रैक को पार

उत्तरकाशी । भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के जवानों ने एक बार फिर अपनी अदम्य साहस और अनुशासन का परिचय देते हुए विश्व के सबसे कठिन ट्रैकों में शामिल कालिंदीखाल-बद्रीनाथ ट्रैक को पार कर ऐतिहासिक सफलता हासिल की है. फ्रंटियर-स्तर ट्रैकिंग अभियान 'हिमादी' के तहत 15 सदस्यीय दल ने यह 111 किलोमीटर लंबा ट्रैक 19,495 फीट की ऊंचाई पर पूरा किया. इस साहसिक अभियान की शुरुआत 16 सितंबर को नेलांग घाटी से हुई थी. अभियान का नेतृत्व आईटीबीपी 35वीं वाहिनी के उप सेनानी दीपक कुमार ने किया, जबकि पर्वतारोहण विशेषज्ञ भानुप्रताप सिंह ने टीम का मार्गदर्शन किया. यह ट्रैक उत्तराखंड के दो प्रमुख तीर्थस्थलों, गंगोत्री धाम और बद्रीनाथ धाम को जोड़ता है, जिसे उच्च हिमालयी क्षेत्र का सबसे कठिन मार्ग माना जाता है. जवानों को इस दौरान बर्फीले तूफानों, हिमस्खलनों, ग्लेशियरों की दरारों, अत्यधिक ठंड और ऑक्सीजन की कमी जैसी विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा.

मीर यार बलोच का संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में हस्तक्षेप का आह्वान

अमेरिका को भी दिखाई सख्ती

एजेंसी। क्वेटा

बलोचिस्तान स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता मीर यार बलोच ने पाकिस्तान की आक्रामक गतिविधियों और अवैध घुसपैठ को लेकर संयुक्त राष्ट्र से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है. उन्होंने बलोचिस्तान की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन की तैनाती की मांग की है. साथ ही, उन्होंने अमेरिका को भी कड़ा संदेश दिया है, जो हाल ही में पाकिस्तान के साथ बलोचिस्तान की खनिज संपदा को लेकर एक समझौता कर चुका है.

मीर यार बलोच ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों से आग्रह किया जाता है कि वे बलोचिस्तान में हस्तक्षेप करें ताकि पाकिस्तान की अवैध घुसपैठ और आक्रमण से हमारी सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके." उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान की घुसपैठ से बलोचिस्तान की संप्रभुता को गंभीर खतरा है, और इसीलिए बलोच सीमा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है.

उन्होंने 1947 से बलोचिस्तान में रह रहे अवैध पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल देश छोड़ने का आदेश दिया है. मीर यार ने कहा कि इन लोगों के पास न तो वैध दस्तावेज हैं और न ही वीजा, और उनका रहना अंतरराष्ट्रीय मानकों और बलोचिस्तान की संप्रभुता दोनों का उल्लंघन है. बलोच नेता ने बलोच राष्ट्र से एकजुट होने की अपील करते हुए पंजाब प्रांत के बलोच-बहुल क्षेत्रों—डेरा गाजी खान, तौंसा शरीफ, जैकोबाबाद और खानपुर—की तत्काल वापसी की मांग की. उन्होंने कहा कि गोरचानी, लिघारी, ब्रेशक और मजारी जैसी बलोच जनजातियां इन क्षेत्रों में 18वीं सदी से रह रही हैं, जिन्हें ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने रणनीतिक रूप से बलोचिस्तान से अलग किया था. मीर यार बलोच ने पश्तून और सिंधी समुदायों से आग्रह किया कि वे तय समयसीमा के भीतर क्रमशः पख्तूनिस्तान और सिंध लौट जाएं. उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तानी सेना की मौजूदगी बलोचिस्तान की शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है और सेना को तुरंत वापस जाना चाहिए.

मीर यार ने अमेरिका द्वारा पाकिस्तान के साथ किए गए हालिया खनिज समझौते पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा, "पाकिस्तान के भ्रष्ट जनरलों के साथ खनिज संपदा को लेकर समझौता करना एक हारे हुए घोड़े पर दांव लगाने जैसा है. यह एक निरर्थक और असफल प्रयास है."

उन्होंने यह भी दावा किया कि बलोच रक्षा बलों ने हाल ही में सुरब और कलात जिलों पर नियंत्रण स्थापित किया है और वहां राष्ट्रीय राजमार्गों पर अपनी चौकियां बनाई हैं. इसके साथ ही, पाकिस्तानी सेना के दो वाहनों को हथियारों और रसद सहित अपने कब्जे में लिया गया. यह घटनाएं उनके अनुसार इस बात का प्रमाण हैं कि बलोच स्वतंत्रता आंदोलन दिन-ब-दिन मजबूत हो रहा है और पाकिस्तान का नियंत्रण कमजोर हो रहा है. बलोच नेता ने अमेरिकी सरकार और निजी कंपनियों को चेतावनी देते हुए कहा कि खनिज संपदा पर कोई भी समझौता बलोचों की सहमति के बिना अवैध माना जाएगा. उन्होंने ट्रंप और अन्य वैश्विक नेताओं से आग्रह किया कि वे बलोचिस्तान के असली मालिकों से सीधे संवाद करें, ताकि आपसी सम्मान और दीर्घकालिक साझेदारी का रास्ता तैयार हो सके. अंत में मीर यार बलोच ने कहा कि पाकिस्तान एक कपटी राष्ट्र है जिसने हमेशा वैश्विक शक्तियों को धोखा दिया है और वह भविष्य में भी केवल पंजाब और इस्लामाबाद के हितों की ही रक्षा करेगा. उन्होंने स्पष्ट किया कि बलोचिस्तान की खनिज संपदा पर किसी बाहरी समझौते को तब तक वैध नहीं माना जाएगा जब तक वह बलोच राष्ट्र की स्वीकृति से न किया गया हो.

केरल में एम्स की स्थापना को लेकर सियासी गर्माहट, 2016 वाला रुख

नयी दिल्ली। केरल में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना को लेकर चल रही बयानबाजी ने राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है. केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस एवं पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि उनके एम्स को लेकर रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और वह अपने 2016 वाले बयान पर कायम हैं. उन्होंने पत्रकारों से कहा, ₹मैंने जो कहना था, कह दिया है. मेरा एक ही रुख है, जो 2016 में था, वही है.₹ यह बयान उस समय आया जब सुरेश गोपी ने हाल ही में अलप्पुझा जिले में एम्स की स्थापना की मांग की थी. कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने इसे उनका व्यक्तिगत मत बताया और कहा कि एम्स की स्थापना का स्थान केंद्र सरकार तय करेगी. 2016 में भी सुरेश गोपी ने केरल में एम्स की स्थापना के लिए प्रयास करने की बात कही थी. इस सप्ताह उन्होंने केरल के मुख्यमंत्री से अलप्पुझा में जमीन आवंटित करने का अनुरोध भी किया था. राज्य की सत्ताधारी माकपा ने सुरेश गोपी की मांग को विवादित बताया है. सरकार ने एम्स के लिए कोझिकोड को उपयुक्त स्थान माना है और वहां जमीन आवंटित की गई है. भाजपा के राज्य महासचिव एमटी रमेश ने कहा कि पार्टी केरल में कहीं भी एम्स की स्थापना का स्वागत करती है, और सुरेश गोपी की मांग उनके व्यक्तिगत विचार हैं. उन्होंने यह भी कहा कि एम्स की स्थापना का स्थान केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय से तय होगा.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में किया संतोष मित्रा स्क्वायर पूजा पंडाल का उद्घाटन

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता के उत्तर हिस्से में प्रतिष्ठित संतोष मित्रा स्क्वायर दुर्गा पूजा मंडप का उद्घाटन किया. सुबह 11:20 बजे पहुंचे शाह ने इस वर्ष की थीम 'ऑपरेशन सिन्दूर' का अवलोकन किया, जिसमें पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना के आतंकवाद-विरोधी अभियान की झलक प्रस्तुत की गई है. पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री का यह दौरा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. पूजा उद्घाटन के बाद उन्होंने मां दुर्गा से प्रार्थना करते हुए कहा, "इस चुनाव के बाद बंगाल में ऐसी सरकार बनेगी जो 'सोनार बांग्ला' का निर्माण करेगी. हमारा बंगाल फिर से सुरक्षित, सुजलाम-सुफलाम और शांत होगा." शाह ने भारी वर्षा और बिजली गिरने से हाल ही में हुई दुर्घटनाओं का उल्लेख करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की.

युद्ध ने बच्चों को मौत के खतरनाक रास्ते अपनाने के लिए विवश कर दिया, सुरक्षा पर भी उठ रहे सवाल

नयी दिल्ली। अफगानिस्तान के 13 वर्षीय बच्चे द्वारा दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान के लैंडिंग-गियर कंपार्टमेंट में छिपकर आना एक बार फिर वैश्विक मानवाधिकार संकट को उजागर करता है. एमनेस्टी इंटरनेशनल ने चेताया है कि युद्ध, असुरक्षा और गरीबी ने बच्चों को मौत के खतरनाक रास्ते अपनाने के लिए मजबूर कर दिया है. हवाई इतिहास में 130 से अधिक स्टोअवे केसेज दर्ज हैं, जिनमें 80% यात्री मारे गए, जबकि केवल कुछ ही बच पाए हैं. 13 वर्षीय बच्चे का सुरक्षित बचना असाधारण माना जा रहा है. मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना को बच्चों की सुरक्षा और वैध प्रवासन विकल्प प्रदान करने की आवश्यकता के संदर्भ में चेतावनी बताया है. यूनिसेफ ने भी बच्चों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने पर जोर दिया है. विशेषज्ञों ने कहा है कि कड़ी सुरक्षा के बावजूद किसी के विमान के लैंडिंग-गियर तक पहुंचना हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक है. इस घटना ने न केवल बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया है बल्कि वैश्विक हवाई अड्डों की सुरक्षा को भी गंभीर चुनौती दी है.

पूर्वोत्तर भारत को म्यांमार के सितवे पोर्ट से जोड़ेगा नया रेल मार्ग, बढ़ेगा व्यापार व रणनीतिक ताकत

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 13 सितंबर को मिजोरम की राजधानी आइजोल को भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ने के साथ ही अब भारतीय रेलवे म्यांमार बॉर्डर तक पहुंचने की तैयारी में है. इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के अंतर्गत मिजोरम से म्यांमार तक नई रेलवे लाइन बिछाई जाएगी. नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के सीपीआरओ के.के. शर्मा के अनुसार, सायरंग से शुरू होकर यह रेलवे लाइन मिजोरम के हबीचुआ तक जाएगी, जो म्यांमार सीमा के बेहद पास स्थित है. कुल 223 किलोमीटर लंबी इस लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे का काम जारी है और जल्द ही इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को सौंपी जाएगी. यह परियोजना न केवल भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अहम मानी जा रही है, बल्कि इसके जरिए मिजोरम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन के लिहाज से भी बड़ा फायदा होगा. इस रेल लाइन के जरिए मिजोरम को म्यांमार के सितवे पोर्ट से जोड़ा जाएगा, जो बंगाल की खाड़ी में स्थित एक गहरा समुद्री बंदरगाह है और भारत द्वारा ही विकसित किया गया है.

कोलकाता : गर्भवती सोनाली को बांग्लादेश भेजने का फैसला रद्द, चार हफ्ते में भारत लाने का आदेश

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बीरभूम की गर्भवती सोनाली बीबी को बांग्लादेश भेजने के केंद्र सरकार के फैसले को खारिज कर दिया है. अदालत ने केंद्र को स्पष्ट निर्देश दिया है कि सोनाली को उनके पति और 8 वर्षीय पुत्र के साथ चार सप्ताह के भीतर भारत वापस लाया जाए. केंद्र ने इस आदेश को स्थगित करने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने वह याचिका भी नामंजूर कर दी. सोनाली बीबी को उनके परिवार सहित "बांग्लादेशी नागरिक" बताकर जून माह में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था. इसके बाद उन्हें और अन्य चार लोगों को बांग्लादेश भेज दिया गया, जहां चपाइनवाबगंज जिले में पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया. इस घटना के बाद मामला उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा, जिसने उच्च न्यायालय को शीघ्र सुनवाई का निर्देश दिया था. शुक्रवार को न्यायमूर्ति तपोब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति ऋद्व्रत कुमार मित्रा की डिवीजन बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि सोनाली और उनके परिवार को बांग्लादेश भेजना गलत कदम था. अदालत ने केंद्र को तुरंत कार्रवाई कर उन्हें वापस लाने का आदेश दिया.

सुप्रीम कोर्ट ने सलमान रुश्दी के विवादित उपन्यास 'द सैटेनिक वर्सेज' पर बैन की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय-ब्रिटिश लेखक सलमान रुश्दी के विवादित उपन्यास 'द सैटेनिक वर्सेज' पर फिर से प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया. अदालत ने स्पष्ट कहा कि याचिकाकर्ता प्रभावी रूप से दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दे रहे हैं, जिसे सुप्रीम कोर्ट में इस तरह से चुनौती नहीं दी जा सकती. इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने की. याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता चांद कुरैशी ने यह आपत्ति जताई कि हाई कोर्ट के फैसले के बाद अब यह पुस्तक बाजार में उपलब्ध हो गई है, जो धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकती है. लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कोई राहत देने से इनकार कर दिया. बता दें कि साल 1988 में भारत सरकार ने 'द सैटेनिक वर्सेज' पर प्रतिबंध लगाया था. उस समय राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे. यह प्रतिबंध किताब को भारत में छपवाने और विदेश से मंगवाने दोनों पर लागू था.

पाकिस्तान में हाईकोर्ट जज की कानून की डिग्री रद्द

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के न्यायाधीश तारिक महमूद जहांगीरी ने उच्चतम न्यायालय से इंसाफ की मांग की है. यह मामला उनकी कानून की डिग्री से जुड़ा हुआ है. कराची विश्वविद्यालय ने 32 वर्ष बाद उनकी कानून की डिग्री रद्द कर दी है. न्यायाधीश जहांगीरी ने सिंध उच्च न्यायालय (एसएचसी) में कराची विश्वविद्यालय के फैसले को चुनौती देते हुए कहा कि न्यायिक स्वायत्तता की पक्षधरता के लिए उन्हें कार्यपालिका के शक्तिशाली सदस्यों से प्रतिशोध का सामना करना पड़ रहा है. द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, कराची विश्वविद्यालय के सिंडिकेट ने विश्वविद्यालय की अनुचित साधन (यूएफएम) समिति की सिफारिश पर 31 अगस्त 2024 को न्यायमूर्ति जहांगीरी की कानून की डिग्री रद्द कर दी. हालांकि पांच सितंबर, 2024 को एसएचसी ने विश्वविद्यालय के फैसले को स्थगित कर दिया. पिछले हफ्ते 16 सितंबर को आईएचसी के मुख्य न्यायाधीश सरदार मोहम्मद सरफराज डोगर और न्यायमूर्ति मुहम्मद आजम खान की खंडपीठ ने न्यायमूर्ति जहांगीरी को उनके कर्तव्यों का पालन करने से रोक दिया.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार प्रदान किए

एजेंसियां । नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को भूविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2024 प्रदान किए. राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने कहा कि खनिजों ने मानव सभ्यता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. धरती के गर्भ में विद्यमान खनिज पदार्थों ने मानव जीवन को आधार दिया है और हमारे व्यापार एवं उद्योग को आकार दिया है. पाषाण युग, कांस्य युग और लौह युग- मानव सभ्यता के विकास के प्रमुख चरणों के नाम खनिजों के नाम पर रखे गए हैं. लोहा और कोयला जैसे खनिज पदार्थों के बिना औद्योगीकरण अकल्पनीय होता. राष्ट्रपति ने कहा कि खनन आर्थिक विकास के लिए संसाधन प्रदान करता है और रोजगार के व्यापक अवसर पैदा करता है. हालांकि, इस उद्योग के कई प्रतिकूल प्रभाव भी हैं, जिनमें स्थानीय निवासियों का विस्थापन, जंगल का उजड़ना, वायु एवं जल प्रदूषण जैसे कई दुष्प्रभाव भी होते हैं. उन्होंने कहा कि इन प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए खनन प्रक्रिया के दौरान सभी नियमों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए. खदानों को बंद करते समय भी उचित प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्थानीय निवासियों और वन्यजीवों को कोई नुकसान न हो. राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हमारा देश तीन तरफ से महासागरों से घिरा हुआ है. इन महासागरों की गहराई में कई मूल्यवान खनिज तत्वों के भंडार हैं. भूवैज्ञानिक राष्ट्र के विकास के लिए इन संसाधनों के उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. उन्होंने भूवैज्ञानिकों से ऐसी तकनीकें विकसित करने का आग्रह किया जो समुद्री जैव विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए राष्ट्र के लाभ के लिए समुद्र तल के नीचे के संसाधनों का दोहन कर सकें. राष्ट्रपति ने कहा कि भूवैज्ञानिकों की भूमिका खनन तक सीमित नहीं है. उन्हें भू-पर्यावरणीय स्थिरता पर खनन के प्रभाव पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है.

आतंकवाद विकास के लिए सबसे बड़ा खतरा है: जयशंकर

एजेंसियां । न्यूयॉर्क

भारतीय विदेशमंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद पर दोहरे मानदंड अपनाने वाले राष्ट्रों को नसीहत दी. हालांकि उन्होंने इस संदर्भ में किसी का भी नाम नहीं लिया. जयशंकर ने आतंकवाद पर जमकर प्रहार किया. संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के अवसर पर आयोजित इस बैठक की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका ने की.

जयशंकर ने कहा, " राजनीतिक और आर्थिक रूप से अस्थिर अंतरराष्ट्रीय स्थिति में जी-20 सदस्यों की विशेष जिम्मेदारी है कि वे इसकी स्थिरता को मजबूत करें और इसे और अधिक सकारात्मक दिशा दें." उन्होंने कहा कि आतंकवाद विकास के लिए सबसे बड़ा खतरा है. दुनिया आतंकवाद के प्रति न तो सहिष्णुता दिखाए और न ही सहयोग दे. जयशंकर ने कहा कि जो लोग किसी भी मोर्चे पर आतंकियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हैं, वे समग्र रूप से अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बड़ी सेवा करते हैं. विदेशमंत्री जयशंकर ने इसके अलावा ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के एक कार्यक्रम को भी संबोधित किया. उन्होंने कहा कि आज की बदलती दुनिया को ग्लोबल वर्क फोर्स की जरूरत है. कोई इस हकीकत को नकार नहीं सकता कि राष्ट्रीय जनसांख्यिकी के कारण कई देशों में ग्लोबल वर्क फोर्स की मांग पूरी नहीं हो पाती. जयशंकर की यह टिप्पणी व्यापार और टैरिफ चुनौतियों के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इमिग्रेशन पर सख्त रुख के बीच आई है, जिसमें एच-1बी वीजा पर 1,00,000 डॉलर का नया शुल्क शामिल है. विदेशमंत्री ने कहा कि पिछले तीन-चार साल में दुनिया आपूर्ति श्रृंखला और उत्पादन के स्रोतों को लेकर चिंतित थी. अब हमें बाजार तक पहुंच की अनिश्चितता से भी खुद को बचाना होगा.

भारत के आसमान पर 62 साल तक राज करने के बाद मिग-21 विमान की हवाई बेड़े से दी गई विदाई

वायु सेना की नयी ताकत बनेंगे स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस'

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के आसमान पर 62 वर्षों तक राज करने और तीन युद्धों में दुश्मनों को धूल चटाने वाले मिग-21 लड़ाकू विमान ने आज भारतीय वायु सेना के बेड़े से अंतिम विदाई ले ली. इस ऐतिहासिक विमान को चंडीगढ़ एयरबेस से औपचारिक रूप से रिटायर कर दिया गया. इसके साथ ही भारतीय वायु सेना के एक युग का अंत हो गया और अब उसकी जगह लेगा स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान एलसीए तेजस. मिग-21 को भारतीय वायु सेना में 1963 में शामिल किया गया था और यह भारत का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान बना. तेज रफ्तार, सटीक हमले और अद्वितीय फुर्ती के कारण यह वर्षों तक वायु सेना की रीढ़ बना रहा. मिग-21 ने 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई. 1971 में इसने ढाका स्थित राजभवन को निशाना बनाकर पाकिस्तान को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया था. हालांकि, मिग-21 की चमक के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी रही. 1970 के दशक के बाद यह विमान तकनीकी खामियों और हादसों का शिकार होता रहा. बीते दशकों में मिग-21 हादसों में 170 से ज्यादा भारतीय पायलट और 40 से अधिक नागरिकों की जान गई. इन दुर्घटनाओं के कारण इसे 'उड़ता ताबूत' तक कहा जाने लगा. 1985 में रूस द्वारा इसके उन्नत संस्करण मिग-21 बाइसन को पेश किया गया, जिसे भारत ने भी अपनाया. मिग-21 एक बार फिर तब चर्चा में आया जब 27 फरवरी 2019 को बालाकोट एयर स्ट्राइक के जवाब में पाकिस्तान की वायु कार्रवाई का सामना करते हुए विंग कमांडर अभिनंदन वर्थमान ने इसी विमान से एफ-16 को मार गिराया. हालांकि, उनका विमान भी इस मुठभेड़ में गिर गया और उन्हें पाकिस्तान में बंदी बना लिया गया था. बाद में भारत के कूटनीतिक प्रयासों से उन्हें सकुशल रिहा कराया गया. मिग-21 की अंतिम उड़ान के साथ भारतीय वायु सेना के पास अब 29 लड़ाकू स्क्वाड्रन शेष रह गई हैं, जबकि आवश्यक संख्या 42 है. इस कमी को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार ने 25 सितंबर को हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को 97 स्वदेशी एलसीए तेजस मार्क-1ए विमानों का नया ऑर्डर दिया है. इससे पहले 83 तेजस विमानों का ऑर्डर पहले ही दिया जा चुका है. कुल मिलाकर एचएएल को अब 180 तेजस विमान तैयार करने हैं, जो आने वाले वर्षों में वायु सेना की ताकत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे. मिग-21 की विदाई सिर्फ एक विमान की नहीं, बल्कि एक गौरवशाली युग का अंत है. अब इस विरासत को तेजस जैसे आधुनिक और स्वदेशी लड़ाकू विमान आगे बढ़ाएंगे, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है. भारत के आसमान पर 62 साल तक राज करने और पाकिस्तान के साथ तीन युद्ध लड़ने वाले मिग-21 विमान ने आज आखिरकार वायु सेना के हवाई बेड़े से विदाई ले ली. अपनी आखिरी उड़ान के साथ इस विमान को केवल शौर्य और पराक्रम की गाथा के लिए ही नहीं बल्कि इसे सबसे अधिक पायलटों की मौत के लिए भी याद किया जायेगा. मिग-21 को चंडीगढ़ एयरबेस से विदाई दिए जाने के बाद अब वायु सेना की नयी ताकत के रूप में स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान तेजस मार्क-1 ए इसकी जगह लेगा.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.